THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

देश का हर दलित आंबेडकर है : राहुल

रायबरेली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बृहस्पतिवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे जहां पर उन्होंने दलित छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि दलितों के साथ जो हजारों साल में अन्याय और भेदभाव हुआ है डॉ. आंबेडकर ने वो ध्यान में रखकर संविधान बनाया है। देश की हजारों साल की संस्कृति और महापुरुषों के विचार देश के संविधान में हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार समाज से आए हैं। देश का हर दलित आंबेडकर है। डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से दलितों को शक्ति दी है। उन्होंने कहा कि आज देश में संविधान की आवाज को दबाया जा रहा है।

वर्ष-29 अंक : 330 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.8 2081 शुक्रवार, 21 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रेखा गुप्ता 9वीं सीएम

*** बोलीं-शीशमहल में नहीं रहूंगी * प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्री बनाए गए * शाम को यमुना किनारे आरती की**

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में आज से 'रेखा सरकार'। शालीमार बाग सीट से पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता (50 साल) ने गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ली। वे दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला सीएम बन गई हैं। रेखा से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी मुख्यमंत्री रहीं। इस समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह के अलावा बीजेपी शासित 21 राज्यों के सीएम, डिप्टी सीएम भी मौजूद रहे। आप नेता अरविंद केजरीवाल और आतिशी शपथ में नहीं पहुंचे।

प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली

रेखा के अलावा 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह शामिल है। दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम आए। इसके अलावा पीएम मोदी, दिल्ली के उपराज्यपाल, सीएम रेखा गुप्ता और उनका मंत्रिमंडल मंच पर मौजूद रहा। दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम आए। इसके अलावा पीएम मोदी, दिल्ली के उपराज्यपाल, सीएम रेखा गुप्ता और उनका मंत्रिमंडल मंच पर मौजूद रहा।

रेखा बोलीं-मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी

शपथ से पहले रेखा गुप्ता ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं पीएम मोदी और पार्टी हाईकमान का शुक्रिया अदा करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की सीएम बनूंगी। मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी।' दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को भाजपा ने शीशमहल नाम दिया था। अरविंद केजरीवाल ने इसे बनवाया था। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने इसे बनवाने में नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा भी बनाया था।

'आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते?'

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति के ध्वस्तीकरण को लेकर शीर्ष अदालत के फैसले की अवमानना करने पर महाराष्ट्र के अधिकारियों के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते हैं? हम यहां से हर चीज की निगरानी नहीं कर सकते। इस पर याचिकाकर्ता के वकील के दावा किया कि महाराष्ट्र के अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के 13 नवंबर 2024 के फैसले में दिए गए निर्देशों का उल्लंघन किया है। उन पर अवमानना की कार्रवाई की जाए। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में नोटिस दिए बिना संपत्ति पर कोई भी तोड़फोड़ न करने और पीड़ित पक्ष को 15 दिन का नोटिस देने के लिए कहा था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जोहान्सबर्ग में सिंगापुर ब्राजील के समकक्षों से मुलाकात की

जोहान्सबर्ग, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को सिंगापुर और ब्राजील के अपने समकक्षों से मुलाकात की और उनके साथ वैश्विक विकास और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहान्सबर्ग पहुंचे हुए हैं। उन्होंने बैठक के दौरान सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन और ब्राजील के समकक्ष मौरो विएरा से मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ हमेशा अच्छी बातचीत होती है। इस बार जोहान्सबर्ग में जी20 एफएमएम के दौरान। दुनिया की स्थिति और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में हमारे काम पर चर्चा हुई।' उन्होंने कहा कि उन्होंने और ब्राजील के विएरा ने द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक विकास और जी20 और ब्राजील की ब्रिक्स प्रेसीडेंसी में उनके काम पर चर्चा की। ब्राजील सरकार ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में होगा। 2009 में गठित ब्रिक्स एकमात्र प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका संयुक्त राज्य अमेरिका हिस्सा नहीं है। इसके सदस्यों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

'विकसित दिल्ली' के विजन को पूरा करने के लिए काम करेंगे

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरुवार को सीएम रेखा गुप्ता ने पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'आज से पहले यह सीएम कार्यालय मीडिया के लिए नहीं खुला था। आज से यह सभी के लिए खुला रहेगा। सभी का स्वागत है। आज शपथ ग्रहण समारोह के बाद हमने सचिवालय के मुख्यमंत्री कार्यालय में पदभार संभाल लिया है। शाम सात बजे कैबिनेट पहली बैठक बुलाई गई है। इससे पहले शाम पांच बजे यमुना घाट पर जाएंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा कि जो मिशन 'विकसित दिल्ली' का है, उसे पूरा करने के लिए लगातार काम किया जाएगा। एक भी दिन व्यर्थ नहीं होगा। एक-एक वादे पूरे किए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'हम सबके प्रेरणास्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गौरवमयी उपस्थिति में दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भाजपा की डबल इंजन सरकार में दिल्ली का हर दिन विकास पथ पर निरंतर प्रशस्त होता जाएगा एवं मैं और मेरे मंत्रिमंडल के साथी संकल्पित भाव से 'विकसित दिल्ली' का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सदैव प्रयासरत रहेंगे।'

हाईकोर्ट जजों के खिलाफ लोकपाल जांच पर सुप्रीम रोक

एससी ने कहा-यह बहुत परेशान करने वाला, केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय एस ओका की बेंच ने गुरुवार को मामले पर खुद सुनवाई की और कहा कि यह बहुत परेशान करने वाली बात है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, लोकपाल रजिस्ट्रार, शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। तब तक जजों के नाम और शिकायत का खुलासा नहीं करना है। दरअसल, लोकपाल ने 27 फरवरी को एक आदेश जारी कर हाईकोर्ट के एक मौजूदा एडिशनल जज के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की बात कही थी। लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट का एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए हाईकोर्ट के एक अन्य जज और एक एडिशनल जिला जज को सिफारिश की। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस जज के खिलाफ जज लोकपाल अधिनियम की धारा 14 (1) (एफ) के दायरे में एक व्यक्ति के रूप में योग्य होगा। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने फैसले को प्रभावित करने का आरोप है, वह किसी समय में इसी कंपनी के लिए वकालत कर चुके हैं। जस्टिस गवई और जस्टिस ओका ने कहा कि देश में संविधान लागू होने के बाद भी हाई कोर्ट के जज संवैधानिक प्रहरी के तौर पर काम करते रहे हैं। उन्हें एक वैधानिक पदाधिकारी नहीं माना जा सकता। यह परेशान करने वाली बात है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट के जज कभी भी लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के दायरे में नहीं आएंगे।

'यूजीसी रेगुलेशन से राज्यों को उच्च शिक्षा से दूर किया जा रहा'

केरल सीएम का गंभीर आरोप

तिरुवनंतपुरम, 20 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने आरोप लगाया है कि यूजीसी रेगुलेशंस 2025 के ड्राफ्ट के जरिए राज्यों को उच्च शिक्षा के मामलों से दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ राज्य दरकिनार हो जाएंगे बल्कि इससे उच्च शिक्षा में राज्यों की भूमिका भी कमजोर होगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ड्राफ्ट के अनुसार, विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर्स और असिस्टेंट प्रोफेसर्स की नियुक्ति में राज्यों की कोई भूमिका नहीं रहेगी।

'राज्यपाल, विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप करते हैं'

यूजीसी रेगुलेशन 2025 के ड्राफ्ट को लेकर नेशनल कन्वेंशन से इतर केरल सीएम ने ये बातें कहीं। इस कन्वेंशन में केरल के अलावा तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के मंत्री भी शामिल हुए। विजयन ने कहा कि वाइस चांसलर की नियुक्ति की शक्ति चांसलर यानी कि राज्यपाल को दी गई है। राज्यपालों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है, ऐसे में वाइस चांसलर की नियुक्ति में राजनीतिक दखल से इनकार नहीं किया जा सकता। यह उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए खतरनाक होगा। केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्यपाल, विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप करते हैं और यूजीसी रेगुलेशन 2025 ड्राफ्ट में जो प्रावधान हैं, उसके बाद इसकी आशंका और ज्यादा बढ़ जाएगी। केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्यपाल, विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप करते हैं और यूजीसी रेगुलेशन 2025 ड्राफ्ट में जो प्रावधान हैं, उसके बाद इसकी आशंका और ज्यादा बढ़ जाएगी। विजयन ने केरल के पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का उदाहरण दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने विश्वविद्यालयों में प्रशासन से संबंधी कई विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया था। जिसके बाद राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ा था। विजयन ने ड्राफ्ट के प्रावधानों को मनमाना करार दिया और कहा कि इससे केंद्र सरकार द्वारा राज्यों के अधिकार का हनन किया जाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि केंद्र सरकार लगातार राज्यों की योजनाओं में अपने हिस्से को कम करती जा रही है, इससे राज्यों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग वाले ट्रंप के बयान पर सियासत

> कांग्रेस ने कहा-श्वेत पत्र लाए सरकार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग को लेकर सवाल उठाए हैं। अब इसे लेकर भारत की राजनीति गरमा गई है। अब कांग्रेस ने मांग की है कि भारत सरकार को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) की ओर से सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं को दिए गए समर्थन पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही कांग्रेस ने ट्रंप के दावों को बेतुका करार दिया है।

ट्रंप के बयान के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि यूएसएआईडी इन दिनों काफी चर्चा में है। इसकी स्थापना 3 नवंबर 1961 को हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जा रहे दावे कम से कम कहने के लिए तो बेतुके हैं। फिर भी भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए जिसमें दशकों से भारत में सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों को यूएसएआईडी द्वारा दिए गए समर्थन का विवरण हो। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर देने की क्या जरूरत है? मुझे लगता है कि वे (बाइडन सरकार) चाहते थे कि चुनाव में किसी और को चुना जाए। हमें इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए...यह चौंकाने वाला है। भारत के पास पहले से ही काफी पैसा है। वे सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देश हैं। हम मुश्किल से उनके बाजार में अपना सामान भेज पा रहे हैं क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। मैं भारत और उनके प्रधानमंत्री का सम्मान करता हूं, लेकिन भारत के चुनाव में 2.1 करोड़ की फंडिंग देने का क्या मतलब है? यहां के मतदान प्रतिशत का क्या? हाल ही में एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने खुलासा किया है कि अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों को फंडिंग देने वाली एजेंसी यूएसएआईडी के जरिए भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया गया।

सीएम स्टालिन ने पीएम से की अपील

तमिलनाडु के लिए समग्र शिक्षा अभियान की निधि की जाए जारी

चेन्नई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वे हस्तक्षेप कर राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के 2 हजार 152 करोड़ रुपये की निधि जल्द जारी करें। उन्होंने कहा कि सहकारी संघवाद और लाखों छात्रों व शिक्षकों के हित में यह फैसला लिया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि एसएसए फंड को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और पीएम श्री स्कूल योजना से जोड़ना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि तमिलनाडु के लिए इस फंड को तुरंत जारी किया जाए, बिना इसे एनईपी 2020 के क्रियान्वयन या तीन-भाषा नीति से जोड़े।

तीन-भाषा नीति को नहीं मानने पर रोका फंड

सीएम स्टालिन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के हालिया बयान पर चिंता जताई, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि जब तक तमिलनाडु एनईपी और तीन-भाषा नीति को पूरी तरह लागू नहीं करता, तब तक एसएसए फंड जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला छात्रों, राजनीतिक दलों और आम जनता में भारी चिंता और असंतोष पैदा कर रहा है। तमिलनाडु पिछले कई दशकों से दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहा है और यह नीति राज्य की शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचना की जड़ में है। इसी कारण से राज्य को 'राजभाषा अधिनियम, 1963' से छूट दी गई थी। सीएम स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य पर दबाव बनाने के लिए एसएसए फंड को रोक रही है, ताकि तमिलनाडु जबरन एनईपी 2020 को लागू करने के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने इसे सहकारी संघवाद के खिलाफ और राज्यों के अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि फंड न मिलने से शिक्षकों के वेतन, छात्रों की कल्याणकारी योजनाएं, समावेशी शिक्षा कार्यक्रम, गरीब छात्रों के लिए आरटीई की फीस भरपाई और दूर-दराज के इलाकों में छात्रों के परिवहन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इसके साथ ही सीएम स्टालिन ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देंगे और तमिलनाडु को एसएसए फंड जल्द से जल्द जारी किया जाएगा।

कर्नाटक लोकायुक्त ने सौंपी 8000 पन्नों की रिपोर्ट

चार बैगों में दस्तावेज लेकर अदालत पहुंचे कर्मचारी

बंगलूरू, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त एस.पी. उदेश ने गुरुवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के मामले 8,000 पन्नों की अंतरिम बी रिपोर्ट सौंपी। अधिकारियों के मुताबिक, लोकायुक्त कर्मी मुडा जांच से जुड़े दस्तावेजों के चार बैग लेकर जन प्रतिनिधि अदालत लेकर पहुंचे। इस घटनाक्रम पर लोकायुक्त एस.पी.उदेश ने कहा, 'जांच प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रही है। पेश किए गए दस्तावेजों जांच के लिए महत्वपूर्ण हैं।' इससे पहले, लोकायुक्त पुलिस ने शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को एक नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि मुडा धोखाधड़ी मामले में लगाए गए आरोप सबूतों की कमी के कारण साबित नहीं किए जा सके। नोटिस में कहा गया, स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत में भारतीय दंड संहिता, भ्रष्टाचार निरोधक कानून और कर्नाटक जमीन अधिग्रहण कानून जैसे कई कानूनी प्रावधानों का जिक्र किया गया है।

लेकिन सबूतों की समीक्षा करने के बाद यह नतीजा निकला कि चार आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप या तो नागरिक प्रकृति के हैं या वे अपराध के दायरे से बाहर हैं या फिर कानूनी प्रावधानों की गलत व्याख्या पर आधारित हैं। एस.पी. उदेश की ओर से जारी नोटिस में बताया गया था कि यह मामला कानूनी कार्रवाई के योग्य नहीं है, जिसके कारण एक अंतिम रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई। नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्नेहमयी कृष्णा ने लोकायुक्त की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राजनेताओं को बचा रहे हैं और रिपोर्ट को अदालत में चुनौती दी। कृष्णा ने कहा, 'मुझे लोकायुक्त को लेकर जो शक था, वह सही साबित हो गया है। लोकायुक्त अधिकारियों ने ऐसा व्यवहार किया जैसे उन्होंने अपनी आत्मा राजनेताओं को बेच दी हो। हालांकि, मैंने सभी जरूरी दस्तावेज दिए, लेकिन लोकायुक्त पुलिस ने नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्वती सिद्धारमैया, मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराज के खिलाफ कोई साझा नहीं हैं।

'लूटे गए हथियारों को एक हफ्ते के भीतर लौटाएं, नहीं होगी कार्रवाई'

इंफाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने हिंसाग्रस्त राज्य के लोगों से सात दिनों के भीतर लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सौंपने का आग्रह किया है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि इस अवधि के दौरान हथियार छोड़ने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सात दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल की ओर से जारी बयान में कहा गया, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण बीचे बीस महीनों से घाटी और पहाड़ी दोनों में मणिपुर के लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी समुदायों को शत्रुता को समाप्त करने और समाज में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे आना चाहिए।

'भारत की लागत अमेरिका से पांच गुणा कम'

> 'निसार मिशन' को लेकर बोले पूर्व इसरो प्रमुख सोमनाथ

अहमदाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने भारत की अंतरिक्ष परियोजनाओं की लागत-कुशलता को उजागर करते हुए कहा कि अमेरिका की तुलना में भारत निसार (एनआईएसएआर) मिशन पर पांच गुना कम खर्च कर रहा है। निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) नासा और इसरो का संयुक्त मिशन है, जो पूरी पृथ्वी का नक्शा तैयार करेगा और जलवायु परिवर्तन, बर्फ की परतों, समुद्री स्तर, भूजल और प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े अहम आंकड़े प्रदान करेगा।

भारत के अंतरिक्ष मिशन सस्ते क्यों?

पूर्व इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने बताया कि भारत में कम लागत में मिशन तैयार करने के पीछे कई कारण हैं। जिसमें अधिक सिमुलेशन (कंप्यूटर मॉडलिंग) और कम हार्डवेयर परीक्षण, जिससे खर्च कम होता है। दूसरा उपकरणों का पुन: उपयोग, जिससे लागत घटती है। तीसरा भारतीय उद्योग जगत का योगदान, जो उच्च स्तरीय तकनीक को किफायती बनाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि रॉकेट बनाने के लिए जरूरी एल्युमिनियम यूरोप से आता है, इलेक्ट्रॉनिक चिप्स आयात करनी पड़ती हैं, और स्टील भले ही भारत में बनता हो, लेकिन कई आवश्यक सामग्रियां विदेशों से आती हैं।

निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

सोमनाथ ने कहा कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे है, लेकिन वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी अभी सिर्फ दो फीसदी है, जिसे 10 फीसदी तक बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए निजी कंपनियों को अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे आना होगा। उन्होंने कहा, 'पहले हमें लगता था कि अंतरिक्ष क्षेत्र को केवल सरकार के नियंत्रण में रखना चाहिए, लेकिन अब यह सोच बदल रही है। निजी कंपनियों को इसमें निवेश करने और बिजनेस के अवसर तलाशने की जरूरत है।' उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को स्पेस एक्सप्लोरेशन (अंतरिक्ष अन्वेषण) और स्पेस स्टेशन निर्माण जैसी परियोजनाओं में अधिक निवेश करना चाहिए, ताकि बाद में यह तकनीक निजी क्षेत्र को सौंपकर व्यवसायिक रूप से सफल बनाई जा सके।

सुप्रीम कोर्ट से अरुण गवली की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपराधी से राजनेता बने अरुण गवली की जमानत याचिका खारिज कर दी। अरुण गवली को साल 2007 में मुंबई शिवसेना के कॉरपोरेटर कमलाकर जमसांदेकर की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा मिली थी। अरुण गवली ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर दावा किया कि वह साल 2006 की माफी नीति की सभी शर्तों को पूरा करता है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने अरुण गवली को राहत देने से इनकार कर दिया और बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने भी गवली की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

थाना सिटी मलोट प्रभारी हरप्रीत कौर निलंबित, भ्रष्टाचार के आरोपों पर एसएसपी की कार्रवाई

मुक्तसर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एसएसपी तुषार गुप्ता ने थाना सिटी मलोट प्रभारी सब इंस्पेक्टर हरप्रीत कौर को निलंबित कर दिया है। सब इंस्पेक्टर हरप्रीत कौर को पुलिस लाइन में हाजिर होने के आदेश जारी किए हैं। सूत्रों से जानकारी मिली है कि कुछ दिन पहले थाना सिटी पुलिस ने मलोट में चोरी की दो कारें बरामद की थी। इस मामले में कुछ लोगों पर एफआईआर में कमजोर धाराएं लगाई गई थीं। यह मामला चर्चा में रहा। थाना प्रभारी के खिलाफ भ्रष्टचार की शिकायतें भी हुईं। जिसके बाद मामले की प्राथमिक जांच के बाद एसएसपी ने थाना प्रभारी हरप्रीत कौर को निलंबित कर दिया है।

'हम इन्हीं आंखों से भारत को विश्व गुरु बनते देखेंगे'

मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों पर जताया भरोसा, दी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने झंडेवालान में पुनर्निर्मित 'केशव कुंज' के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में कहा कि 'देश में संघ कार्य गति पकड़ रहा है, व्यापक हो रहा है। आज जिस पुनर्निर्मित भवन का यह प्रवेशोत्सव है, उसकी भव्यता के अनुरूप ही हमें संघ कार्य का स्वरूप भव्य बनाना है और हमारे कार्य से उसकी अनुभूति होनी चाहिए।

यह कार्य पूरे विश्व तक जाएगा और भारत को विश्वगुरु के पद पर आसीन करेगा, ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है। और हम अपनी इसी देह, इन्हीं आंखों से बनते देखेंगे, यह विश्वास है। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों को इसके लिए पुरुषार्थ करना होगा। हमें इसके लिए कार्य को सतत विस्तार देना होगा।' उन्होंने कहा कि आज संघ के विभिन्न आयामों के माध्यम से संघ कार्य का विस्तार हो रहा है। इसलिए अपेक्षा है कि संघ के स्वयंसेवक के व्यवहार में सामर्थ्य, शुचिता बनी रहे। आज संघ की दशा बदली है, लेकिन दिशा नहीं बदलनी चाहिए। समृद्धि की आवश्यकता है, जितना आवश्यक है उतना वैभव होना भी चाहिए, लेकिन ऐसा मर्यादा में रहकर होना चाहिए। केशव स्मारक समिति का यह पुनर्निर्मित भवन भव्य है, इसकी भव्यता के अनुरूप ही कार्य खड़ा करना होगा।

महाल की शुरुआत का जिक्र

सरसंघचालक ने इस अवसर पर संघ की शुरुआत से ही आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार द्वारा झेली अनेक कठिनाइयों का उल्लेख किया और नागपुर में पहले कार्यालय 'महाल' की शुरुआत के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि क्योंकि दिल्ली देश की राजधानी है और सूत्रों का संचालन यहां से होता है, इसलिए यहां एक कार्यालय की आवश्यकता महसूस हुई और उस आवश्यकता के अनुसार यहां कार्यालय बनाया गया है। आज यह भव्य भवन बन जाने भर से स्वयंसेवक का काम पूरा नहीं होता। हमें ध्यान रखना होगा कि उपेक्षा और विरोध हमें सावधान रखता है, लेकिन अब अनुकूलता का वातावरण है, हमें अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय हमें कार्य की प्रेरणा देता है, लेकिन उसके वातावरण की चिंता करना प्रत्येक स्वयंसेवक का कर्तव्य है।

संघ प्रार्थना से बढ़कर कोई मंत्र

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी महाराज ने आशीर्वचन में कहा कि आज श्री गुरुजी की जयंती है, इसलिए पावन दिन है। आज शिवा जी महाराज की भी जयंती है। शिवाजी महाराज संघ की विचार शक्ति हैं। कांची कामकोटि पीठ के तत्कालीन शंकराचार्य परमाचार्य जी ने एक बार एक वरिष्ठ प्रचारक से कहा था कि संघ प्रार्थना से बढ़कर कोई मंत्र नहीं है। छावा फिल्म का उल्लेख करते हुए गोविंददेव गिरी जी ने कहा कि छत्रपति ने ऐसे मावले तैयार किए, जो थकते नहीं, रुकते नहीं, झुकते नहीं और बिकते भी नहीं। संघ के स्वयंसेवक छत्रपति शिवाजी के तपोनिष्ठ मावलों सरीखे ही हैं। हम हिन्दू भूमि के पुत्र हैं, संघ राष्ट्र की परंपरा को पुष्ट करते हुए राष्ट्र की उन्नति की बात करता है।

उदासीन आश्रम दिल्ली के प्रमुख संत राघवानंद महाराज ने कहा कि संघ 100 वर्ष पूर्ण कर चुका है तो इसके पीछे डॉक्टर साहब का प्रखर संकल्प ही है। संघ ने समाज के प्रति समर्पण भाव से कार्य किया है, समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया है। इसलिए संघ कार्य सतत बढ़ रहा है।

एकनाथ शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई पुलिस को सुबह-सुबह आया फोन

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गोरेगांव पुलिस को अज्ञात शख्स का ईमेल मिला है। इसमें एकनाथ शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मंत्रालय और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन में भी इसी तरह का धमकी भरा मेल आया है।पुलिस धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की तलाश कर रही है। बता दें कि फिलहाल एकनाथ शिंदे दिल्ली के दौरे पर हैं। वे रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद एनडीए नेताओं के साथ बैठक के लिए निकल गए। दिल्ली में आज रेखा गुप्ता ने नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। बता दें कि कुछ दिन पहले मुंबई में एक व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर दावा किया कि आतंकवादी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्रा के दौरान उनके विमान पर हमला कर सकते हैं। पुलिस ने अन्य एजेंसियों को सूचित कर जांच शुरू की। जिस वक्त यह कॉल आई थी उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस की यात्रा पूरी कर अमेरिका जानेवाले थे। फोन करने वाले शख्स ने दावा किया कि आतंकवादी प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्रा के दौरान उनके विमान पर हमला कर सकते हैं। नियंत्रण कक्ष को धमकियों के संबंध में एक ही नंबर से कई अलग-अलग कॉल आई। जांच में पता चला कि कॉल करने वाला शख्स मानसिक रूप से अस्थिर था।

महाराष्ट्र के कृषि मंत्री कोकाटे को कोर्ट ने सुनाई दो साल जेल की सजा, क्या चली जाएगी सदस्यता?

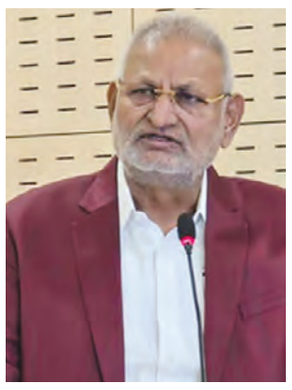

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री और एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे को नासिक कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। माणिकराव कोकाटे और उनके भाई सुनील कोकाटे को जिला अदालत ने 2 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने माणिकराव कोकाटे को 2 साल की कैद और 50,000 रुपये जुर्माने की सजा दी है। 1995 में दस्तावेजों में हेराफेरी और धोखाधड़ी करने का आरोप माणिकराव कोकाटे पर लगाया गया था। पूर्व मंत्री तुकाराम दिघोळे ने इस मामले में याचिका दायर की थी।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 1995 से 1997 के बीच का है। माणिकराव कोकाटे और उनके भाई सुनील कोकाटे ने सरकार से मिलने वाली आवासीय योजनाओं के तहत फ्लैट प्राप्त किए थे। उन्होंने दावा किया था कि उनकी आय कम है और उनके पास पहले से कोई घर नहीं है। इसी आधार पर उन्हें ये फ्लैट सरकार की योजना के तहत मिले थे। लेकिन बाद में अधिकारियों ने इस मामले में अनियमितताओं की शिकायत की थी।

1995 में दर्ज हुआ था मामला

1995 में दस्तावेजों में हेराफेरी और धोखाधड़ी का आरोप माणिकराव कोकाटे पर लगाया गया था। पूर्व मंत्री तुकाराम दिघोळे ने इस मामले में याचिका दायर की थी। यह अपराध नासिक के सरकार वाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। यह मामला 1997 से अदालत में चल रहा था और अब इसका फैसला आ चुका है। इस केस में कुल चार आरोपी थे, जिनमें माणिकराव कोकाटे, उनके भाई और दो अन्य लोग शामिल थे। हालांकि, कोर्ट ने बाकी दो आरोपियों को किसी भी तरह की सजा नहीं दी है।

क्या मंत्री पद और विधायक पद जाएगा?

न्यायालय ने माणिकराव कोकाटे को दो साल की सजा सुनाई है। नियमों के अनुसार, यदि किसी जनप्रतिनिधि को दो या उससे अधिक वर्षों की सजा होती है, तो उसकी सदस्यता रद्द हो सकती है। ऐसे में अब माणिकराव कोकाटे को मंत्री पद और विधायक पद गंवाना पड़ सकता है। यदि ऐसा होता है, तो उनकी राजनीतिक करियर पर बड़ा असर पड़ेगा। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि माणिकराव कोकाटे उच्च न्यायालय में जाकर इस सजा पर रोक लगाने की कोशिश करते हैं या नहीं। इस फैसले से अजित पवार गुट को दूसरा बड़ा झटका लगा है। इससे पहले धनंजय मुंडे विवादों में घिरे थे, और अब राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) के एक और मंत्री की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब इस मामले में माणिकराव कोकाटे, अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस क्या कदम उठाते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

पति ने बेदर्दी से पत्नी को मौत के घाट उतारा, फिर खुद की जान लेने की भी कोशिश, बिलखते रहे बच्चे

कोटद्वार, 20 फरवरी (एजेंसियां)। एक व्यक्ति ने देर रात पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद की भी जान लेने की कोशिश की। घायल अस्पताल में उपचाराधीन है। वहीं, मृतका के परिजनों में कोहराम मचा है। रिखणीखाल थाना क्षेत्र के गांव धामधार निवासी मनोज रावत (40) पुत्र केसर सिंह अपनी पत्नी शशि (30) पुत्री सतपाल सिंह रावत, निवासी कुमाल्डी, रिखणीखाल के साथ कोटद्वार में जल निगम स्टोर के पास किराए के मकान में रह रहा था। बुधवार-गुरुवार की रात पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई। देर रात मनोज ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और अपनी जान देने के लिए चाकू से गला व दोनों हाथों की नसों को काट लिया। एंबुलेंस से मनोज और शशि को बेस अस्पताल लाया गया।

'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें बढ़ा-चढ़ाकर कही गई हैं', बीजीबी प्रमुख का दावा

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख मेजर जनरल मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने गुरुवार को अपने देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरों को 'बढ़ा-चढ़ाकर' बताया और कहा कि अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाए हैं। भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के प्रमुख दलजीत सिंह चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने कहा कि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कुछ स्थानों पर बाड़ लगाने के संबंध में आपत्ति जताई है और उम्मीद है कि भविष्य में इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। वहीं बीएसएफ प्रमुख दलजीत सिंह चौधरी ने कहा कि 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ में काफी कमी आई है। जबकि अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने कहा, 'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। हमें अल्पसंख्यकों से कई अनुरोध मिले क्योंकि वे डरे हुए थे, लेकिन बीजीबी ने उन्हें आश्वस्त किया कि हम मदद करेंगे।' बीजीबी प्रमुख ने कहा कि बीएसएफ के साथ उनकी द्विवार्षिक बैठक में बाड़ लगाने से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई क्योंकि यह सबसे अधिक केंद्रित एजेंडा था। उन्होंने कहा, 'जहां भी मुद्दे हैं, हमने संयुक्त निरीक्षण का अनुरोध किया है।' मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने यह भी कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा संधि को फिर से तैयार करने पर कोई चर्चा नहीं हुई, जिस पर 1975 में सहमति बनी थी। उन्होंने कहा, 'यह इस बैठक के दायरे में नहीं था।'

अंधेरी में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने नाबालिग लड़की को बचाया, दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने अंधेरी इलाके में चल रहे एक बड़े सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बचाया, जिसका शोषण किया जा रहा था। इस मामले में सहार पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना अंधेरी के मरोल इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस की बताई जा रही है। पुलिस को वेश्यावृत्ति की गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद छापेमारी की गई। बचाई गई नाबालिग लड़की ने पुलिस को बताया कि उसे पैसे के लालच में फंसाया गया था। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी नाबालिग लड़कियों को विदेशी पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सलमान और जबरूल के रूप में हुई है। इनमें से एक गेस्ट हाउस का मैनेजर था। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों को निशाना बनाते थे और उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेलते थे। बचाई गई लड़की ने बताया कि उसे और अन्य पीड़ितों को विदेशी पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जाता था। लड़की ने यह भी खुलासा किया कि आरोपी उन्हें कमाई का बहुत छोटा हिस्सा देते थे और ज्यादातर पैसे खुद रख लेते थे। इस मामले में पुलिस ने गंभीरता से कदम उठाते हुए नाबालिग लड़की की मेडिकल जांच कराई। जांच के बाद उसे जुवेनाइल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि वे इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं और संभावित अन्य पीड़ितों को बचाने के लिए कदम उठा रही है। इस घटना ने एक बार फिर से समाज के कमजोर वर्गों के शोषण की गंभीर समस्या को उजागर किया है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

'कांग्रेस अब बीजेपी की जीत का भी जश्न मनाती है' केरल के सीएम पिनराई विजयन ने कसा तंज

तिरुवनंतपुरम, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार को लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। विजयन ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अब भारतीय जनता पार्टी की जीत का भी जश्न मनाती है। कांग्रेस पर अन्य पार्टियों के साथ मिलकर बीजेपी का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हटने का आरोप लगाते हुए विजयन ने कहा कि राहुल ने खुद दिल्ली में आप के खिलाफ प्रचार अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि इस तरह जहां कांग्रेस के जीतने की कोई संभावना नहीं थी, उन्होंने बीजेपी को सत्ता में आने में मदद की।

एसएफआई की मीटिंग में कांग्रेस पर जमकर बरसे विजयन

विजयन ने स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी कि एसएफआई के 35वें प्रदेश सम्मेलन के तहत आयोजित एक मीटिंग के दौरान इसके कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'दिल्ली की 70 विधानसभा सीट में से 65 पर कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई, लेकिन आम आदमी पार्टी के बीजेपी से चुनाव हारने पर उन्होंने जश्न मनाया। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी हो गई है जो अब बीजेपी की जीत का भी जश्न मनाती है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के गलत राजनीतिक दृष्टिकोण ने बीजेपी को हरियाणा और महाराष्ट्र में जीत दिलाने में मदद की।

'गठबंधन को लेकर कांग्रेस एक्टिव नहीं दिख रही'

इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए विजयन ने कहा कि जिस गठजोड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत हासिल करने की बीजेपी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, उसे लेकर कांग्रेस अब एक्टिव नहीं दिख रही है। केरल के सीएम ने दावा किया, 'यह कांग्रेस ही थी जिसने दिल्ली में आप सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, जिसके कारण केंद्रीय एजेंसियों ने हस्तक्षेप किया और दिल्ली के तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया। कांग्रेस ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की भी मांग की। कांग्रेस ने दिल्ली में हमेशा बीजेपी का साथ दिया।'

'देश के विश्वविद्यालयों को कंट्रोल करना चाहता है संघ'

संघ परिवार के 'देश का भगवाकरण करने के प्रयासों' के प्रति एसएफआई सदस्यों को आगाह करते हुए विजयन ने कहा कि यूजीसी का नया ड्राफ्ट नोटिफिकेशन कुछ और नहीं बल्कि देश की यूनिवर्सिटियों को कंट्रोल करने के उसके एजेंडे का हिस्सा है।

विजयन ने कहा कि अपनी विविधता के बावजूद पूरा देश आजादी की लड़ाई में एक साथ खड़ा था। उन्होंने दावा किया, 'लेकिन केवल एक गुट ने इसमें भाग नहीं लिया और उसके नेताओं ने तत्कालीन ब्रिटिश वायसराय से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाया था कि उनका अंग्रेजों के साथ हितों का कोई टकराव नहीं है।'

हवाई अड्डे पर बम की बात करने पर यात्री हिरासत में

नागपुर एयरपोर्ट पर एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि/मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री ने मजाकिया अंदाज में बैग में बम होने की बात कही, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। हवाई अड्डा पर सुरक्षा अधिकारियों ने कोझिकोड निवासी राशिद को बुधवार रात करीब 11:30 बजे हुई इस घटना के बाद नेदुम्बस्सेरी पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक, कोच्चि से कुआलालंपुर जाने वाली उड़ान में सवार होने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुरक्षा अधिकारी ने राशिद से उसके सामान के वजन के बारे में पूछा। इस पर उसने मजाक में कहा कि उसमें 'बम' है। जिसके बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि राशिद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और बाद में उसे रिहा कर दिया गया।

दुबई जाने वाली फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई

ढाका से दुबई जाने वाली बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की फ्लाइट को महाराष्ट्र के नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस फ्लाइट में 396 यात्री और 12 क्रू मेंबर सवार थे। नागपुर एयरपोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तकनीकी समस्याओं के कारण बुधवार को आधी रात के करीब फ्लाइट का मार्ग बदल दिया गया और इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट में 396 यात्री और 12 क्रू मेंबर सवार थे।

'जहां उनकी सरकार नहीं वहां वह सपोर्ट नहीं करते'

बीजेपी की नीयत पर संजय राउत ने उठाए सवाल; रेखा के शपथ ग्रहण पर भी कही ये बात

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव ठाकरे पार्टी के सांसद संजय राउत ने दिल्ली में होने शपथ ग्रहण समारोह को लेकर अपनी बात रखी है। साथ ही उन्होंने बीजेपी की केंद्र सरकार की नियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। संजय राउत ने दिल्ली की होने वाली सीएम रेखा गुप्ता को बीजेपी ने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया है, हम स्वागत करते हैं। बीजेपी ने एक आम कार्यकर्ता को मौका दिया है, अच्छी बात है।

अच्छी प्राइस है- राउत

आगे कहा कि उन्होंने एबीवीपी ने भी काम किया है बीजेपी की जमीनी कार्यकर्ता है, जिसने कभी दिल्ली की महापौर पालिका में तोड़फोड़ कर हंगामा मचा दिया था। वहां के महापौर के सामने बहुत बड़ा दंगा किया था हमने वीडियो देखा है तो ऐसी कार्यकर्ता को सीएम बनाया है तो यह अच्छी प्राइस है।

बीजेपी की नीयत पर उठाए सवाल

आगे केंद्र सरकार की नियत पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली में जब केजरीवाल सरकार थी तब वह यमुना नदी सफाई की मांग कर रहे थे लेकिन केंद्र सरकार ने उन्हें सहयोग नहीं किया लेकिन बीजेपी की सरकार आते ही लेफ्टिनेंट गवर्नर ने काम शुरू किया। बीजेपी की यही नीति और नीयत है कि जहां उनकी सरकार नहीं होती वहां वो लोग दूसरी पार्टी की सरकार को सहयोग नहीं करते है।

पर अब यमुना की तरह मुंबई में मीठी नदी की सफाई कब करेंगे बताएं? आगे उन्होंने ईवीएम और अमित ठाकरे से जुड़े एक सवाल पर भी अपनी बात रखी और कहा कि राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने पार्टी के इंटरनल मीटिंग में जो कहा कि पार्टी के हार के लिए ईवीएम को दोष देना ठीक नहीं, हम ख़ुद ज़िम्मेदार हैं। तो उनके मत का सम्मान होना चाहिए। हर बार ईवीएम को दोष देना भी ठीक नहीं, पर ईवीएम भी एक फैक्टर है।

देश में दूसरे स्थान पर पहुंची यूपी की अर्थव्यवस्था

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश हो गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस बजट को 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा पर आधारित बताया है। सीएम योगी ने कहा कि इस बार का बजट युवाओं, महिलाओं के उत्थान और वंचितों के विकास को समर्पित है। सीएम योगी कहा कि आज यूपी की अर्थव्यवस्था देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया और कहा- 'वित्तीय वर्ष 2025-26 का यह बजट सनातन संस्कृति की 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा के अनुरूप गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और महिला उत्थान को समर्पित है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को साकार करते हुए 'वंचित को वरीयता' इस बजट का केंद्रीय भाव है।'

यूपी में चार नए एक्सप्रेस वे बनेंगे

सीएम योगी ने आगे कहा- 'देश के किसी भी राज्य के सबसे बड़े बजट को आज उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत करने हेतु माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी एवं वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव समेत सभी अधिकारी व कर्मचारियों को हृदय से धन्यवाद!' मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है। इस बार सरकार ने चार नए एक्सप्रेसवे बनाने की भी घोषणा की है। जिसके लिए बजट का प्रावधान किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सराकर का नौवा बजट है। पिछले आठ सालों में सरकार ने जो भी कदम उठाए उसके अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। आज यूपी में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े स्तर पर काम हुआ है। पिछले साल उत्तर प्रदेश के बड़ा पर्यटन में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले एक साल में यूपी 65 लाख पर्यटक आएं और 14 लाख विदेशी भी आए। यूपी आज पर्यटन में तीसरे नंबर से पहले स्थान पर आने में सफल रहा है। राज्य के बजट के आकार में जो बढ़ोतरी हुई है वो राज्य के सामर्थ्य को दिखाती है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो धनराशि व्यय होगी उससे रोज़गार के अवसर आएंगे।

देश में दूसरे स्थान पर पहुंची यूपी की अर्थव्यवस्था

वर्ष 2017-18 में जहां यूपी की अर्थव्यवस्था देश में छठवें स्थान पर थी वो आज देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। प्रयागराज में आवागमन को सुगम बनाने के लिए दो नए ब्रिज बनाने की आवश्यकता ही जिसकी व्यवस्था की गई है। बजट में ऊर्जा क्षेत्र के लिये 61,070 करोड़ रुपये, सिंचाई के लिये 21,340 करोड़, भारी एवं मध्यम उद्योग के लिये लगभग 24 हजार करोड़ रुपये, नगर विकास के लिये 25,308 करोड़, आवास एवं शहरी नियोजन के लिये 7,403 करोड़ और नागरिक उड्डयन के लिये 3,152 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

इसके अलावा शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,06,360 करोड़, कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत कृषि, उद्यान, पशुधन, दुग्ध, मत्स्य, सहकारिता, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति के लिये 89,353 करोड़, चिकित्सा क्षेत्र के लिये 50,550 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025 3

सुविचार

गम्भीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जायेंगे

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SUDHILA SONUNE SHRIRAM , M/o: SEP SONUNE NILESH SHRIRAM, Resident of GUMMI, BULDANA, BULDANA, MAHARASHTRA - 443001 have changed my name from SUDHILA SONUNE SHRIRAM to SUSHILA SHRIRAM SONUNE and my DOB : 01-01-1954 vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, PARGIA , M/o: NB SUB SHRAWAN KUMAR , Resident of KUREHA, MAU, BABERU, BANDA, UTTAR PRADESH - 210125 have changed my name from PARGIA to PARAGIYAN and my DOB : 01-01-1949 vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, BACHCHHARAJ GUPTA, F/o: NB SUB SHRAWAN KUMAR , Resident of KUREHA, MAU, BABERU, BANDA, UTTAR PRADESH - 210125 have changed my name from BACHCHHARAJ GUPTA to BACHCHRAJ and my DOB : 01-01-1945 vide Affidavit dt.19-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, HMT RAMANJANEYULU, R/O: 3-93-1, GANAPAVARAM V & P, GUNTUR(D), ANDHRA PRADESH- 522619 have changed my Daughter's name from BOPPUDI NETHRA to BOPPUDI SREE NETHRA vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY .

I, VENKATA SIREESHA ,Spouse of HMT RAMANJANEYULU, R/O: 3-93-1, GANAPAVARAM V & P, GUNTUR(D), ANDHRA PRADESH- 522619 have changed my name from VENKATA SIREESHA to BOPPUDI VENKATA SIREESHA vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY .

I, NK SALPE AMOL PUNDLIK, R/O: NIMBHA, BHATKULI, AMRAVATI, MAHARASHTRA - 444602 have changed my Daughter's name from ANANYA to ANANYA AMOL SALPE vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, KUMARI VANDANA RAI, Spouse of L/NK SANTOSH KUMAR RAI , R/O: GAHANI, AYAR, VARANASI , UTTAR PRADESH- 221210 have changed my name from KUMARI VANDANA RAI to BANDANA RAI vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

वरिष्ठ डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे प्रमुख अस्पताल

> दो रेडियोलॉजिस्ट के भरोसे चल रहा हॉस्पिटल > उस्मानिया में नहीं है कोई त्वचा विशेषज्ञ

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल के आकार के एक तृतीयक अस्पताल में लगभग 2000 इनपेशेंट बेड और 1000 से अधिक दैनिक आउटपेशेंट हैं, लेकिन पीजी स्पेशलिटी मेडिकल छात्रों को प्रशिक्षण देने और रोगियों के निदान परीक्षणों की देखरेख करने के लिए केवल दो रेडियोलॉजिस्ट हैं।

उस्मानिया मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल में, त्वचा विज्ञान पीजी मेडिकल छात्रों को पढ़ाने और रोगियों का इलाज करने के लिए कोई त्वचा विशेषज्ञ (प्रोफेसर) नहीं है। इसी प्रकार, गांधी और उस्मानिया जनरल अस्पतालों में प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर संवर्ग के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ मरीजों और पीजी मेडिकल छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं हैं, हालांकि वरिष्ठ संकाय की उपलब्धता के आधार पर विशेष पीजी मेडिकल सीटें आवंटित की गई थीं। कुछ महीनों तक निलोफर अस्पताल में पीजी मेडिकल छात्रों

को पढ़ाने और मरीजों के डायग्नोस्टिक टेस्ट का मूल्यांकन करने के लिए रेडियोलॉजिस्ट नहीं था। हाल ही में इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए अनुबंध के आधार पर एक जूनियर रेडियोलॉजिस्ट को नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार के आदेश पर राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए अनियोजित और जल्दबाजी में किए गए स्थानांतरण के महीनों बाद भी, वरिष्ठ डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण मरीज और पीजी मेडिकल छात्र परेशान हैं।

जिम्मेदारी निभाने के लिए एक वरिष्ठ रेजिडेंट ही काफी

ओजीएच प्रोफेसरों ने कहा कि दूरस्थ जिला शिक्षण अस्पतालों में 30 साल से अधिक अनुभव वाले प्रोफेसरों या एसोसिएट प्रोफेसरों की नियुक्ति की कोई आवश्यकता नहीं है। दूरदराज के सरकारी अस्पतालों में जिम्मेदारी निभाने के लिए एक वरिष्ठ रेजिडेंट ही काफी है। वारंगल और हैदराबाद के तृतीयक अस्पतालों में ऐसे वरिष्ठ डॉक्टरों की जरूरत है, क्योंकि वे अधिक प्रभावी हो सकते हैं। वर्तमान में मांग और आपूर्ति के बीच स्पष्ट असंतुलन है, क्योंकि हैदराबाद में राज्य द्वारा संचालित तृतीयक अस्पतालों में वरिष्ठ प्रोफेसरों तक मरीजों की पहुंच नहीं है। इसके विपरीत, नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, जनरल सर्जरी, डर्मेटोलॉजी और रेडियोलॉजी के प्रोफेसर, जो दूरदराज के स्थानों पर तैनात हैं, उनके पास पीजी छात्रों और मरीजों की संख्या बहुत कम है। मामले से परिचित वरिष्ठ डॉक्टरों ने कहा कि राज्य सरकार को तबादलों को शुरू करने से पहले उचित अध्ययन करना चाहिए था।

दुर्लभ बीमारी मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित छात्र की मदद के लिए आगे आए सीएम

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी एक छात्र राकेश की दयनीय स्थिति से बहुत दुखी हैं, जो एक दुर्लभ छद्म मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (मांसपेशियों की बीमारी) बीमारी से पीड़ित है और अपने परिवार की खराब स्थिति के कारण वह उचित चिकित्सा उपचार नहीं करा पा रहा था।

मानवीय भाव प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राकेश को तत्काल आवश्यक चिकित्सा उपचार प्रदान करने का आदेश दिया। अधिकारियों को छात्र को उपचार के साथ-साथ चार्जिंग वाहन उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है, जो मांसपेशियों की बीमारी के कारण चलने में असमर्थ है। सीएम के

निर्देश पर, मुख्यमंत्री के ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु ने राकेश के परिवार से फोन पर बात की और सरकार की ओर से हर तरह की सहायता का आश्वासन दिया। हनुमाकोंडा जिले के भीमादेवरापल्ली मंडल के रंगय्या पल्ली गांव के निवासी राकेश लंबे समय से मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित हैं। बीमारी की गंभीरता के कारण वह चलने में असमर्थ हैं और डॉक्टरों ने सुझाव दिया है कि नियमित रूप से महंगे इंजेक्शन लगाने से उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार होगा। सीएम रेवंत रेड्डी ने राकेश के परिवार की खराब स्थिति पर प्रकाशित एक समाचार लेख पर प्रतिक्रिया दी। राकेश मुलकनूर के एक निजी कॉलेज में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। सरकार राकेश को उसके गृहनगर से मुलकनूर तक की यात्रा के लिए चार्जिंग वाहन उपलब्ध कराएगी। राकेश के माता-पिता - गुल्ला समाय्या और लक्ष्मी ने अपने बीमार बेटे को सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया।

सीएम नायडू ने पोलावरम परियोजना के लिए मांगी प्रतिपूर्ति

नई दिल्ली/अमरावती, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से पोलावरम परियोजना की बाईं और दाईं नहरों के निर्माण में हुए खर्च की प्रतिपूर्ति करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से इस विशाल सिंचाई परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए पूर्ण सहयोग देने का भी अनुरोध किया।

नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पोलावरम बायीं और दायीं नहरों के निर्माण पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति और परियोजना को युद्ध स्तर पर पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सहायता का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना के लिए पाटिल से समर्थन मांगा, जिसका उद्देश्य एक लिंक नहर के माध्यम से पोलावरम में गोदावरी नदी से 200 टीएमसी बाढ़ के पानी को बनकाचेरला की ओर मोड़ना है। नायडू के अनुसार, पोलावरम-बनकाचेरला परियोजना 80 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराकर और 3 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करके राज्य को सूखा-मुक्त बनाएगी, जबकि 9.14 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इस परियोजना से उद्योगों को 20 टीएमसी पानी की आपूर्ति भी संभव होगी।

60 ग्राम एमडीएमए के साथ महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने मियापुर पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को एक महिला को गिरफ्तार किया और उसके पास से 60 ग्राम एमडीएमए जब्त किया। एक गुप्त सूचना पर, टीजीएएनबी ने झारखंड की मूल निवासी और बेंगलुरु में रहने वाली शताब्दी मन्ना (24) को पकड़ा। एसपी टीजीएएनबी पी साई चैतन्य ने कहा कि महिला एक अफ्रीकी, वारेन कोकरंगा से एमडीएमए खरीदकर ग्राहकों को सप्लाई कर रही थी। वह किसी व्यक्ति को ड्रग देने के लिए मियापुर आई थी, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। कोकरंगा को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, जो अभी फरार है।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

विजयवाड़ा, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने गुरुवार को राजभवन के दरबार हॉल में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के राज्य स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल अब्दुल नजीर ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, 'उगते सूरज की भूमि' अपने धुंध भरे पहाड़ों, मठों, झीलों और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और इसे दुनिया के सबसे शानदार और बहुभाषी आदिवासी क्षेत्रों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि मिजोरम 1986 में भारतीय संघ का पूर्ण राज्य बना और 20 फरवरी, 1987 को राज्य का दर्जा प्राप्त किया और मिजो लोग अपनी सांस्कृतिक विविधता पर गर्व करते हैं और आने वाली पीढ़ियों द्वारा पालन किए जाने वाले अपने पारंपरिक मूल्यों और रीति-रिवाजों को बनाए रखने और जीवित रखने का पूरा ध्यान रखते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक (सेवानिवृत्त) और मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) के वीडियो संदेशों के साथ हुई, जिसके बाद विजयवाड़ा और उसके आसपास के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले इन दोनों राज्यों के छात्रों द्वारा मधुर गीतों की प्रस्तुति और अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल के सचिव डॉ एम. हरि जवाहरलाल और राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

बीआरएस ने राजलिंग मूर्ति हत्या मामले में कांग्रेस के आरोपों का किया खंडन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व विधायक गंद्रा वेंकटरमण रेड्डी ने बुधवार को जयशंकर भूपलपल्ली जिले में राजलिंगमूर्ति की हत्या से उन्हें और उनकी पार्टी को जोड़ने वाले आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि ये बीआरएस को बदनाम करने के लिए राजनीति से प्रेरित प्रयास हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा बीआरएस के खिलाफ की जा रही बदनामी तथा उन पर और पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव तथा वरिष्ठ नेता टी हरीश राव सहित बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं पर दोष मढ़ने के प्रयासों की निंदा की।

राजलिंगमूर्ति, जिन्होंने मेदिगड्डा बैराज दुर्घटना में बीआरएस सरकार की भूमिका का आरोप लगाते हुए मामला दायर किया था, की बुधवार को हत्या कर दी गई,

जिससे राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। मृतक के परिवार और कांग्रेस नेताओं द्वारा बीआरएस पर उंगली उठाए जाने के बाद, वेंकटरमण रेड्डी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी कभी भी हत्या की राजनीति में लिप्त नहीं रही है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस तथ्यों को जाने बिना निराधार दावे कर रही है। एफआईआर में साफ तौर पर कहा गया है कि यह हत्या स्थानीय भूमि विवाद से उपजी है और पुलिस को असली दोषियों को दंडित करने के लिए निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मामले में आरोपी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में हैं।

अवैध रेत परिवहन पर हैदराबाद सिटी पुलिस का विशेष अभियान

> अभियान के दौरान 26 मामले दर्ज, 57 गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में राज्य के भीतर अवैध रेत खनन और परिवहन से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुसार, हैदराबाद सिटी पुलिस ने सी.वी. आनंद, डीजी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी की देखरेख में 14 फरवरी से 19 फरवरी तक अवैध रेत परिवहन के खिलाफ महत्वपूर्ण अभियान चलाया। इस अवधि के दौरान, हैदराबाद सिटी पुलिस ने हैदराबाद शहर भर में रेत के अवैध कारोबार और परिवहन से संबंधित कुल 26 मामले दर्ज किए। इन अभियानों के दौरान, अवैध गतिविधियों में शामिल 8 वाहनों को जब्त किया गया और 57 आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया कुल 1196 टन अवैध रूप से परिवहन की गई रेत जब्त की गई।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-DL-0001

(1) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-DigiL-63-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका विशाखापट्टनम स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(2) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VZM-DigiL-64-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका विजयनगरम स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(3) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-CHE-DigiL-68-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका श्रीकाकुलम रोड स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(4) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-RGDA-DigiL-65-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका रायगड़ा स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(5) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-SCM-DigiL-66-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका सिम्हाचलम स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(6) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-ARK-DigiL-71-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका अरकु स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

(7) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-BGHU-DigiL-67-25-1 (Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
विवरण : यह ठेका बोरगुहलु स्टेशन में डिजिटल क्लॉक रूम की संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव के लिए है।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 03.03.2025 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु)।
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 03.03.2025 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु), 1200 बजे (क्रम सं. 4 हेतु), 1210 बजे (क्रम सं. 5 हेतु), 1220 बजे (क्रम सं. 6 हेतु) एवं 1230 बजे (क्रम सं. 7 हेतु)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2% (सभी क्रम सं. हेतु), लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभी क्रम सं. हेतु)
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-1007/P/24-25

मुख्यमंत्री रेवंत अदालत में पेश हुए

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोपों के संबंध में नामपल्ली में जन प्रतिनिधि विशेष अदालत में पेश हुए।

इन आरोपों से संबंधित तीन मामलों में मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुए। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने विधानसभा चुनाव के दौरान के चंद्रशेखर राव के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणियों के कारण रेवंत रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज की, जिसके कारण पुलिस ने उस समय मामला दर्ज किया। दर्ज किए गए चार मामलों में से गुरुवार को तीन में मुख्यमंत्री से पूछताछ की गई।

CHANGE OF NAME

I, NB SUB SHRAWAN KUMAR , R/O: KUREHA, MAU, BABERU, BANDA, UTTAR PRADESH - 210125 have changed my Daughter's name from PARI AGRAHRI to PARI AGRAHARI vide Affidavit dt.20-02-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एफटीसीसीआई का विद्युत और अग्नि सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एफटीसीसीआई की इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और स्मार्ट सिटीज कमेटी ने बुधवार रात को हैदराबाद के रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ उद्योगों और आवासीय भवनों के लिए विद्युत और अग्नि सुरक्षा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। वाई. नागी रेड्डी, महानिदेशक, तेलंगाना अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा विभाग; सी. लक्ष्मी प्रसाद, निदेशक (सेवानिवृत्त) तेलंगाना अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, और वी. श्रीनिवास, सीईपी सिनर्जी इंफ्रा कंसल्टेंट, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और वक्ता थे। वाई. नागी रेड्डी, आईपीएस, महानिदेशक, तेलंगाना अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा विभाग, ने तेलंगाना अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकालीन विभाग के अग्नि अनुपालन और तैयारियों के बारे में बताया। वी. श्रीनिवास, सीईओ, सिनर्जी इंफ्रा कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने उद्योगों में अग्नि आपदा प्रबंधन के बारे में बताया।

जातीय भारतीय वैद्य परंपर संस्थ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधन परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
Tel: 040-24007388
Ph: 9493627388
Web: http://niimh.nic.in
Email:niimh-hyderabad@gov.in, niimh.hyderabad@gmail.com
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, Telangana, India

अधिसूचना. 03/2025

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ जेआरएफ (मेडिकल रिकॉर्ड्स) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क किया जा सकता है।

कृते प्रभारी सहायक निदेशक

डॉ. गोपाल लाल ने नार्म के संयुक्त निदेशक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. गोपाल लाल ने आज सीधे चयन के आधार पर राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) के संयुक्त निदेशक का पदभार ग्रहण किया। उन्हें फसल सुधार, प्रबंधन सूचना प्रणाली, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, बीज उत्पादन और विस्तार प्रणाली के क्षेत्रों में 28 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अकादमी में शामिल होने से पहले, वे कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में सदस्य (कृषि) थे।

इससे पहले, डॉ. गोपाल ने राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र , अजमेर, राजस्थान में 5 वर्षों (2017-21) तक निदेशक और 2008-16 के दौरान प्रधान वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। उन्होंने राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना करियर शुरू किया। बाद में, उन्हें सीधे केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने 6 वर्षों से अधिक समय तक काम किया। उन्होंने राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर से बागवानी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

महाकुंभ भगदड़: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से जवाब किया तलब

जांच आयोग पर पूछा सवाल

प्रयागराज, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ की घटना को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से न्यायिक आयोग द्वारा की जा रही जांच का दायरा बढ़ाए जाने को लेकर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि क्या न्यायिक आयोग की जांच का दायरा बढ़ाया जा सकता है। इस मामले पर अगली सुनवाई 24 फरवरी को की जाएगी। हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए चार दिनों का वक्त दिया है। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव सुरेश चंद्र पांडेय ने तमाम मांगों को लेकर जनहित याचिका दाखिल की थी। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र की डिवीजन बेंच में इस मामले पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

इस याचिका में मौतों की सही संख्या का पता लगाने, पीड़ितों के नाम सार्वजनिक किए जाने, कुछ शवों का पोस्टमार्टम नहीं कराए जाने की शिकायत की जांच कराए जाने, डेथ सर्टिफिकेट दिए जाने को लेकर लोगों को परेशान किए जाने समेत तमाम शिकायतों को उजागर करते हुए अलग से जांच कराए जाने का आदेश देने या फिर न्यायिक आयोग की जांच का दायरा बढ़ाए जाने की मांग की गई है। बता दें कि मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से कुछ घंटों पहले ही संगम नोज पर अचानक भीड़ बढ़ने की वजह से भगदड़ मच गई थी। इस घटना के बाद कुछ घंटों के लिए साधु संतों ने अमृत स्नान को भी रोक दिया था। हालांकि बाद में प्रशासनिक पहल के बाद सभी अखाड़ों ने स्नान किया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भगदड़ में 30 लोगों की जान चली गई थी लेकिन, विपक्ष लगातार ज्यादा मौतें होने और सरकार पर सही आंकड़ा छुपाए जाने का आरोप लगा रहा है। मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने इस मुद्दे को लोकसभा और यूपी विधानसभा दोनों जगहों पर ज़ोर शोर के साथ उठाया है। हालांकि सरकार अभी इस मामले में न्यायिक जांच की बात कहते हुए कुछ भी कहने से इनकार रही है।

हाईकोर्ट ने कहा- मेरठ डीएम में करुणा की कमी

एसिड अटैक पीड़िता को 6 हफ्ते में मुआवजे दें; प्रमुख सचिव सभी डीएम को सर्कुलर दें

प्रयागराज, 20 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसिड अटैक पीड़िता को मुआवजा देने लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी मेरठ की तीखी आलोचना की है। कोर्ट ने कहा है कि यह उनकी अक्षमता व करुणा की कमी दिखाता है। अधिकारियों का पहला दायित्व है कि वह लोगो को सेवा दें। जिलाधिकारी ने भारत सरकार के स्पष्ट निर्देश के बावजूद पीड़िता को एक लाख रुपए अतिरिक्त मुआवजे का भुगतान नहीं किया। कोर्ट ने जिलाधिकारी को भारत सरकार के 3 सितंबर, 2024 के लेटर का एक हफ्ते में पालन करने का आदेश दिया। कहा कि 6 हफ्ते में पीड़िता को मुआवजे का भुगतान करें।

कोर्ट ने कहा- प्रमुख सचिव सभी डीएम को सर्कुलर दें

कोर्ट ने भविष्य में एसिड अटैक पीड़िता को मुआवजे के भुगतान में देरी नहीं करने के लिए प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह को सभी जिलाधिकारियों को सर्कुलर जारी करने का आदेश दिया। साथ ही आदेश की प्रति गृह मंत्रालय भारत सरकार, महिला सुरक्षा विभाग नई दिल्ली और जिलाधिकारी मेरठ को भेजने के लिए कहा। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने रजनीता की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है।

2013 से एसिड अटैक पीड़िताओं को मदद दी जा रही

मालूम हो कि एसिड अटैक पीड़िता को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत फंड से मुआवजा दिया जाता है। 2013मे पीड़िता पर एसिड अटैक हुआ। सरकार ने कुछ मुआवजे का भुगतान भी किया। याची को सर्जरी व चिकित्सा सहायता के लिए एक लाख रुपए अतिरिक्त की आवश्यकता है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के महिला सुरक्षा विभाग के अनुसचिव ने जिलाधिकारी मेरठ को पत्र लिखा है किंतु जिलाधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। जिलाधिकारी से जानकारी मांगी गई तो कोई जवाब नहीं आया। कोर्ट ने इसे एलार्मिंग स्थिति करार दिया। जिलाधिकारी की आलोचना की है।

जौनपुर में बड़ा हादसा

हाईवे पर आपस में भिड़े कई वाहन, नौ श्रद्धालुओं की मौत; 32 घायल

जौनपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी- लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 731 के सरोखनपुर अंडर पास पर भीषण हादसा हुआ। दो वाहनों की भिड़ंत में टाटा सूमो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी घटना के समय एक बस ट्रेलर से भिड़ गई। इस हादसे में बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए है। सभी घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद एक और श्रद्धालु की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। ऐसे में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। बस में सवार सभी लोग दिल्ली के बताए जा रहे हैं, जो चित्रकूट से प्रयागराज होकर वाराणसी दर्शन के बाद अयोध्या जा रहे थे। वहीं सूमो सवार सभी झारखंड के हैं, जो वाराणसी से अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे।

हादसे के बाद मची चीख- पुकार

हादसे के बाद मौके पर चीख- पुकार मच गई। घटना उस वक्त हुई जब बस में सवार दर्शनार्थी सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ बस ट्रेलर से भिड़ी तो दर्शनार्थी हैरान रह गए। सोने के कारण कई लोग अचानक झटके से चोटिल हुए। वहीं आगे बैठे दर्शनार्थी बुरी तरह घायल हो गए। वहीं सूमो में सवार दर्शनार्थी भी आधी नींद में ही थे। घटना के बाद आनन- फानन सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे मय फोर्स व तहसीलदार राकेश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सभी आठ शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पहली घटना में झारखंड से 11 दर्शनार्थियों को लेकर निकली सूमो जे एच 02 ए एक्स 1652 काशी विश्वनाथ दर्शन के बाद राम लला का दर्शन करने अयोध्या जा रही थी। रात लगभग डेढ़ बजे के करीब सरोखनपुर गांव स्थित अंडर पास पुल से 200 मीटर आगे बढ़ी थी, कि किसी अज्ञात बड़े वाहन ने बगल से टक्कर मार दी।

'4 से लेकर 44 डिग्री में काम कर रहे नीतीश कुमार'

जेडीयू ने तेजस्वी यादव को घेरा, कर दी ये भविष्यवाणी

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हमारे नेता नीतीश कुमार चार से 44 डिग्री के टेंपरेचर (तापमान) में लगातार जनता का काम कर रहे। लोकसभा का जो चुनाव हुआ और विधानसभा का उपचुनाव हुआ उसमें जनता ने महागठबंधन को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बातें जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कही। वे गुरुवार (20 फरवरी) को कैमूर पहुंचे थे। उन्होंने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर जमकर हमला किया।

'जनता स्थायी रूप से घर बैठा देगी'

उमेश कुशवाहा ने भविष्यवाणी कर दी कि तेजस्वी यादव कुछ भी कर लें उनका सपना साकार होने वाला नहीं है। बिहार की जनता उनको 2025 के विधानसभा चुनाव में स्थायी रूप से घर बैठा देगी। आगे उन्होंने पत्रकारों से कहा, ₹अभी आपने देखा कि लोकसभा के चुनाव और विधानसभा के उपचुनाव में उनकी (आरजेडी) हालत क्या हुई। इसके पहले वह (तेजस्वी यादव) तरह-तरह की भविष्यवाणी कर रहे थे, जीत का दावा कर रहे थे, लेकिन बिहार की जनता ने उनको बता दिया कि वह क्या चाहती है। बिहार की जनता नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में 2025 को चाहती है।

'हम लोगों ने दो बार उनको मौका दिया लेकिन..'

उमेश कुशवाहा ने कहा कि हमारे ही नेता हैं जो चार डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक में जनता के बीच जाने का काम कर रहे हैं। जब काम करने वाले लोग पर इस तरह बोलेंगे तो उनके (तेजस्वी यादव) माता-पिता के समय में कोई भी एक काम हुआ हो तो बता दीजिए। हम लोगों ने दो बार उनको मौका दिया लेकिन वह कोई काम नहीं किए। जनता सब समझ गई है। लोगों को भड़काने वालों पर जनता विश्वास करने वाली नहीं है। बता दें कि 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले बिहार एनडीए की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन हो रहा है। लगातार एनडीए के नेता अलग-अलग जिलों में जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उमेश कुशवाहा कैमूर के सर्किट हाउस पहुंचे थे। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में यह बयान दिया।

यूएई से इंजीनियर पति ने दहेज देने का दबाव बनाया: बरेली में पत्नी ने कहा- मुझे जान का खतरा

बरेली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र की रहने वाली शिरीन ने अपने पति और सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। शिरीन का आरोप है कि उसका पति, जो यूएई में एक मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है, शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। शिरीन के अनुसार, उसकी शादी 2023 में चक मोहम्मद निवासी अजहरुद्दीन से हुई थी। शादी के बाद से ही अजहरुद्दीन और उसकी मां कमर जहां उस पर दहेज लाने का दबाव बना रहे थे। शिरीन ने आरोप लगाया कि जब उसने दहेज लाने से मना कर दिया, तो उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया- शिरीन नाम की महिला ने शिकायत की थी। जिसके आधार पर पुलिस ने अजहरुद्दीन और उसकी मां के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सपा नेता आजम खान के परिवार को राहत

एमपी एमएलए कोर्ट ने मां-भाई और बुआ को भी दी बेल

रामपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शत्रु संपत्ति मामले में अब्दुल्लाह आजम को जमानत मिलने के बाद रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने अब्दुल्लाह आज़म की माँ ताजिम फातिमा बड़े भाई अदीब आजम और उनकी फुप्पो (बुआ) की ज़मानत मंजूर कर दी। शत्रु संपत्ति में रेवेन्यू डॉक्यूमेंट में हेरफेर करने के मामले में यह मुकदमा सन 2020 में दर्ज हुआ था। इसमें 2023 में चार्जशीट फाइल की गई थी। इसके बाद कोर्ट में इन्वेस्टीगेशन के आधार पर अब्दुल्लाज़म और आजम खां को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। अब्दुल्लाह आजम को जमानत मिलने के बाद एमपी एमएलए कोर्ट में प्रस्तुत होकर ताजीन फातिमा, निघत अखलाक और अदीब आज़म ने इस मामले में भी एप्लिकेशन लगाई, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए तीनों की जमानत मंजूर कर दी है। इस मामले में अब्दुल्लाह आजम की माँ ताजिन फ़ातिमा ने बताया, 'कस्टोडियन के संबंध में एक मुकदमा किया गया था, उसी सिलसिले में जमानत के लिए आए थे। इसमें कोई खास बात नहीं है मामले में हमें अंतरिम जमानत मिली है, यह मामला कस्टोडियन रिकार्ड को खुर्द बुर्द करने का था, जो कि झूठा दर्ज किया गया था। रिकॉर्ड रूम की तो मैने शक्ल भी आज तक नहीं देखी।' वहीं उन्होंने अब्दुल्लाह आजम को जमानत मिलने के बाद बाहर आने के सवाल पर कहा अच्छा महसूस कर रही हूँ। अब्दुल्लाह आजम के अधिवक्ता ज़ुबैर अहमद खान ने बताया कि जिस मुकदमें में मोहम्मद अब्दुल्लाह आज़म खान को बेल मिली थी, उस मुकदमे में आज उनकी माता डॉक्टर ताज़ीन फातिमा उनके भाई अदीब आज़म और उनकी फुफ्फों निघत अखलाक को अदालत ने सुनवाई के बाद जमानत दे दी है। उन्होंने सरेंडर किया था रहा और आज हम लोगों ने उनकी जमानत दरखास्त दी थी। यह 2020 में एफआईआर दर्ज हुई थी और यह शत्रु संपत्ति से सम्बंधित जो रेवेन्यू रिकॉर्ड है उसमें हेरा फेरी से एंट्री प्रविस्टियो से रिलेटेड इलीगेशन्स थे। आज जो लोग इस मुकदमे में अपीयर हुए थे उन सबकी बाकी मुकदमों में जमानत पहले ही हो चुकी है। इन लोगों ने पहले ही सरेंडर किया था। ये लोग पहले से बाहर थे, अब्दुल्ला आज़म खान फिलहाल अंदर हैं, उनकी सारे मुकदमों में जमानत हो गई है। इस मामले में जो श्योरिटी बॉन्ड फाइल किए गए वह प्रोसेस में है।

महोबा एएसपी ने कार से उतरवाई काली फिल्म, अवैध नंबर देख किया सीज

महोबा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महोबा में पुलिस की फुट पेट्रोलिंग के दौरान एएसपी वंदना सिंह की सख्ती देखने को मिली है। फुट पेट्रोलिंग के दौरान काली फिल्म चढ़ी संदिग्ध लग्जरी कार को देख एएसपी वंदना सिंह के तेवर सख्त हो गए। कार में अवैध नंबर पड़ा होने और कोई भी कागज न होने पर उन्होंने तत्काल कार में मौजूद तीनों युवकों से पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि उक्त कार सवार महाराष्ट्र से 3 दिन पहले ही महोबा एक शादी समारोह में आए हैं। कार में अवैध नंबर और नियम विपरीत नंबर प्लेट से एएसपी ने तत्काल एक्शन लिया और वाहन को सीज कर दिया। एएसपी के सख्त तेवर देख कार सवारों के भी होश उड़ गए। एएसपी वंदना सिंह पुलिस बल के फुट पेट्रोलिंग पर निकली जहां उनकी पेट्रोलिंग के बीच में ही एक काली फिल्म चढ़ी लग्जरी कार गुजर रही थी, जिसे देख एएसपी के तेवर सख्त हो गए। कार में संदीप नंबर 5 पड़ा होने पर एएसपी ने तत्काल कार को रुकवा कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। कार में मौजूद तीनों युवकों से पुलिस ने न केवल पूछताछ की बल्कि उनके आधार कार्ड आदि चेक कर नाम पता भी दर्ज किया गया। पूरी कार में काली फिल्म होने के साथ-साथ कोई भी प्रपत्र मौजूद नहीं था। इसके अलावा कार के नंबर प्लेट में एक विशेष नंबर 5 लिखा होने पर एएसपी ने इस पर ऐतराज जताया साथ ही नियम विरुद्ध अवैध नंबर देख तत्काल वाहन सीज करने के निर्देश दिए गए। कार में महाराष्ट्र का नंबर एमएच-46 बीयू-5 लिखा था। एएसपी वंदना सिंह ने बताया कि कार में डला नंबर अवैध है। ऐसा किस मंशा के तहत गलत नंबर कार में डाला गया है,

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कल्कि धाम में आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ की पूजा, बोनी कपूर भी रहे मौजूद

संभल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को संभल के ऐंचौड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के स्थापना दिवस पर इसके भू-उत्खनन कार्य का बेल्चा से खोदाई कर शुभारंभ किया। उन्होंने गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक सेवा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने धाम निर्माण के लिए 5 लाख 11 हजार 1 सौ 11 रुपये के दान की घोषणा भी की। इसके बाद राज्यपाल ने पीएम श्री इटायला माफी विद्यालय का निरीक्षण भी किया। कल्कि धाम में राज्यपाल आनंदीबेन ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि श्री कल्कि धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण का पवित्र केंद्र होगा। उन्होंने इस धाम को वैदिक और आधुनिक शिक्षा के समन्वय से एक भव्य विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की योजना का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह धाम समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य व सेवा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करेगा और सनातन संस्कृति का उत्थान करेगा। राज्यपाल ने गुरुकुल परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम ने 18 वर्षों के कठिन संघर्ष ने इस स्थान को आध्यात्मिकता और सामाजिक सेवा का केंद्र बना दिया है।

ये दिग्गज रहे मौजूद

राज्यपाल ने दान की घोषणा के साथ ही लोगों से भी पुनीत कार्य में योगदान देने की अपील की और कहा कि दान केवल धन का ही नहीं, बल्कि ज्ञान और सेवा का भी होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां हमें गर्व से याद करें। समारोह में श्री कल्किधाम पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ ही बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, गोवा के पूर्व सीएम दिगंबर कामत, विश्व जागृति मंच के संस्थापक सुधांशु जी महाराज, फिल्म निर्माता बोनी कपूर, कवि एवं लेखक मनोज मुंतशिर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यूपी में रद्द नहीं होगी पुलिस रेडियो ऑपरेटर भर्ती की प्रक्रिया, एचसी ने खारिज किया एकल पीठ का फैसला

प्रयागराज, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस में रेडियो ऑपरेटर पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को रद्द नहीं किया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के फैसला को पलट दिया है। कोर्ट ने कहा कि यूपी पुलिस रेडियो अधीनस्थ सेवा नियमावली 2015 नियमों के तहत केवल डिप्लोमाधारी इंजीनियर ही हेड ऑपरेटर या हेड ऑपरेटर मैकेनिक के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने के हकदार है। ऐसे में इन पदों पर डिग्रीधारी इंजीनियरों का आवेदन करना विधि के मुताबिक नहीं है। जस्टिस एआई मसूदी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने ये टिप्पणी करते हुए दो जजों की एकल पीठ के उस आदेश का ख़ारिज कर दिया जिसमें पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द किए जाने का आदेश दिया गया था और पूरी भर्ती प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू करने के निर्देश दिए गए थे। इससे पहले कोर्ट ने 6 जनवरी 2022 को रेडियो ऑपरेटर के 936 पदों पर भर्ती के लिए जारी नियमों में भर्ती बोर्ड द्वारा बदलाव करके डिग्री धारक इंजीनियरों को भी इसके लिए आवेदन का अधिकार माना था जिसके बाद इस भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के आदेश दिए गए थे।

याचिकाकर्ता प्रशांत मिश्रा व एक अन्य ने एकल पीठ के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई के बाद पीठ ने इस अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसके बाद 14 फरवरी को जारी किया। दो जजों की पीठ ने पाया कि भर्ती बोर्ड को नियमों में बदलाव का हक नहीं थी इसलिए उस आदेश का कोई महत्व नहीं था। कोर्ट ने एकल पीठ के फैसेलिटी के उस हिस्से को सही करार दिया, जिसमें ये कहा गया कि डिग्री धारी इंजीनियरों को आवेदन का हक नही थी।

बिहार में पूर्णिया के बाद एक और रेड लाइट एरिया में छापेमारी 10 महिला और 10 पुरुष को थाने लेकर गयी पुलिस

पूर्णिया, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में फिर एकबार रेडलाइट एरिया में छापेमारी की गयी है। पूर्णिया के बाद अब अरवल में पुलिस ने कार्रवाई की है। मुख्यालय के जनकपुर धाम स्थित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने छापेमारी की है। जिसमें 20 लोगों को हिरासत में लिया गया। जिसमें 10 पुरुष जबकि 10 महिलाएं शामिल हैं। जिस्मफरोशी के धंधे में युवतियों को धकेले जाने की सूचना पर पुलिस छापेमारी के लिए पहुंची थी। अरवल के जनकपुरधाम में पुलिस ने छापेमारी की। यहां रेडलाइट एरिया में पुलिस ने दबिश डाली तो कई युवक और युवतियां पुलिस के हत्थे चढ़े। छापेमारी की भनक लगने पर हड़कंप मच गया।

यह छापेमारी पटना पुलिस मुख्यालय के कमजोर वर्ग सीआइडी और स्वयं सहायता समूह के द्वारा स्थानीय पुलिस की मदद से की गयी थी। पुलिस ने दो संदिग्ध लोगों को भी हिरासत में लिया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को यह गुप्त सूचना मिली थी कि रेडलाइट एरिया में युवतियों से जबरन देह व्यापार का धंधा कराया जाता है। जिसके बाद यह छापेमारी की गयी। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृति कमल ने बताया कि पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों का सत्यापन कराया जा रहा है। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि पूर्णिया के रेडलाइट एरिया में भी हाल में छापेमारी की गयी थी। यहां जबरन जिस्मफरोशी के धंधे में धकेली गयी लड़कियों को पुलिस ने मुक्त कराया था। इस दौरान गिरोह के कई लोगों की गिरफ्तारी भी की गयी थी।पूर्णिया के कटिहार मोड़ स्थित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने छापेमारी करके 11 ऐसी युवतियों को मुक्त कराया था जिनसे जबरन देह धंधर कराया जाता था। 6 पुरुष एवं 26 महिला समेत कुल 32 अभियुक्तों को गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल भेजा था। पुलिस को पहले भी ऐसी शिकायत मिलती रही है कि बाहर से लड़कियों को लाकर रेडलाइट एरिया में बेच दिया जाता है।

बिहार के औरंगाबाद में रात में अनियंत्रित होकर नहर में गिरी कार, सुबह एक युवक का शव निकाला गया बाहर

औरंगाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद में बड़ा हादसा हुआ है। एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गयी। इस घटना में कार सवार एक युवक की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की भीड़ भी नहर किनारे जमा हो गयी और कार को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घटना बारूण थाना क्षेत्र की है। गुरुवार को औरंगाबाद के बारुण थाना क्षेत्र के परशुरामपुर नहर पुल के पास यह हादसा हुआ। जहां अचानक एक वैगनआर कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गयी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान कर्मा सतुवाही गांव के 34 वर्षीय विवेक कुमार के रूप में की गयी है। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस एवं ग्रामीणों के द्वारा कार को पहर से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, विवेक बुधवार की रात में कहीं से लौट रहा था। उसकी कार इस दौरान अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई ।

एसटीएफ ने पकड़ा था बांग्लादेश से संचालित फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज गिरोह, गोरखपुर में खोला था ऑफिस

गोरखपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। एसटीएफ ने चार साल पहले शहर में चल रहे एक फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस गिरोह के सरगना बांग्लादेश में बैठे थे, जबकि देवरिया के रहने वाले दो युवक गोरखपुर में इस गैरकानूनी धंधे को संचालित कर रहे थे। वे अंतरराष्ट्रीय कॉल को भारतीय नंबरों के जरिए लोकल काल में बदलकर सरकार को राजस्व का भारी नुकसान पहुंचा रहे थे। आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में सिम कार्ड और अन्य टेलीकाम उपकरण बरामद हुए थे। लेकिन सरगना आज तक नहीं मिला। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय काल सेंटर के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह भी पकड़ा जा चुका है। गोरखपुर में विजय चौक के पास किराए के मकान में चल रहे इस फर्जी एक्सचेंज का संचालन सिम बॉक्स टेक्नोलाजी से किया जा रहा था। सिम बाक्स के जरिए विदेशी काल को भारतीय नंबरों में बदल दिया जाता था, जिससे काल ट्रैफिक पर सरकार को मिलने वाला टैक्स बाईपास हो जाता था।

गिरोह प्रति मिनट काल के हिसाब से 15 पैसे की दर से कमाई करता था।इनकी पूरी सेटिंग बांग्लादेश से संचालित होती थी, जहां से उन्हें बैंक खाते में रकम ट्रांसफर की जाती थी। इस काम के लिए रेलवेयर के हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन का इस्तेमाल किया जा रहा था।आपरेशन का मास्टरमाइंड केटी नामक बांग्लादेशी नागरिक था, जो इस पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। गोरखपुर में पकड़े गए इस गिरोह के बाद देश के अन्य हिस्सों में भी फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले गिरोह सामने आए हैं।15 फरवरी 2024 को आंध्र प्रदेश पुलिस ने शाहपुर, बिछिया (गोरखपुर) से राहुल शाही नामक जालसाज को गिरफ्तार किया, जो गुंटूर जिले में फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय काल को भारतीय कॉल में बदलकर सरकार को करोड़ों का चूना लगा रहा था।

इंग्लैंड के नागरिकों से तीन करोड़ की ठगी

18 अगस्त 2023 को पुलिस ने बिहार और बंगाल के आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो फर्जी कॉल सेंटर खोलकर इंग्लैंड (यूके) के नागरिकों से धोखाधड़ी कर रहे थे। आरोपित ब्रिटेन की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी बीटी ओपनरीच का नाम लेकर इंटरनेट की गति धीमी होने की शिकायत दर्ज कराते थे। फिर साफ्टवेयर इंस्टाल कराने के बहाने पीड़ितों के बैंक अकाउंट से लाखों रुपये निकाल लेते थे।यह गिरोह अब तक तीन करोड़ रुपये की ठगी कर चुका था।

'रोज रात 3 बजे'

बुजुर्ग की नींद में मुर्गे ने डाली खलल शिकायत लेकर पहुंच गया आरडीओ ऑफिस

पठानमथिट्टा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के पठानमथिट्टा जिले के पल्लीकल गांव से मुर्गे की बांग को लेकर एक अनोखा विवाद सामने आया है। ये विवाद किसी संपत्ति या पैसे को लेकर नहीं था, बल्कि एक मुर्गे की सुबह-सुबह बांग देने को लेकर था। मामला आरडीओ (रेवेन्यू डिविजनल ऑफिस) तक जा पहुंचा, जिसके बाद प्रशासन ने इस समस्या का हल कराया और बुजुर्ग की रातों की नींद उसे लौटाई। प्रशासन की मदद से बुजुर्ग अब खुश है। दरअसल, हर रोज सुबह तीन बजे पड़ोसी अनिल कुमार का मुर्गा बांग देना शुरू कर देता है और लगातार बांग देता ही जाता, जिसके कारण बुजुर्ग राधाकृष्ण कुरूप की रातों की नींद हराम हो गई थी। जब रात की नींद खराब हुई तो दिन का चैन भी खराब होना था। बुजुर्ग राधाकृष्ण कुरूप की लंबे समय से तबीयत खराब होने के कारण वह इस समस्या से काफी परेशान थे। राधाकृष्ण कुरूप ने अपने पड़ोसी अनिल कुमार के मुर्गे के खिलाफ रेवेन्यू डिविजनल ऑफिस (आरडीओ) में शिकायत दर्ज कराई। राधाकृष्ण कुरूप ने बताया कि मुर्गा रोज सुबह तीन बजे बांग देना शुरू कर देता है, जिसकी वजह से वह सो नहीं पाते हैं। उकना सारा सुकून खत्म हो गया है। आरडीओ के अधिकारियों ने शिकायत को गंभीरता से लिया। प्रशासन ने जांच करने के बाद यह माना कि मुर्गा सच मे समस्या की जड़ है।

अमेरिका की कोर्ट का फैसला पलटा: चंडीगढ़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने डाइवोर्स केस में सुनाया ऐतिहासिक फैसला

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पति और पत्नी के बीच तकरार के बाद नौबत तलाक तक आ जाती है। तलाक के कई मामले सुने होंगे, देखे होंगे और पढ़े भी होंगे। लेकिन चंडीगढ़ सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत में तलाक का एक ऐसा मामला आया, जिसपर कोर्ट ने विदेश की कोर्ट के फैसले को ही पलट दिया। तलाक के एक मामले में चंडीगढ़ जिला अदालत ने ऐतिहासिक और साहसी फैसला सुनाया। चंडीगढ़ सिविल जज कौशल कुमार यादव ने अमेरिका की सुपीरियर कोर्ट ऑफ कैलिफोर्निया के पांच साल पुराने तलाक के एक फैसले को अमान्य करार दे दिया। चंडीगढ़ की एक युवती की यमुनानगर, हरियाणा के एक युवक से शादी हुई थी। युवक ने शादी के महज साढ़े तीन महीने बाद ही युवती से तलाक ले लिया। उनकी शादी भारत में हुई थी, लेकिन युवक ने अमेरिका जाकर वहां कैलिफोर्निया की कोर्ट में तलाक की अर्जी दे दी।

युवती ने उसका विरोध भी किया, लेकिन विदेशी अदालत ने उसकी एक न सुनी और दोनों की शादी को निरस्त करार दे दिया। ऐसे में उस युवती ने हिम्मत नहीं हारी और चंडीगढ़ जिला अदालत में सिविल केस दायर कर दिया। उसने एडवोकेट जीएस कौशल के जरिये अमेरिकी कोर्ट के फैसले को चंडीगढ़ में चुनौती दी।

हिंदू मैरिज एक्ट के तहत नहीं था फैसला

एडवोकेट जीएस कौशल ने अदालत में बहस के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक अगर विदेशी कोर्ट तलाक के केस में कोई भी फैसला हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 के तहत नहीं सुनाएगी तो उसे भारत में माना नहीं जाएगा। इस केस में अदालत ने महज साढ़े तीन महीने की शादी में तलाक की अर्जी मंजूर कर दी जबकि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 14 के तहत शादी के एक साल के पहले तलाक का केस दायर नहीं किया जा सकता। सुपीरियर कोर्ट आफ कैलिफोर्निया का ये फैसला हिंदू मैरिज एक्ट के तहत नहीं था। वहीं, युवक इस केस में अदालत में पेश भी नहीं हुआ। ऐसे में चंडीगढ़ जिला अदालत ने अमेरिकी कोर्ट के फैसले को अमान्य करार दे दिया।

ये है पूरा मामला

केस के मुताबिक युवक और युवती की शादी 28 मई 2019 को यमुनानगर में हुई थी। 13 जून 2019 को यमुनानगर के रजिस्ट्रार आफ मैरिज के पास हिंदू मैरिज एक्ट के तहत उनकी शादी रजिस्टर्ड हो गई। शादी के कुछ समय बाद तक वे यमुनानगर में ही रहे। इस दौरान वे एक महीने के लिए केरल में हनीमून के लिए भी गए। कुछ दिनों बाद दोनों अमेरिका चले गए। वहां युवक ने अपना असली रंग दिखा दिया। उसने युवती को वहां अकेला छोड़ दिया। कुछ दिनों बाद युवक ने सुपीरियर कोर्ट आफ कैलिफोर्निया में तलाक का केस दायर कर दिया। 10 जुलाई 2019 को युवती को अमेरिकी कोर्ट से समन भी आ गए। युवती ने अपने वकील के जरिए उस याचिका का विरोध किया और कहा कि उनकी शादी हिंदू कानून के मुताबिक हुई है और उनके तलाक का केस अमेरिकी कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, लेकिन अदालत ने उसकी एक न सुनी और युवक के हक में फैसला सुना दिया।

जिम्मेदारी से बचने के लिए लिया तलाक

एडवोकेट कौशल ने कहा कि युवती ने युवक के खिलाफ चंडीगढ़ में विमेन पुलिस स्टेशन में घरेलू हिंसा की शिकायत दी थी। उस शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ आइपीसी की धार 406, 498ए के तहत एफआइआर भी दर्ज कर ली थी। युवक उस केस में भी अदालत में पेश नहीं हो रहा है। अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित किए जाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एडवोकेट कौशल ने कहा कि युवक ने इस केस में बचने के लिए अमेरिकी कोर्ट से तलाक ले लिया, लेकिन अब ये तलाक भारत में मान्य नहीं होगा।

पंजाब के उद्योगपतियों को सीएम भगवंत मान की सौगात, सरकार ने ओटीएस स्कीम पर लगाई मुहर

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब का व्यापारी समाज औद्योगिक काम काज में सुविधाओं को लेकर लंबे समय से ओटीएस यानी वन टाइम सेटलमेंट की मांग कर रहे थे। पंजाब के उद्योगपतियों की इस मांग को ध्यान में रखते हुए भगवंत मान सरकार ने ओटीएस स्कीम की शुरुआत कर दी है। इस स्कीम से पंजाब के व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार का कहना है कि यहां आम आदमी पार्टी के शासन में सबकी सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है। पंजाब सरकार की घोषणा के मुताबिक ओटीएस के तहत एक लाख रुपये तक का एकमुश्त टैक्स माफ कर दिया गया है। मान सरकार की ओटीएस स्कीम से तकरीबन 50 हजार से अधिक व्यापारी, कारोबारियों को फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक इस स्कीम के तहत भगवंत मान सरकार ने एक लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक के बकाया टैक्स का 50 फीसदी हिस्सा माफ कर दिया है। साथ ही बकाया टैक्स के ब्याज और जुर्माने पर भी 100 फीसदी छूट दी है। पंजाब में भगवंत मान सरकार राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का अभियान चला रही है। सरकार मानना है कि सुविधाएं हासिल होने पर ही पंजाब में औद्योगिक विकास हो सकेगा। कारोबारियों को काम काज में सरलता होगी।

राज्य सरकार ने कहा कि पंजाब में सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है। वहीं ग्रीन स्टैंप पेपर जैसे कदमों से पंजाब में उद्योगों की स्थापना आसान हो गई है। अब पंजाब में लोगों को उद्योगों से रोजगार मिल रहा है। आप का कहना है कि मान सरकार का 'रंगला पंजाब' का विजन साकार हो रहा है।

गिद्धों को रास आ रहा सीहोर, एक साल में संख्या 227 से बढ़कर हो गई 519

सीहोर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के अनेक शहरों में गिद्धों की जनसंख्या कम हो गई है, लेकिन गिद्धों को सीहोर रास आ रहा है। यहां पिछले साल की अपेक्षा गिद्धों की जनसंख्या दो गुनी से अधिक हो गई है। पिछले साल जिले में 227 गिद्ध मिले थे, जो इस साल बढ़कर 519 पर पहुंच गई है। जिले में पिछले तीन दिन से चल रही गिद्धों की गणना पूरी हो गई है। जिले में गिद्धों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। वन विभाग की नई गणना में 519 गिद्ध पाए गए हैं। यह संख्या पिछले साल की तुलना में दोगुनी है। पिछले साल केवल 227 गिद्ध थे। वन विभाग ने तीन दिनों तक चली गणना में पाया कि कुल गिद्धों में से 422 वयस्क और 97 अवयस्क हैं। वन विभाग के अनुसार जिले की 125 जंगल बीटों में गणना कराई थी। इनमें से 8 बीट में गिद्ध मिले। बुधनी, सीहोर, रेहटी और वीरपुर वन रेंज में सबसे अधिक गिद्ध पाए गए। गणना सुबह 7 से 9 बजे के बीच की जाती है, जब गिद्ध धूप सेंकने मैदानों में आते हैं। वनकर्मी इनकी वीडियोग्राफी करते हैं और बाद में गणना करते हैं। गिद्धों के आंकलन की गणना वर्ष में दो बार की जाती है। शीतकालीन गिद्ध गणना 17, 18 एवं 19 फरवरी को की गई। इसी तरह ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 29 अप्रैल 2025 को की जायेगी। वन मंडल सीहोर के डीएफओ एमएस डाबर के अनुसार इस क्षेत्र में सफेद प्रजाति के गिद्ध पाए जाते हैं। सफेद गिद्ध बड़े वन्य जीव का मांस तो खाता है। लेकिन, वह नहीं मिलने पर यह जमीन पर कीड़ों को भी खाकर सर्वाइव कर जाता है। इसी कारण ये गिद्ध अभी बचे हैं। शेष प्रजातियां कम होती जा रही है। गिद्ध केवल मरे हुए जानवरों को खाकर ही अपना भोजन प्राप्त करते हैं। इस वजह से इन्हें प्रकृति के सफाई कर्मी के रूप में भी जाना जाता है। मवेशियों के उपचार के लिए प्रतिबंधित दवाई डिलोफेनक के उपयोग और आवास स्थलों की कमी से गिद्ध की संख्या में अचानक से कमी आई थी। गिद्धों के संरक्षण के लिए उनके नेस्टिंग साइट को पहचान कर उनका संरक्षण बहुत जरूरी है, ताकि इनकी संख्या बढ़ सके। गिद्धों के बचाव के लिए प्रकृति में गिद्धों के महत्व और उनकी कम होती संख्या से होने वाले विपरीत रिजल्ट से लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। जिले में 8 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए हैं,

क्लास में हुई ऐसी बहस, 10वीं के छात्र ने दोस्त की छाती पर मार दिया मुक्का, मौके पर मौत

कोलकाता, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के स्कूल में एक छात्र ने दूसरे छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथी ही पुलिस ने नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक छात्र के पिता गणेश जालान ने कहा, टीचर्स के सामने छात्र कैसे लड़ सकते हैं? स्कूल में पढ़ाई नहीं होती है। मैं चाहता हूं कि मेरे बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को सजा मिले। हुगली के चाम्पदानी स्थित आर्य विद्यापीठ स्कूल में दोनों छात्र पढ़ते थे। एक दिन किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस होने लगी, जो देखते ही देखते मौत में तब्दील हो गई। ऐसा कहा जा रहा है कि क्लास चल रही थी। इसी दौरान करीब एक बजे दसवीं क्लास के छात्रों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। उसी समय अभिनव नाम के एक छात्र को सहपाठी ने छाती पर जोरदार मुक्का मार दिया। मुक्का लगते ही अभिनव बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद स्कूल प्रशासन छात्र को लेकर आनन-फानन में नजदीकी प्राइवेट स्कूल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच, छात्र की मौत की खबर से स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से ही स्कूल में पढ़ रहे छात्रों के माता-पिता में काफी रोष हैं। मृतक छात्र की मां ने बताया कि उनकी बेटी की मौत छह महीने पहले हार्ट अटैक से हो गई थी। अब बेटे को भी खो दिया है। मामले की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने पीड़ित परिवार की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी छात्र को गिरफ्तार करके उससे झगड़े के कारण को लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दिमा हसाओ में करीब डेढ़ महीने तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

कोयला खदान से सभी नौ खनिकों के शव किए गए बरामद

गुवाहाटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे तीन और खनिकों के क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही सभी नौ खनिकों के शव खदान से बरामद कर लिए गए हैं। मामले में एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि खदान में लापता होने के 44 दिन बाद ये शव बरामद किए गए हैं। शव बुधवार देर शाम बरामद किए गए, जबकि दो शव दिन में पहले बरामद किए गए थे। बता दें कि, उमरंगशु में खदान में पानी निकालने का काम एक महीने से अधिक समय से चल रहा था और बुधवार को यह उस स्तर तक पूरा हो गया, जहां से पानी निकालने का काम शुरू किया जा सकता है। गोताखोरों ने इन शवों को देखा और उन्हें बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है और इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 6 जनवरी को खदान के अंदर नौ मजदूर फंस गए थे और एक का शव दो दिन बाद बरामद किया गया जबकि तीन अन्य के शव 11 जनवरी को मिले। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान चार खनिकों के शव पहले बरामद किए गए थे, उनके परिजनों को सरकार ने 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी है और अंदर फंसे लोगों के परिजनों को छह-छह लाख रुपये दिए हैं।

राज्य सरकार ने घटना की न्यायिक जांच की भी घोषणा की

वहीं इस घटना को लेकर राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि खदान के अंदर फंसे सभी लोगों के परिवारों को कुल 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने पहले दावा किया था कि खदान 12 साल पहले बंद कर दी गई थी और तीन साल पहले तक असम खनिज विकास निगम के अधीन थी। मामले में राज्य सरकार ने घटना की न्यायिक जांच की भी घोषणा की है, जिसमें सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनिमा हजारिका एक सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करेंगी।

बुर्का पहनी महिलाओं ने शातिराना तरीके से चुराई सोने की चेन, सीसीटीवी वीडियो में कैद हुई हरकत

शिवमोगा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक से एक हैरान कर देने वाली वीडियो सामने आ रहा है। वीडियो में दो महिलाएं एक ज्वेलरी शॉप से सोने की चेन चोरी करती दिख रही हैं। चोरी के दौरान दोनों को अंदाजा नहीं रहा होगा कि उनका चोरी करते हुए वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो देख हर कोई हैरान है कि ऐसे कैसे कोई खुलेआम चोरी करने की हिमाकत कर सकता है। मामला शिवमोग्गा जिले में एक ज्वेलरी शॉप से सोने के आभूषण चोरी करने का है। पुलिस ने चोरी के आरोप में दो बुर्का पहनी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। दरअसल वीडियो में साफ दिख रहा कि दोनों महिलाए चेन देखने के बहाने ज्वेलरी बॉक्स को अपनी तरफ खड़ा कर देख रही हैं। इसी दरमियान दोनों दुकान में काम कर रहे लोगों को बातों में उलझा भी रही हैं,

गुजरात के अस्पताल में महिलाओं का वीडियो बनाकर बेचा, पुलिस ने लिया एक्शन

अहमदाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के एक अस्पताल में महिलाओं की जांच के दौरान बनाए गए वीडियो को बेचने के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गुजरात पुलिस ने महिला मरीजों के हैक किए गए सीसीटी वीडियो हासिल करने, उन्हें यू-ट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों के जरिए बेचने के आरोप में महाराष्ट्र से दो, वहीं उत्तर प्रदेश से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार (19 फरवरी) को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने महिला मरीजों की क्लिप हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय हैकर की मदद ली थी।

'डिलीवरी रूम के अंदर सीसीटी फुटेज करते थे लीक'

अहमदाबाद पुलिस ने 17 फरवरी को एक अस्पताल के डिलीवरी रूम के अंदर डॉक्टरों द्वारा महिला मरीजों की जांच करने के वीडियो ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद मामला दर्ज किया था। वीडियो में, जो सीसीटीवी फुटेज दिखा, उसमें महिला मरीजों को एक अस्पताल के बंद कमरे के अंदर एक महिला डॉक्टर द्वारा जांच करते या एक नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाते देखा जा सकता है। अहमदाबाद साइबर अपराध शाखा की एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि पुलिस ने बाद में पता लगाया कि वीडियो राजकोट स्थित अस्पताल 'पायल मैटरनिटी होम' के सीसीटीवी फुटेज का हिस्सा थे। इसमें कहा गया कि कुछ हैकर ने अस्पताल की सीसीटी प्रणाली में सेंध लगाई और फुटेज हासिल कर ली। बाद में कुछ क्लिप तीन यू-ट्यूब चैनल द्वारा शेयर की गईं, जिनके विवरण में एक टेलीग्राम समूह का लिंक था।

वीडियो के बदले मांगे जा रहे थे पैसे

अधिकारियों ने कहा कि उस टेलीग्राम समूह में प्रति वीडियो के लिए 2,000 रुपये मांगे गए थे। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि साइबर पुलिस ने इस गिरोह को चलाने वाले तीन लोगों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के लातूर और सांगली के क्रमशः प्रज्वल तेली और प्रज पाटिल तथा उत्तर प्रदेश के चंद्र प्रकाश के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि तीनों आरोपियों ने वीडियो हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय हैकर की मदद ली और सोशल मीडिया मंच के जरिए क्लिप बेचने की कोशिश की।

दिल्ली बीजेपी के जिस विधायक को मार्शल निकालते थे विधानसभा से बाहर, अब वही होंगे स्पीकर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की 27 साल बाद सत्ता में वापसी हुई है। रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है, तो वहीं विजेंद्र गुप्ता का नाम विधानसभा स्पीकर के लिए तय हो गया है। ये बेहद दिलचस्प है, क्योंकि आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान अक्सर ऐसी तस्वीरें आईं जब सरकार का विरोध करने पर विजेंद्र गुप्ता सदन से बाहर निकाला गया। कई बार तो मार्शलों ने कंधों पर उठाकर उन्हें सदन से बाहर किया। विजेंद्र गुप्ता को एक नहीं बल्कि कई बार सदन से बाहर किया गया है। 2015 में आम आदमी पार्टी की लहर में बीजेपी को दिल्ली में महज तीन सीटें ही मिली थीं, जिसके बाद भी बीजेपी ने विपक्ष की भूमिका निभाने में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। विजेंद्र गुप्ता तब विधायक थे और वो मुद्दे उठाते थे। साल 2017 में विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता कथित जमीन घोटाले के दस्तावेज लेकर पहुंचे थे और वो सदन में उसपर बहस की मांग कर रहे थे। लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने इसकी इजाजत नहीं दी। बीजेपी का स्थगन प्रस्ताव भी खारिज कर दिया गया। इसके बाद भी बीजेपी का हंगामा जारी रहा तो स्पीकर ने पहले विजेंद्र गुप्ता का माइक बंद कराया और चुप रहने की चेतावनी दी। जब वो नहीं माने तो उन्हें मार्शल के जरिए बाहर निकाल दिया गया। विजेंद्र गुप्ता आप की लहर में भी खुद की सीट बचाने में कामयाब रहे थे, जिस वक्त दिल्ली में बीजेपी की महज 3 सीटें थीं उनमें गुप्ता की भी एक सीट थी। वे 2015, 2020, 2025 में लगातार रोहिणी से चुनकर आए हैं। 2020 में भी विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी की सीट पर 12 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। 2015 से लगातार विपक्ष में बैठकर आम आदमी पार्टी के खिलाफ आवाज उठाने वाले विजेंद्र गुप्ता अब स्पीकर की कुर्सी पर विराजेंगे। जिस कुर्सी से उन्हें सदन से बाहर निकालने के आदेश होते थे, अब वो उसी पर काबिज होंगे।

जवान लड़के-लड़कियों को प्यार करने की आजादी होनी चाहिए, अदालत ने रिलेशनशिप पर किया युवाओं का सपोर्ट

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हाल ही में वैलेंटाइन वीक गुजरा है। इस वीक में जहां शादी शुदा जोड़े, अडल्ट कपल आपको फूलों की दुकान, रेस्टोरेंट और गिफ्ट शॉप समेत कई जगह दिखे होंगे, वहीं इस दौरान आपको युवा लड़के-लड़कियां भी जरूर नजर आए होंगे। जिनकी उम्र 18 साल से कम होगी, लेकिन प्यार की भावना के साथ यह भी फूल खरीद रहे होंगे। दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इन्हीं युवाओं को प्यार करने की आजादी देने की वकालत की है। शायद खबर की हेडिंग पढ़ कर आप भी चौंक गए होंगे। दोबारा पढ़ कर हो सकता है आपने कन्फर्म किया हो कि सही पढ़ा है या नहीं, लेकिन आप ने सही पढ़ा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में कहा कि 18 साल से कम उम्र के युवाओं को वैधानिक बलात्कार कानूनों के डर के बिना रोमांटिक और सहमति से बने संबंधों में शामिल होने की आजादी होनी चाहिए। वैधानिक बलात्कार कानून के तहत अगर रिश्ते में कोई भी व्यक्ति 18 साल से कम है तो इस रिश्ते को अपराध माना जाता है।

कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने इस मामले पर बात करते हुए कहा कि किशोरावस्था में लड़के-लड़कियों के बीच सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंधों को भी अपराध माना जाता है और इसको पोक्सो अधिनियम के तहत जुर्म माना जाता है। इसी बात पर जज ने राय दी कि इस यंग उम्र में लड़के-लड़कियों के बीच प्यार को स्वीकार करने के लिए कानून को विकसित होना चाहिए। जज ने कहा, मेरा मानना है कि सामाज और कानून दोनों को ही युवा व्यक्तियों के रोमांटिक रिश्तों में शामिल होने के अधिकारों पर जोर देना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि यह रिश्ते ऐसे हो जिसमें न लड़का और न लड़की किसी का भी शोषण न हो और किसी के साथ भी दुर्व्यवहार न हों।

"प्यार करने की आजादी होनी चाहिए"

जज ने युवाओं के प्यार को स्पोर्ट करते हुए कहा, प्यार एक ऐसा अनुभव है जो सभी को होना चाहिए, यह एक फंडामेंटल अनुभव है। किशोरों को इमोशनल कनेक्शन बनाने का अधिकार है। कानून को इन रिश्तों को स्वीकार करने और सम्मान देने के लिए विकसित होना चाहिए। इन रिश्तों को स्वीकार करने की शर्त यह होनी चाहिए कि यह सहमति से बने हों और इन में किसी तरह की जबरदस्ती न हों। कोर्ट ने कहा कि जहां नाबालिगों की सुरक्षा के लिए सहमति की कानूनी उम्र जरूर है जोकि 18 साल है। वहीं कानून को सहमति से बनाए गए संबंधों को अपराध बनाने के बजाय इन रिश्तों में शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।लीगल सिस्टम को युवा व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके प्यार के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए। किशोर रिलेशनशिप से जुड़े मामलों में सजा देने के बजाय समझ को अहमियत देनी चाहिए।

हॉस्टल में आई अंजान महिला को 12वीं की छात्रा बताने लगी मां, साथ में चली भी गई, अब हकीकत सामने आई

भोपाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बड़वानी से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जिले के सेंधवा से करीब 4 किमी दूर ग्राम मड़गांव स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर से एक नाबालिग छात्रा हॉस्टल से चली गई। नाबालिग छात्रा शिक्षा परिसर से नकली मां के साथ चोरी छिपे चली गई। घटना की जानकारी छात्रा के परिजन को हुई तो वे ग्रामीण थाना पहुंचे।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक महिला हॉस्टल में छात्रा की मां बनकर आई थी और अधीक्षिका, प्राचार्य को अपनी बातों में फंसाकर छात्रा को अपने साथ ले गई। छात्रा के परिजनों ने जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। हॉस्टल अधीक्षिका सावित्री से मिली जानकारी के मुताबिक, एक महिला 12वीं की छात्रा बनकर आई थी। नकली मां को देख कर बोली मेरी मां आई हैं, मुझे घर जाना है। ऐसे में उन्होंने अवकाश आवेदन भी लिख कर दिया। सावित्री ने बताया कि नकली मां बनकर आई महिला के साथ एक युवक भी आया था।

कैसे हुआ खुलासा?

पुलिस ने बताया कि जब सावित्री ने छात्रा के पिता को फोन करके बताया कि तब जाकर पूरे मामले की जानकारी हुई। ऐसे में सावित्री ने छात्रा के परिजनों के साथ थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। छात्रा के परिजन आरोपी महिला की गिरफ्तारी की बात कर रहे हैं। घटना के बाद शिक्षा परिसर में छात्राओं की सुरक्षा की समीक्षा करने की मांग भी उठी है। इसके अलावा सीसीटीवी बढ़ाने सहित सुरक्षा नियमों को पूरा करने की मांग की है।

भाग गई थी बीटेक की छात्रा

इससे पहले यूपी के लखनऊ से ऐसा मामला सामने आया था। लखनऊ के मोहनलालगंज नगर के एक हॉस्टल से बीटेक छात्रा भाग गई थी। हालांकि पुलिस ने छात्रा को सकुशल खोज लिया था। छात्रा ने पुलिस को वह परीक्षा में कम नंबर आने पर भागी थी। पुलिस ने छात्रा को समझा बुझाकर परिवार वालों के हवाले कर दिया है

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 21 फरवरी - 2025

बीजेपी से दिल्ली का दिल खुश !

बहुत लंबी प्रतीक्षा के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। इसलिए माना जाने लगा है कि दिल्ली में आज से एक नए युग की शुरुआत हो गई है। पहली बार विधायक बनीं रेखा गुप्ता के रूप में दिल्ली को महिला मुख्यमंत्री मिल गई हैं। वह दिल्ली की चौथी महिला सीएम हैं। इसी के साथ ही दिल्ली वालों को भी नई योजनाओं का गिफ्ट मिलने की संभावना बढ़ गई है। बहरहाल, इस अच्छे दिन के लिए भारतीय जनता पार्टी को लंबा इंतजार करना पडा। आखिरी बार जब देश की राजधानी दिल्ली में बीजेपी की सरकार थी, तब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री तो छोड़िए गुजरात के मुख्यमंत्री तक भी नहीं बन सके थे। तब दिवंगत सुषमा स्वराज 1998 में दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं। उसके बाद से बीजेपी का इंतजार साल दर साल लंबा होता चला गया। आज वो इंतजार खत्म होने से दिल्ली में चारों तरफ खुशियां ही खुशियां दिख रही थी। जैसा कि बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान अपने संकल्प पत्र में कई घोषणाएं की थीं। अब उन्हें अमली जामा पहनाने का वक्त आ गया है। बीजेपी के संकल्प पत्र में कम से कम 40 योजनाओं का जिक्र है। यही नहीं पहले से चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी सुधार करने की बात कही गई है। अब उसे पूरा करने की जिम्मेदारी रेखा गुप्ता पर आ पडी है। पीएमजेएवाय के तहत आयुष्मान योजना की शुरुआत साल 2018 में हुई थी। देश के अधिकतर राज्यों में इस कल्याणकारी योजना को लागू भी कर दिया गया। जिसकी वजह से 50 करोड़ से ज्यादा लोग आयुष्मान कार्ड बनवाकर 5 लाख के मुफ्त मेडिकल इंश्योरेंस का लाभ उठा रहे हैं। मगर दिल्ली वाले इस योजना के लाभ से वंचित रहे थे। लेकिन अब दिल्ली में भी आयुष्मान कार्ड बन सकेगा। पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान इसकी घोषणा की थी कि दिल्ली में 10 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिल सकेगा। पीएम की घोषणा पर लोगों ने विश्वास व्यक्त कर भाजपा को भारी बहुमत से सरकार बनवा दी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले जारी बीजेपी के संकल्प पत्र में पहले से चल रही पेंशन योजनाओं में भी सुधार की बात कही गई है। बीजेपी के मुताबिक वृद्धा पेंशन दिल्ली में 2000 से बढ़कर 2500 रुपये हर महीने की जाएगी। इसी तरह विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन में भी बढ़ोतरी की बात कही गई है। बीजेपी ने दिल्ली में गरीब महिलाओं को 2500 रुपये महीने देने की भी बात कही है। इसके लिए महिला समृद्धि योजना लॉन्च की जा सकती है। इसके अलावा 500 रुपये में सिलेंडर और होली-दिवाली पर गैस सिलेंडर मुफ्त देने का भी जिक्र है। मुख्यमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना का भी जिक्र संकल्प पत्र में है। इसके तहत गर्भवती महिलाओं को 21000 रुपये और न्यूट्रिशियल किट देने की बात है। बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के वोटर माने जाने वाले ऑटो ड्राइवर्स और घरेलू सहायक/सहायिकाओं के लिए भी 10 लाख लाइफ इंश्योरेंस, 5 लाख का एक्सीडेंट बीमा और बच्चों के लिए स्कॉलरशिप की बात कही है। साथ ही ऑटो और टैक्सी ड्राइवर्स को गाड़ी के इंश्योरेंस में सब्सिडी भी देने की बात कही गई है। यही नहीं केंद्र सरकार की कई योजनाओं का लाभ भी दिल्ली वालों तक पहुंचाने का वादा बीजेपी ने किया है। साथ ही दिल्ली सरकार के स्तर पर भी कई योजनाएं शुरू की जा सकती हैं। इसके अलावा जो योजनाएं पहले से चल रही हैं, उनमें भी सुधार किया जा सकता है। सबसे बडा वादा तो छात्रों के लिए किया गया है। दिल्ली के गरीब बच्चों के लिए केजी से लेकर पीजी तक मुफ्त शिक्षा की बात बीजेपी की ओर से कही गई है। छात्रों को कंपीटिशन की तैयारी के लिए 15000 रुपये की मदद, बी.आर. अंबेडकर स्टाइफंड योजना, पॉलीटेक्निक के छात्रों को 1000 रुपये हर महीने देने की बात भी बीजेपी ने चुनावों से पहले की है। अब जब सरकार बन गई है तो लोग इन योजनाओं को सोच कर भी रोमांचित दिखाई दे रहे हैं। सबको यही आस है कि जल्द से जल्द ये योजनाएं लागू हों ताकि दिल्लीवासियों का उद्धार हो सके।

स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी ?

प्रियंका सौरभ

कुछ लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफ़ी मांग लेते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफ़ी मांग लेना काफ़ी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? ऐसे लगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन साथ ही में जनता उनके सभी चैनलों का बहिष्कार करेगी तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। इन लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है तभी बाक़ी इस प्रकार के मानसिक दिवालिया वाले लोग सुधार पाएंगे। ऐसे सारे कार्यक्रम, ओटीटी, टीवी, आदि पर भी हैं। सब बंद होना चाहिए। ऐसा बलग़र कंटेंट्स हमारे देश की संस्कृति को ख़त्म कर देगी। ।यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए ग़लत भी। ऐसे लोग हमारा सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे है। इनको सजा होनी चाहिए ताकि आने वाले समय ऐसी नीच हरकत और सोच रखने वाले ऐसी हरकत करने से पहले 10 बार सोचना पड़े। इस सब प्रकार की घिनौनी मानसिकता को देखना और सुनना आज के समाज का भी कसूर है। इन जैसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना चाहिए। गंदी भाषा वाले बहुत सारे नाटक और फ़िल्में दिखाई जाती हैं। उन्हें भी बंद कर देना चाहिए। ओटीटी पर तो बहुत ज़्यादा अश्लीलता परोसी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निंदा की। सर्वोच्च न्यायालय ने अल्लाहबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे उनके दिमाग़ की गंदगी कहा। अल्लाहबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अल्लाहबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है।

समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफ़ी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं हो जाएगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि 'मजाक' के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातों-रात नहीं बिखर जाता-इसकी शुरुआत असहनीय को सहन करने, घृणित को सिर्फ हास्य के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को ख़त्म करने से होती है। कानूनी कार्यवाही का मतलब सिर्फ़ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल क़ायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें।

रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना जरूरी था

अशोक भाटिया

दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर हो रहे राजनीतिक शोर-शराबे पर अब पूर्णविराम लग गया जब भाजपा की रेखा गुप्ता ने दल्लिी का मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करली । चुनाव नतीजों के बाद से ही रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाये जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसपर अब मुहर लग गई है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आखिर रेखा गुप्ता के सीवी में ऐसा क्या था कि भाजपा ने पहली बार की विधायक पर भरोसा जताया है। भारतीय जनता पार्टी इससे पहले भी कई राज्यों में मुख्यमंत्री के तौर पर नये चेहरे को लॉन्च कर चौंकाती रही है। जिसका उदाहरण, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा है। भाजपा जिस भी नेता को मुख्यमंत्री बनाती है, ये जरूर देखती है कि उन पर करप्शन का दाग नहीं हो। दिल्ली में मुख्यमंत्री का चुनाव करते हुए भी इस बात का ध्यान रखा गया है। भाजपा उन नेताओं को आगे कर रही है, जिनमें पद का लालच न हो और जो जनता के बीच रहकर काम कर सकें। इससे नीचे के कार्यकर्ताओं में सकारात्मक संदेश जाता है। अक्सर यह देखा गया है कि जिन नेताओं का आरएसएस और संगठन पर पकड़ रहता है, उन्हें भाजपा में जरूर मौका मिलता है। रेखा गुप्ता भी आरएसएस की सक्रिय सदस्य रह चुकी हैं। वह कॉलेज टाइम से आरएसएस से जुड़ी हुई हैं, जिस वजह से वह भाजपा की पहली पसंद बनकर उभरीं। भाजपा की 21 राज्यों में सरकार है, लेकिन कहीं भी महिला मुख्यमंत्री नहीं है। नये मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही रेखा गुप्ता वर्तमान में भाजपा की पहली महिला मुख्यमंत्री बन जाएंगी। शालीमार बाग सीट परप्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी रेखा गुप्ता के लिए प्रचार किया था। इसी से संकेत मिल रहे हैं कि RSS चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद के लिए रेखा गुप्ता को चुन चुका था। बताया जाता है भाजपा की ओर से रेखा गुप्ता के नाम पर मुहर लगने के पीछे एक वजह ये भी है कि वह वैश्य समाज से आती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इसी समुदाय से आते हैं। यह समुदाय भाजपा का कोर वोटर माना जाता है और प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी कई भाषणों इसका जिक्र कर चुके हैं। रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा अब महिला मुख्यमंत्रियों की विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली ने कई महिला मुख्यमंत्री देखी हैं, जिनमें कांग्रेस की शीला दीक्षित का 15 साल का शासन भी शामिल है। दिल्ली में आप की आतिशी और भाजपा की सुषमा स्वराज भी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। कालकाजी से विधायक आतिशी भी पांच महीने तक कुर्सी पर रहीं। सितंबर 2024 में केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी। वैसे मुख्यमंत्री पद की रेस में अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा से लेकर दिल्ली के अनुभवी नेता विजेंद्र गुप्ता जैसे कई दिग्गजों के नाम चल रहे थे। बावजूद इसके पार्टी ने रेखा गुप्ता पर दांव लगाया है। भाजपा 13 राज्यों में सत्ता में है लेकिन अब तक पार्टी की कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। हालांकि पहले भाजपा की ओर से कई राज्यों में महिला मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। बताया जाता है कि रेखा गुप्ता को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनाने का फैसला भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का एक मास्टरस्ट्रोक है। इसके अनेक आयाम हैं। यह एक तीर के कई निशाने की तरह हैं। भाजपा की पॉलिटिक्स केवल दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को चौतरफा घेरने तक सीमित नहीं है बल्कि आने वाले समय में इस फैसले का असर बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल चुनाव तक पड़ने वाला भी माना जा रहा है। 27 साल बाद भाजपा दिल्ली में सत्ता में लौटी है तो पार्टी ने बड़ी बिसात बिछाई है। भाजपा अपने उस मिशन को पूरा करना चाहती है, जिसे उनसे सन् 1998 में अधूरा छोड़ा था। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे कई वजहें हैं। मुख्यतौर पर पहली वजह महिला कार्ड है। एक महिला मुख्यमंत्री की सत्ता से विदाई के बीच भाजपा ने एक अन्य महिला को ही दिल्ली संभालने का मौका दिया है। दिल्ली के चुनाव में महिला वोटर्स को लेकर भाजपा और आप में काफी होड़ दिखी थी। भाजपा ने रखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर अरविंद केजरीवाल को भी राजनीतिक रूप से बड़ा जवाब दिया है, जिन्होंने चुनाव में जीत मिलने पर आतिशी को हटाकर खुद मुख्यमंत्री बनने का ऐलान किया था। रेखा गुप्ता दिल्ली की 8वीं मुख्यमंत्री हैं। अंतरिम सरकार के दो मुख्यमंत्री को जोड़ लें तो वह 10वीं मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली में इससे पहले आतिशी, अरविंद केजरीवाल, शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज, साहिब सिंह वर्मा, मदनलाल खुराना, गुरमुख निहाल सिंह और ब्रह्म प्रकाश को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। आखिरी बार जब सन् 1998 में दिल्ली में भाजपा की सरकार थी, तब भी यहां सुषमा स्वराज के तौर पर महिला मुख्यमंत्री थीं। अब पार्टी ने लंबे वनवास के बाद एक बार फिर से दिल्ली की कमान महिला को सौंपा है तो इसका संकेत साफ है। भाजपा को साल 1993 से 1998 तक पांच साल के दौरान ही तीन मुख्यमंत्री बनाने पड़े थे। पहले मदनलाल खुराना और साहिब सिंह वर्मा के बाद भाजपा ने दिल्ली की सत्ता सुषमा स्वराज को सौंपी। तब भाजपा का दिल्ली में मिशन अधूरा रह गया था। बार बार मुख्यमंत्री बदलने पर भाजपा को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था।अब 27 साल बाद भाजपा को दिल्ली में सरकार बनाने का मौका मिला है। दरअसल भाजपा की जीत होती है तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इसे 'आप' की ओर से बड़ा मुद्दा बनाया गया था। अरविंद केजरीवाल ने बार-बार भाजपा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के नाम की घोषणा करने की चुनौती दी थी। 'आप' ने इसे अपने कैंपेन का हिस्सा बनाते हुए पूछना शुरू कर दिया कि 'भाजपा का दूल्हा' कौन है? पार्टी ने एक अनोखा तरीका अपनाते हुए दिल्ली में कई जगह बैंड-बाजे के साथ खाली घोड़ा भी घुमाया। भाजपा ने बार-बार एक ही जवाब दिया कि सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा और मुख्यमंत्री पद की घोषणा चुनाव बाद विधायक दल की बैठक में होगी।बैठक भी हो गई और दूल्हा भी चुना गया और दूल्हा घोड़े पर भी बैठ गया । अब खिसयानी बिल्ली खंबा नोचे वाली स्थिति हो गई हैं । पूर्व मुख्यमंत्री आतशी आगे बढ़ कर दुल्हे का स्वागत कर रही है । अब 2025 में इतिहास एक बार फिर से खुद को दोहराता दिख रहा है। सत्ता का हस्तांतरण आम आदमी पार्टी की पूर्व महिला मुख्यमंत्री आतिशी से भाजपा की रेखा गुप्ता के पास हो रहा है। दिल्ली में एक महिला की सत्ता को दूसरी महिला के हाथों सौंपे जाने की ये कहानी वाकई संयोग से कम नहीं। इस प्रकार रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने दिल्ली ही नहीं बल्कि बिहार और पश्चिम बंगाल तक निशाना साधा है। दिल्ली में करीब 7 फीसदी वैश्य वोट है। रेखा गुप्ता वैश्य समुदाय से आती हैं। दिल्ली में बनिया होने के नाते भी अरविंद केजरीवाल के प्रति वैश्य वोट का झुकाव रहा है। अब रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने से तस्वीर बदल सकती है। इसके अलावा एक खास संयोग यह भी देखें कि बनिया समुदाय से आने वाली रेखा गुप्ता का संबंध भी हरियाणा से है तो उन्हीं के समाज से आने वाले अरविंद केजरीवाल भी हरियाणा से ताल्लुक रखते हैं। यानी किसी भी मोर्चे पर भाजपा ने मैदान को खाली नहीं छोड़ा है। आम आदमी पार्टी फिलहाल इस राजनीति में बहुत पीछे रह गई है। भाजपा सभी मोर्चे पर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को उन्हीं की भाषा और रणनीति में घेरने और शिकस्त देने की कोशिश कर रही है। आपको बता दें कि रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार भाजपा की विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी की नेता वंदना कुमारी को शिकस्त दी थीं। दिल्ली में भाजपा के साथ लंबे समय से जुड़ी रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की सक्रिय छात्र राजनीति का हिस्सा रही हैं। एबीवीपी की सचिव रह चुकी हैं। इसके अलावा पार्षद रहीं और पार्टी के महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष भी। यानी दिल्ली की वास्तविक जरूरतों को रेखा गुप्ता भी बिजेंद्र गुप्ता और डॉ। हर्षवर्धन जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं की तरह भली-भांति जानती और समझती हैं। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर उतर जमीनी लड़ाइयां लड़ी हैं। ऐसे में उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाने से पार्टी को जो कई लाभ मिलेंगे, उनमें सबसे पहला तो यही होगा कि राजधानी में भाजपा का जनाधार पहले से और भी मजबूत होगा।

भागलपुर से मिशन बिहार का होगा चुनावी शंखनाद

कुमार कृष्णन

आगामी 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के भागलपुर आ रहे हैं । भागलपुर की धरती से प्रधानमंत्री तीन लाख किसानों को सम्मान निधि का वितरण करेंगे। इस दौरान किसान सभा का आयोजन हवाई अड्डा मैदान में होना है। माना यह जा रहा है कि यहीं से मोदी बिहार विधानसभा के चुनाव के लेकर हुंकार भरेंगे। करीब पांच लाख लोगों के जुटने का दावा भाजपा की ओर से किया जा रहा है। 13 जिलों के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इसे लेकर जिम्मेवारी सौंपी गयी है। एनडीए के कई मंत्री व दिग्गज नेताओं को टास्क सौंपा गया है।बिहार के भागलपुर में 11 जिलों के 937 पार्टी पदाधिकारी आए।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समेत कई कद्दावर नेताओं की बैठक में आगे की रणनीति पर विचार किया। दिल्ली में भाजपा की जीत के बाद प्रधानमंत्री का दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20,000 करोड़ की राशि किसानों के खातों में हस्तांतरण का श्री गणेश करेंगे। बिहार में 3,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे जिसमें अररिया में 9 किलोमीटर ब्रॉड गेज लाइन भी शामिल है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का कहना है कि,"प्रधानमंत्री मोदी की यह रैली ऐतिहासिक होगी। यह न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे देश के किसानों के लिए बड़ी सौगात लेकर आ रही है। रेलवे परियोजनाओं से राज्य के विकास को नई गति मिलेगी।" भागलपुर दौरे को बिहार में एनडीए के चुनाव अभियान की अनौपचारिक शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। बीजेपी-जेडीयू-एलजेपी गठबंधन का लक्ष्य मोदी सरकार की उपलब्धियों और बिहार में विकास कार्यों को उजागर करके एक और कार्यकाल सुरक्षित करना है । राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का कहना है कि सम्राट चौधरी ने कहा कि यह पूरा इलाका किसानी पर ही निर्भर है। पीएम इससे पहले दरभंगा जा चुके थे। ये पूरा इलाका छूटा हुआ था इसलिए यहां कार्यक्रम कराया जा रहा है। बिहार के भागलपुर में नालंदा की तरह विक्रमशिला महाविहार बौद्ध शिक्षण का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र रहा है। आठवीं शताब्दी के आरंभ में पालवंशीय राजा धर्मपाल द्वारा स्थापित इस महाविहार ने अनेक ऐसे विद्वानों को पैदा किया जिन्हें बौद्ध ज्ञान,संस्कृति तथा धर्म के प्रचार के लिए विदेशों में भी आमंत्रित किया गया। कभी महाविहार की बड़ी—बड़ीअट्टालिकाएं,गगनचुंबी स्तूप,अनेक मंदिरों की घंटियों तथा भिक्षुओं की शंखनाद और विद्यार्थियों की 'बुद्धम शरणम् गच्छामि' की स्त्रोत ध्वनि देश विदेश से आनेवाले विद्वानों और यात्रियों के आकर्षण था। इतिहास में एक समय ऐसा आया जब यह प्राचीन विक्रमशिला बौद्ध महाविहार काल के गर्त में समा गया। विद्वानों के लिए यह खोज का विषय रहा कि विक्रमशिला कहां है? पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग की ओर से डॉ बी.पी सिन्हा के नेतृत्व में भागलपुर के कहलगांव अनुमंडल स्थित अंतीचक टीले 1960—61 में खुदाई की गयी। फिर भारत सरकार के पुरातत्व विभाग द्वारा 1971 से 1982 के बीच डॉ बी.एस.वर्मा के नेतृत्व में उत्खनन का काम चला। इसके फलस्वरूप तमाम विरोधाभासों का नकारते हुए यह तथ्य सामाने यही विक्रमशिला महाविहार था। खुदाई के लिए 125 एकड़ भूमि संरक्षित तो गयी लेकिन इसकी पूरी खुदाई नहीं हो सकी है। सरकारी उपेक्षा का दंश झेल रहे विक्रमशिला महाविहार के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली अतीत के पुर्नजीवित करने के लिए पूर्व चुनावी माहौल में प्रधानमंत्री द्वारा विक्रमशिला केन्दीय विश्वविद्यालय स्थापना की न सिर्फ घोषणा की गयी थी, वरन् इसपर त्वरित कार्यवाई करते हुए स्वीकृति-पत्र भी जारी की गयी थी और भूमि-अधिग्रहण सरीखे प्रारंभिक कार्यों के बावत करोड़ों के आबंटन भी मुहैय्या कराये गये थे।भूमि का पेंच अभी तक उलझा हुआ है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय बौद्ध जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखने तथा गौतम बुद्ध द्वारा विक्रमशिला के निकट बुद्धासन के परिदर्शन के बावजूद विक्रमशिला को अभी तक बौद्ध सर्किट में शामिल नहीं किया गया है जबकि भगवान बुद्ध द्वारा प्रदर्शित अन्य स्थान बौद्ध सर्किट में शामिल हैं। विडम्बना तो है कि भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा संसद मे सितम्बर 2012 में विक्रमशिला को बौद्ध सर्किट में घोषणा की गयी थी। अपने समय में नालंदा से भी अधिक अहमियत रखनेवाली एवं विरल पुरातत्वविक महत्व की सामग्री सहेजे रखने के बाद भी विक्रमशिला को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने की दिशा में भी पहल नहीं की गयी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा अस्सी के दशक में पुराविद् डॉ बी.एस.वर्मा के नेतृत्व में खुदाई के बाद विक्रमशिला की पहचान बनी किंतु उस समय मुख्य स्तूप की ही खुदाई हो पायी और आसपास के महत्वपूर्ण स्थल छूट गए जिसके उत्खनन की दिशा में अब तक कोई पहल नहीं की गयी है। यहां दफन हैं कई राज। दरअसल में इस महत्वपूर्ण स्थल को सरकार ने पूरी तरह से हाशिये पर रखा है। पर्यटन के मानचित्र पर भी उपेक्षित है। पुरातत्व तथा पर्यटन संबधी बिहार सरकार के किसी भी प्रकाशन तथा प्रचार सामग्री में विक्रमशिला की चर्चा नहीं है। विक्रमशिला परिदर्शन को आनेवाले पर्यटकों तथा बौद्ध धर्मावलंवियों के लिए सड़क, पेयजल, शौचालय, विश्रामागृह, वायुसेवा जैसी सुविधाए नगण्य हैं विक्रमशिला महोत्सव होता है तो सिर्फ खानापुरी।विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय निर्माण समिति का कहना है कि प्रधानमंत्री विक्रमशिला खुदाई स्थल का दौरा करें ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रचार हो सके। समिति को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन से विक्रमशिला का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। पूर्व उप जनसम्पर्क निदेशक शिव शंकर सिंह पारिजात के अनुसार विक्रमशिला के अनुसार 80 के दशक में एएसआई के तत्वावधान में पुराविद् डॉ बीएस वर्मा द्वारा खुदाई के बाद विक्रमशिला के अवशेषों के वजूद.में आने के बाद सम्यक रूप से शोध-अध्ययन नहीं हुए हैं जिसकी नितांत आवश्यकता है। भागलपुर पहुंचे राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, भागलपुर में बनने वाले ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट को बजट सत्र के दौरान ही वित्त मंत्री ने घोषित कर दिया है। भागलपुर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट हम बनाएंगे। वहीं, प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के दौरान विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे के सवाल पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उसके लिए पहले भारत सरकार कानून बनाकर सांसद में बिल लाएगी। इसके बाद ही शिलान्यास होगा। उपमुख्यमंत्री के इस बयान के सामने आने के बाद प्रदेश के लोगों की उम्मीदें फिलहाल बिखर गई। आगामी बिहार विधान सभा में जीत की नीव डालने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भागलपुर आ तो रहे हैं, पर उसके निशाने पर बिहार के एक ऐसा बड़ा वर्ग है, जो भाजपा की तकदीर बदल सकता है। नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नीतीश कुमार डिमांड की पोटली खोलेंगे और संभवत यह नरेंद्र मोदी घोषणा भी करेंगे। और ये सारी वो योजना होगी जो बिहार के लिए घोषित उन योजनाओं से इतर होगा जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट के दौरान हो चुकी होगी।

सरकार ने मातृभाषा को मजबूती दी है

डॉ. संतोष पटेल

भारत भाषाओं का देश है।भाषाओं से ही राष्ट्रीय चेतना का निर्माण होता है, इसलिए राष्ट्र और भाषा दोनों का विकास जरूरी है। जैसा कि दुनिया में अनेक भाषाएं विलुप्ति के कगार पर हैं इनको बचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का फैसला किया। यों तो यह तारीख बांग्ला देश के भाषाई आंदोलन के कारण वहां शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि बांग्लादेश बनने से पहले यह क्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान कहलाता था परंतु यहां के लोगों ने बांग्ला भाषा और संस्कृति पर पाकिस्तान द्वारा दूसरी भाषा थोपने का मुखर विरोध किया। इस दिन ढाका विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों ने अपनी प्राण की आहुति दी थी। भाषा के प्रति अनुपम प्रेम और अदभुत अनुराग को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस दिन को अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया जो पूरी दुनिया में मनाई जा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में भाषाओं के ऊपर मंडराते संकट की पहचान की सरकार ने की है और मौजूदा सरकार ने नई शिक्षा नीति,2020 में भाषा संबंधी अनेक प्रावधानों की संस्तुति की है जिसके माध्यम से भारत में कुछ मातृभाषाएं जो विलुप्ति की कगार पर थीं, उन्हें नवजीवन मिला है। प्राथमिक स्तर से मातृभाषाओं में पढ़ाई का प्रावधान एक क्रांतिकारी कदम है जिससे बच्चों में अपनी मातृभाषा से लगाव बढ़ेगा, संस्कृति के प्रति प्रेम विकसित होगा साथ ही पहचान के प्रति चेतना का विकास होगा और इस तरह पहचान के संकट के समस्या का अंत होगा।

जैसा कि शुरुआत में संविधान की आठवीं अनुसूची में 14 भाषाओं को शामिल किया गया था परंतु धीरे धीरे अब 22 भारतीय भाषाओं को सम्मिलित किया चुका है लेकिन इसके इतर सरकार ने शास्त्रीय भाषाओं की एक और श्रेणी वर्ष 2004 में तैयार किया तब से 2013 तक छः भाषाओं यथा तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया को उसमें स्थान दिया गया परन्तु वर्ष 2024 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने एकमुश्त पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा श्रेणी में स्थान प्रदान किया है जिसमें पाली, प्राकृत, मराठी, असमिया और बांग्ला भाषाएं हैं। पिछली सरकार की गलतियों को सरकार ने ना केवल दुरुस्त किया बल्कि पाली और प्राकृत जैसी प्राचीन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा के श्रेणी में रखकर दुनिया के अनेक देशों से प्रशंसा हासिल की है क्योंकि शास्त्रीय भाषाओं के मापदंड में भाषाओं का 1500 से 2000 वर्ष की प्राचीनता होनी चाहिए उसमें ये दोनों भाषाएं खरी उतरती है। ध्यातव्य हो कि भगवान बुद्ध की देशना या भगवान महावीर की शिक्षाएं क्रमशः पाली और प्राकृत में हैं जिसका साक्ष्य हमारे पास अशोक स्तम्भ, स्तूप, भित्ति लेखन या शिलालेख में देखा जा सकता है। इधर इसी महीने संसद में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने घोषणा किया है कि कई भाषाओं में अनुवाद सेवाओं के विस्तार की घोषणा की जिनमें बोडो,डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, उर्दू और संस्कृत शामिल है। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि आगे सोलह और भाषाओं में एक साथ अनुवाद उपलब्ध कराने पर काम चल रहा है। विदित हो कि अब तक अंग्रेजी और हिंदी के अलावा दस भाषाओं, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में अनुवाद सेवाएं उपलब्ध थी।अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस को सार्थकता देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने विधानसभा की कार्यवाही हिंदी अंग्रेजी के साथ अवधी, बज्र, भोजपुरी और बुंदेली में सुनी जा सकती है। देश में यह ऐसा पहला प्रयोग है इससे जनप्रतिनिधियों को न केवल अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिलेगी बल्कि आम नागरिक भी विधानसभा की कार्यवाही अपनी भाषा में सुन सकेगा।उत्तर प्रदेश की सरकार ने इन मातृभाषाओं के भाषाई साहित्य अकादमी को यथाशीघ्र संचालित करने का आश्वासन दिया है इसमें संत तुलसी दास अवधी अकादमी, संत कबीरदास भोजपुरी अकादमी और सूरदास के नाम पर ब्रजभाषा अकादमी स्थापित होने की बात कही गई है। यानी 14 फरवरी के दो दिन पहले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिया निर्णय मातृभाषाओं के प्रति उनकी गंभीरता का परिचायक है। मौजूदा भारत सरकार ने कुछ भाषाओं को शास्त्रीय श्रेणी में रखकर, कुछ भाषाओं के अनुवाद को विस्तार दे कर और उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने भारत में भाषाओं के प्रति संजीदगी दिखलाई है। भाषाओं पर मंडरा रहे संकट के बादल को टालने का स्तुत्य प्रयास किया है और उम्मीद किया जा सकता है भविष्य में भारत सरकार आठवीं अनुसूची में भी कुछ भाषाओं यथा भोजपुरी जैसी बड़ी भाषा को स्थान देगी।

दादाजी का आखिरी सम्मान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बुढ़ापा तो अपने आप में एक महागाथा है, और हमारे यहाँ इसे पवित्रता का दर्जा दिया गया है। लेकिन ये पवित्रता असल में एक ऐसा ताज है जो काँटों से भरा है। हमारे किस्से के नायक, 82 साल के जगन्नाथ शर्मा, इसी पवित्रता की चक्की में पिस रहे थे। कानपुर के अपने छोटे से फ्लैट में, जहाँ तीन पीढ़ियाँ रहती थीं, दादाजी का होना सिर्फ तभी याद आता था जब चाय पीने के लिए किसी को पुराने अखबार चाहिए होते थे। जगन्नाथ शर्मा का ज्यादातर समय उनकी लकड़ी की पुरानी कुर्सी पर कटता था, जो उनके साम्राज्य का इकलौता सिंहासन था। उनकी पोती रिया अक्सर कहती थी, दादाजी किसी पुराने मंदिर जैसे हैं—देखने में अच्छे, लेकिन दूर से ही सही। और उनका पोता केशव, जो अपने महंगे स्मार्टफोन से शायद ही कभी नजरें हटाता था, अक्सर तंज कसता, बुजुर्गों का असली सुख तो उनका अकेलापन है। उनसे बात करो तो वो भी अपने अनुभवों से रुला देंगे! जगन्नाथ जी के बेटे, प्रकाश, एकदम आदर्श बेटे होने का दिखावा करने में माहिर थे। वे अक्सर अपने दोस्तों से कहते, "हमारे संस्कार हमें सिखाते हैं कि बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए।" और उसी संस्कार के तहत वे अपने पिताजी को बचा-खुचा खाना और ढेर सारी अनदेखी परोस देते। "पापा, आपकी पीढ़ी में सादगी थी। अब इस जमाने में वक्त कहां मिलता है?" अब ये सुनहरा दिन आया, जब परिवार ने बुजुर्ग सम्मान दिवस मनाने का फैसला किया। ये कोई त्योहार नहीं था, बस एक फोटो-अपॉर्चुनिटी थी। सबने मिलकर तय किया कि दादाजी की फोटो खींचकर इंस्टाग्राम पर डालनी है। केशव ने पोस्ट में लिखा, "ग्रेटेस्ट ऑफ़ ऑलटाइम। हमारे दादाजी, भारतीय संस्कृति का सच्चा नमूना।" दादाजी उस वक्त रसोई में रखी बासी चाय देख रहे थे, जो सुबह से ठंडी हो चुकी थी। दोपहर में पड़ोसी भी पहुंच गए।

"जगन्नाथ जी तो हमारे मोहल्ले के सम्मान हैं," श्रीमती गुप्ता ने कहा, जिनकी शिकायत हमेशा रहती थी कि दादाजी पार्क में ज्यादा वक्त बिताते हैं। मिठाई का डिब्बा उनके साथ था, जो शायद दादाजी के मधुमेह के लिए किसी सजा से कम नहीं था।

"बुजुर्ग तो घर के खजाने होते हैं," उन्होंने कहा, लेकिन उनकी आवाज में वो खनक थी जो सोने की गिन्नियों में होती है—खाली दिखावा। शाम को जब केक काटने की बारी आई, तो ये भी एक व्यंग्य से कम नहीं था। केक को वॉकर के आकार में बनाया गया था। "दादाजी, इसे काटिए! ये तो आपके जैसा है," रिया ने हंसते हुए कहा। जगन्नाथ जी ने पूरी ताकत जुटाई और उठ खड़े हुए।

जानकी जयंती ? पूजा विधि और महत्व

जानकी जयंती जिसे सीता अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में देवी सीता को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि देवी सीता फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को धरती पर प्रकट हुई थीं।

हिंदू धर्म में माता सीता को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फाल्गुन माह में आने वाली कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन माता सीता धरती पर प्रकट हुई थीं। यही कारण है कि इस दिन को जानकी जयंती के रूप में मनाया जाता है। सीता जी राजा जनक की पुत्री थीं, इसलिए उनका एक नाम जानकी भी है, यही वजह है कि जानकी जयंती को सीता अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

जानकी जयंती, जिसे सीता अष्टमी भी कहा जाता है, देवी सीता के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। हिंदू धर्म में माता सीता को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इस दिन माता सीता की पूजा करके मां लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है। इस दिन लोग पूरे दिन व्रत भी रखते हैं। साथ ही माता सीता और प्रभु श्रीराम की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन माता सीता की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। खासकर विवाहित महिलाओं के लिए यह व्रत बहुत महत्व रखता है, क्योंकि माना जाता है कि इस दिन पूजा करने से उनका वैवाहिक जीवन खुशहाली आती है। आइए जानते हैं साल 2025 में जानकी जयंती का व्रत कब रखा जाएगा।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस वर्ष, 2025 में, यह पर्व शुक्रवार, 21 फरवरी को मनाया जाएगा। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का प्रारंभ गुरुवार, 20 फरवरी 2025 को सुबह 9 बजकर 58 मिनट शुरू हो चुकी है, और इसका समापन शुक्रवार, 21 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजकर 57 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, इस बार जानकी जयंती 21 फरवरी को मनाई जाएगी।

जानकी जयंती पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लें। फिर आप मंदिर या फिर पूजाघर में ही जानकी जयंती की पूजा कर सकते हैं। माता सीता और भगवान राम की मूर्ति स्थापित करें। फिर चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। पूजा में रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। जानकी जयंती की व्रत कथा का पाठ करें और फिर माता सीता के मंत्रों का जाप करें। सबसे आखिर में आरती करें और प्रसाद वितरण करें।

जानकी जयंती का महत्व

माता सीता को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इसलिए, जानकी जयंती के दिन उनकी पूजा करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि इस दिन माता सीता की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। खासकर महिलाओं के लिए यह दिन बहुत महत्व रखता है, क्योंकि माना जाता है कि इस दिन पूजा करने से उनका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है। यह दिन माता सीता के गुणों जैसे कि त्याग, समर्पण, साहस और पतिव्रता को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने का दिन माना जाता है।

मुकेश ऋषि

शिवलिंग की पूजा सबसे पहले किसने की थी?

महाशिवरात्रि का त्योहार साल 2025 में 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन को भगवान शिव की पूजा के लिए बेहद शुभ माना जाता है। शिव पूजन के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ मानने के पीछे कई कारण भी हैं। इनमें से एक कारण तो यह है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इसके अलावा दो ऐसी घटनाएं भी इस दिन घटी थीं जिनके चलते महाशिवरात्रि के दिन को भोलेनाथ की कृपा के लिए अहम माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन शिवलिंग की उत्पत्ति भी हुई थी। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि शिवलिंग का पूजन सबसे पहले किसने किया था और महाशिवरात्रि से इसका क्या संबंध है।

शिवलिंग पूजा का महाशिवरात्रि से संबंध

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन ही शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी। इस दिन भगवान शिव के शिवलिंग स्वरूप की भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी ने सबसे पहले पूजा अर्चना की थी। इसलिए महाशिवरात्रि के पर्व के दौरान आज भी शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा होती है, और शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया जाता है।

महाशिवरात्रि मनाने का यह भी है कारण

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार जब देवताओं और असुरों के द्वारा समुद्र मंथन किया जा रहा था तो सबसे पहले समुद्र से विष की उत्पत्ति हुई। इस विष के चलते सारी सृष्टि में हाहाकार मच गया। इसके बाद सृष्टि की रक्षा करने के लिए भगवान शिव आगे आए और उन्होंने विष पान किया। माना जाता है कि फाल्गुन माह की चतुर्दशी तिथि के दिन ही शिव जी ने विष का पान किया था और उसी दिन इन्हें नीलकंठ नाम मिला था, क्योंकि विष पीने के कारण उनका कंठ नीला पड़ गया था। इसके बाद विष असर को कम करने के लिए देवी-देवताओं और असुरों ने शिव जी पर जल, भांग, धतूरा, बेलपत्र आदि चीजें अर्पित की थीं। इसलिए भी महाशिवरात्रि के दिन शिव पूजन करना शुभ माना जाता है, क्योंकि इसी दिन भगवान शिव ने जगत की रक्षा की थी।

शिव पार्वती का विवाह

महाशिवरात्रि मनाने के पीछे का एक कारण शिव-पार्वती का विवाह भी है। इसके बारे में ज्याादातर सभी लोग अवगत हैं। माना जाता है कि इसी दिन शिव जी ने माता पार्वती को अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था और शिव-शक्ति एक हुए थे।

बुध 22 फरवरी को बदलेंगे नक्षत्र

महीने का आखिरी हफ्ता इन 4 राशियों के लिए रहेगा बेहद शुभ

बुध ग्रह 22 फरवरी को गुरु ग्रह के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद में गोचर कर जाएंगे। बुध को बुद्धि, ज्ञान, करियर आदि का कारक ग्रह माना जाता है, इसलिए इनका चाल बदलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। गुरु के नक्षत्र में बुध के प्रवेश के बाद कुछ राशियों के जीवन में शुभ परिवर्तन देखने को मिलेंगे। इन राशियों को फरवरी महीने के अंतिम दिनों में करियर से लेकर पारिवारिक जीवन तक हर क्षेत्र में शुभ परिणाम मिल सकते हैं। ये राशियां कौन-कौन सी हैं आइए जानते हैं।

मेष राशि

बुध का नक्षत्र परिवर्तन करना आपके लिए शुभ साबित होगा। कारोबारियों के हाथ इस दौरान बड़ी डील लग सकती है, नौकरी पेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलने के आसार हैं। पारिवारिक जीवन में बड़े भाई-बहनों का सहयोग आप पाएंगे। जीवन में आ रही कई परेशानियों का अंत इस दौरान हो सकता है। विदेशी कारोबार या विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, तो कम प्रयास में भी आप आशातीत परिणाम इस दौरान पा सकते हैं।

मिथुन राशि

बुध आपकी ही राशि के स्वामी हैं, इसलिए नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद ये आपको शुभ परिणाम देंगे। किस्मत आपका साथ देगी और अटके हुए कार्य भी इस दौरान पूरे होंगे। धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने का मौका आपको मिलेगा और इससे मानसिक शांति आप प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों को गुरुजनों के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र में आ रही परेशानियों का हल मिलेगा। दांपत्य जीवन में भी शुभ परिणाम आपको देखने को मिल सकते हैं।

सिंह राशि

इस राशि वालों को सामाजिक स्तर पर बेहद अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अगर पब्लिक डीलिंग करते हैं या राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आपकी बातों के जादू से लोग प्रभावित होंगे। पिता का सहयोग भी इस राशि के जातकों को प्राप्त होगा। फरवरी के आखिरी सप्ताह में कोई बड़ी खुशखबरी इस राशि के जातकों को मिल सकती है। अगर आप प्रतियोगी परीक्षा दे चुके हैं और इस दौरान रिजल्ट आने वाला है, तो वो आपके पक्ष में होगा।

कुंभ राशि

इस राशि के जातकों के लिए बुध का राशि परिवर्तन करना करियर के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आएगा। अगर करियर से जुड़ी किसी समस्या से जूझ रहे थे तो उससे आपको आसानी से हल मिल पाएगा। मानसिक रूप से आप सशक्त नजर आएंगे और सही समय पर सही फैसले ले पाएंगे। घर-परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिलेगी। विवाहित लोगों के लिए भी समय अनुकूल साबित होगा।

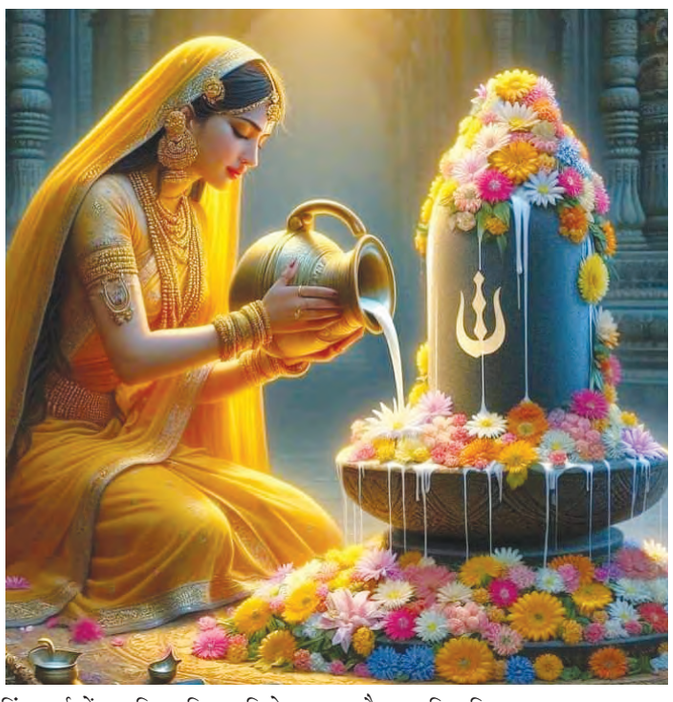

महाशिवरात्रि के दिन कुंवारी कन्याएं करें महादेव की पूजा, मिलेगा मनचाहा जीवनसाथी

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह दिन शिव और शक्ति के मिलन को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन महादेव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन देश के अलग-अलग जगहों पर भव्य शिव बारात निकाली जाती है। वहीं शिव मंदिरों में भी खास पूजा-अर्चना की जाती है। महाशिवरात्रि का व्रत करने से जातकों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। तो आइए अब जानते हैं कि कुंवारी कन्याओं के महाशिवरात्रि की पूजा किसी विधि के साथ करनी चाहिए।

महाशिवरात्रि का व्रत करने से मिलता है मनचाहा जीवनसाथी

भगवान भोले भंडारी अत्यंत दयालु माने जाते हैं वो अपने भक्तों की सभी इच्छा को पूरी करते हैं। हर युवती चाहती हैं कि उसे भगवान शिव जैसा पति मिले। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन जो भी कुंवारी कन्याएं व्रत कर शिव-पार्वती की विधिपूर्वक पूजा करती हैं उसे मनचाहा जीवनसाथी की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही उसे सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है। वहीं जिनके विवाह में बाधाएं आ रही हैं वे भी महाशिवरात्रि का व्रत और पूजा अवश्य करें। ऐसा करने से उस जातक का शीघ्र विवाह का योग बनेगा। बता दें कि इस साल महाशिवरात्रि का त्यौहार 26 फरवरी 2025 को मनाया जाएगा।

महाशिवरात्रि पूजा विधि

महाशिवरात्रि के दिन प्रातःकाल स्नान कर साफ-सुथरा कपड़ा पहन लें। इस दिन काला और ग्रे रंग का कपड़ा न पहनें।

इसके बाद मंदिर या पूजा घर को साफ कर गंगाजल छिड़कर शुद्ध कर लें।

अब शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, शहद और शुद्ध जल से अभिषेक करें।

साथ ही शिवलिंग पर फूल, बेलपत्र और धतूरा अर्पित करें। शिवलिंग के पास धूप-दीप जलाएं।

महादेव को मिश्री, खीर, मिठाई और बेर का भोग लगाएं।

माता पार्वती की सुहाग की सामग्री अर्पित करें।

शिव चालीसा का पाठ करें और भगवान शिव के मंत्रों का भी जाप करें।

महाशिवरात्रि के व्रत का पारण दूसरे दिन सूर्योदय के बाद करें और इस दिन नमक, अन्न का सेवन न करें।

इस मूलांक वाले लोग कहलाते हैं कुबेर के प्रिय

अंक ज्योतिष शास्त्र में कहा गया है कि मनुष्य योनी में जन्मे हर इंसान का कोई न कोई मूलांक जरूर होता है। हर मूलांक का खास महत्व भी माना गया है। अंक ज्योतिष शास्त्र में कुल 1 से लेकर 9 तक मूलांक माने गए हैं और हर एक मूलांक का खास महत्व भी माना गया है। हर मूलांक का संबंध किसी न किसी देवी-देवता से भी माना गया है। ऐसे में आज हम एक ऐसे मूलांक के बारे में बताने जा रहे हैं जिन पर कुबेर की कृपा बरसती है और इन मूलांक वालों को कभी धन की कमी नहीं रहती।

कौन है ये मूलांक?

अंक ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक ये मूलांक है 7, इन मूलांक वाले लोगों पर कुबेर अपनी कृपा सदैव बनाए रखते हैं। कहा जाता है कि 7 मूलांक को कुबेर का प्रिय मूलांक कहा जाता है। अगर किसी का जन्म 7,16 या 25 तारीख को हुआ हो तो उनका मूलांक 7 होता है। इन मूलांक वालों के जातकों पर धन के देवता कुबेर सदैव मेहरबान रहते हैं इसलिए इन्हें कभी पैसों की तंगी से गुजरना नहीं पड़ता।

क्या होती है खासियत?

मूलांक 7 वाले जातक काफी निडर होते हैं। यह किसी के सामने भी अपनी बात कहने से नहीं हिचकिचाते। अगर एक बार यह किसी काम को करने की ठान लें तो उसे पूरा करके ही मानते हैं। ये मूलांक वाले लोग काफी क्रिएटिव और कल्पनाशील होते हैं।

क्या होती हैं इनकी कमियां?

मनुष्यों में हर किसी के अंदर कोई न कोई कमी जरूर पाई जाती है, ठीक ऐसे ही इस मूलांक के लोगों में कुछ कमियां होती हैं, ये जातक छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाते हैं, साथ ही ये लोग काफी संवेदनशील होते हैं।

इन 5 स्थान पर रहने वाले कभी नहीं करते तरक्की, रह जाते हैं कंगाल

चाणक्य ने बताया है कि कई व्यक्ति कई कारणों से जीवन पर्यंत गरीब ही रह जाते हैं। पहला कारण है उनके कर्म, दूसरा है गलत जगह पर रहना। आचार्य चाणक्य ने नीति शास्त्र के प्रथम अध्याय के 9वें श्लोक में कहते हैं कि कुछ पांच जगहों पर रहने वाले लोग अपने जीवन में हमेशा गरीब और दुखी ही रहते हैं। ये लोग चाहकर भी तरक्की नहीं पा सकते। ये लोग लंपट-मूर्ख समान जीवन जीते हैं। इन्हें न शास्त्र का ज्ञान रहता है और न ही ये सीखने की कोशिश तक करते हैं।

किन 5 जगहों पर नहीं रहना चाहिए?

आचार्य चाणक्य के मुताबिक, जिस स्थान पर वेदों को जानने वाला कोई ब्राह्मण नहीं रहता। ऐसे जगह पर रहने वाले लोग हमेशा गरीब ही रहते हैं। अतः इस जगह तुरंत छोड़ देना चाहिए। आचार्य चाणक्य का मानना था कि ब्राह्मण धार्मिक कार्य के जरिए धर्म की रक्षा करते हैं।

धनिक यानी कारोबार- वहीं, जिस स्थान पर कारोबारी लोग नहीं रहते हैं। उस जगह के लोग भी निर्धन बनकर ही रह जाते हैं। यह स्थान भी तुरंत छोड़ देना चाहिए।

साथ ही जिस जगह प्रतापी राजा नहीं रहते हैं वहां, शासन व्यवस्था नहीं रहती है। ऐसे में अराजकता फैल जाती है। अतः यहां रहकर कोई विकास नहीं कर सकता है। अगर कर भी लेता है, तो धन हानि हो जाती है।

वहीं, जल ही जीवन है, यानी जिस जगह पर नदी नहीं है। उस स्थान पर रहना सही नहीं है। नदी के बिना जीवन बहुत कठिन है। जल जीवन और सिंचाई दोनों के लिए जरूरी है।

इसके अलावा, जिस जगह वैद्य यानी डॉक्टर नहीं है। उस जगह पर रहना सही नहीं है क्योंकि किसी भी रोग के इलाज लिए इनका होना अनिवार्य है। ऐसी जगह भी नहीं रहना चाहिए।

नई फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' पर पहले दिन से ही वन प्लस वन फ्री का एलान

जैकी ने रकुल को दिया एनिवर्सरी गिफ्ट

रकुल प्रीत सिंह, भूमि पेडनेकर और अर्जुन कपूर की आगामी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस दिन रकुल प्रीत और जैकी भगनानी की शादी की सालगिरह भी है। जैकी ने इस खास मौके पर अपनी पत्नी और अभिनेत्री को एनिवर्सरी गिफ्ट के तौर पर पहले शुक्रवार को एक टिकट पर एक फ्री देने का एलान किया है। इसकी एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। यह ऑफर केवल चुनिंदा सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में मान्य होगा।

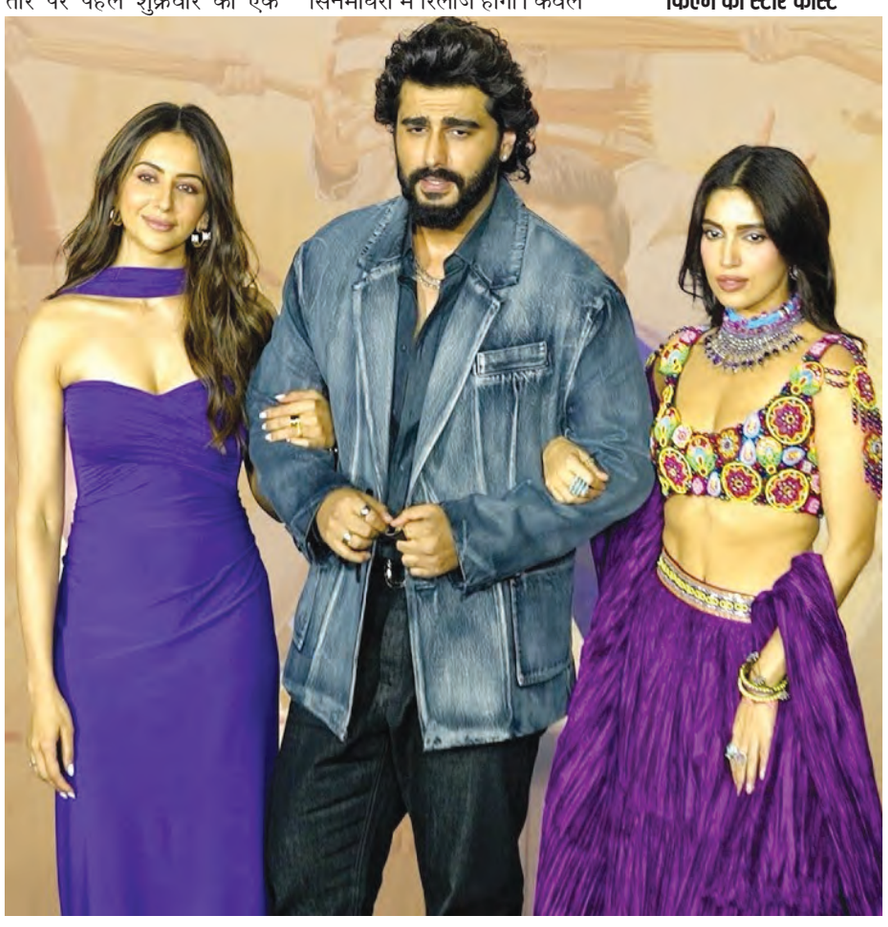

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर किया एलान

निर्माताओं ने गुरुवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट की। उन्होंने पोस्ट में फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, एक टिकट पर दो एंट्री केवल शुक्रवार को। हर चीज का मजा डबल से ही आता है, बिल्कुल हमारे अंकुर चड्ढा की तरह। 'मेरे हसबैंड की बीवी' की एडवांस बुकिंग अभी शुरू, कल 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। केवल चुनिंदा सिनेमा वेबसाइट और बुकिंग काउंटर पर।"

लव ट्रायंगल पर आधारित है फिल्म

रकुल, भूमि और अर्जुन की यह फिल्म लव ट्रायंगल पर आधारित है। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में पूरी स्टार कास्ट लगी हुई है। इस फिल्म को मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के ट्रेलर में रकुल और भूमि अर्जुन के लिए एक दूसरे के आमने-सामने नजर आईं। निर्माताओं ने ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा था, "इस सीजन के सबसे बड़े सियाप्पा के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ये लव ट्राइएंगल नहीं, फुल सर्कल है!"

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह, भूमि पेडनेकर के साथ स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल, आदित्य सील, शक्ति कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक मुदस्सर अजीज ने इससे पहले 'पति पत्नी और वो', 'खेल खेल में' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

फिल्मों के लिए सोहा ने छोड़ी थी बैंक की नौकरी : बोलीं- पेरेंट्स इसके खिलाफ थे

सोहा अली खान कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। वे बैंक में नौकरी करती थीं। हालांकि जब अमोल पालेकर ने उन्हें फिल्म पहेली ऑफर की तो उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ दी थी। लेकिन बाद में न तो उन्हें फिल्म मिली और न ही नौकरी बची।

सोहा ने कहा- मां फिल्मों में काम करती थीं, लेकिन हमने ज्यादा हिंदी फिल्में नहीं देखी थीं। शुरुआत में मैंने भी फिल्मों में आने के बारे में सोचा नहीं था। मेरा ज्यादा ध्यान पढ़ाई में रहता था। इस वजह से पेरेंट्स भी बहुत खुश रहते थे। उन्होंने मेरी पढ़ाई में बहुत लागत लगाई थी। वे भी चाहते थे कि मैं फिल्मों में न जाऊं, दूसरा कुछ करूं और मैंने किया भी। मैं एक बैंकर थी। मैंने 13 महीने तक यह नौकरी की थी।

फिल्मों में आने से खुश नहीं थे पेरेंट्स

सोहा ने कहा, 'इसी बीच मुझे अमोल पालेकर ने फिल्म ऑफर की। वे मुझे और एक एक्टर को लॉन्च करना चाहते थे। यह फिल्म पहेली थी। मैंने इस ऑफर को स्वीकार कर लिया था। मुझे पता था कि पेरेंट्स इस चीज के लिए कभी तैयार नहीं होंगे। इस वजह से मैंने 3 महीने तक यह बात घरवालों से छिपाकर रखी।

उधर बैंक की नौकरी भी छोड़ दी। सारे सेविंग्स खत्म हो गए थे। जब मैंने पेरेंट्स को यह बात बताई तो वे बिल्कुल खुश नहीं थे। हालांकि लास्ट में मैं फिल्म पहेली का हिस्सा नहीं बन पाई और उसमें रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया।'

सोहा बोलीं- मां ने भाई को दी थी चेतावनी

सोहा ने बताया कि मां शर्मिला टैगोर ने भाई सैफ अली खान को चेतावनी दी थी कि अगर वे फिल्मों में आती हैं तो गलती सैफ की होगी। उन्होंने कहा, 'मां ने भाई से कहा था कि तुम ही इसके दिमाग में गलत चीजें भरते हो। मत करो ऐसा।'

2004 में सोहा ने किया था एक्टिंग डेब्यू

सोहा ने 2004 की फिल्म दिल मांगे मोर से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। सोहा को रंग दे बसंती, मुंबई मेरी जान और तुम मिले जैसी फिल्मों में देखा गया है।

बॉडी शेमिंग का शिकार हुईं अंकिता लोखंडे

लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 के सेट से वीडियो सामने आने पर ट्रोल हुईं

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों पॉपुलर कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इस शो में अंकिता के साथ उनके पति और बिजनेसमैन विक्की जैन भी शामिल हुए हैं। अंकिता अपने फैशन सेंस को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें बॉडी शेमिंग का भी सामना करना पड़ा है।

अंकिता की हुई बॉडी शेमिंग

लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 के हालिया एपिसोड में अंकिता लोखंडे व्हाइट कलर की साड़ी पहने नजर आईं। इस व्हाइट साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पतली स्ट्रिप वाला बैकलेस ब्लाउज पहना हुआ था। वीडियो बैक साइड से शूट हुआ है। एक्ट्रेस की ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

सोशल मीडिया पर ट्रोल हुईं एक्ट्रेस

अंकिता की वीडियो देखने के बाद लोग उन्हें बॉडी शेम कर रहे हैं। उनके फिगर को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें फैटी फिगर बोल रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस को ट्रोल करते हुए लिखा- कितनी मोटी हो गई हो। तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- अपनी हेल्थ पर ध्यान दो। एक और यूजर ने लिखा- अपनी बैक तो कवर कर लेती। हालांकि, शो में अंकिता लोखंडे के लुक्स की भी चर्चा हो रही हैं। शो में एक्ट्रेस अलग-अलग साड़ियों और आउटफिट में नजर आ रही हैं।

साल 2009 में की थी करियर की शुरुआत

अंकिता लोखंडे ने अपने करियर की शुरुआत साल 2006 में रियलिटी शो 'आइडिया जी सिनेस्टार' से की थी। इसके बाद साल 2009 में टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से उन्होंने अपने एक्टिंग करियर को शुरू किया। इस शो में उन्होंने अर्चना देशमुख का किरदार निभाया था। इसी शो से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद अंकिता बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आई हैं।

लोगों को जबरदस्ती सोचने पर मजबूर किया जा रहा, विवादित टिप्पणी मामले पर भड़के जावेद जाफरी

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में विवाद होने के बाद कई सेलेब्रेटी भारत में बदलते कॉमेडी के दौर पर अपनी राय रख रहे हैं। इस मामले पर अभिनेता जावेद जाफरी ने अपनी बात रखी है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है कि असल मुद्दा ये नहीं है कि लोग किस तरह की कॉमेडी सुन रहे हैं, असल मुद्दा यह है कि इस तरह के मामलों का कैसे राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोग बहुत संवेदनशील होते हैं, लेकिन हर किसी के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है।

ह्यूमंस ऑफ बांम्बे के साथ बातचीत में कहा कि 'ये लोगों के बारे में नहीं है, यह राजनीति का मामला है।' उन्होंने कहा 'इस तरह के मामलों पर लोग ज्यादा नहीं सोचते, बल्कि लोगों को जबरदस्ती सोचने पर मजबूर किया जाता है। समाज में ऐसी चीजें होती हैं, जो कि अच्छी नहीं है। मैं इससे सहमत नहीं हूं।'

शोर मचाने वालों को सुना जाता है

जावेद जाफरी ने कहा कि बहुत सारी चीजें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना बहुत जरूरी है, लेकिन गैर जरूरी चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है। कई मामले ऐसे हैं जो नाम बदलने से ज्यादा जरूरी हैं, चीजों नाम नहीं उनकी स्थिति बदलनी चाहिए। नाम में कुछ नहीं रखा है, काम में रखा है। एक खास वर्ग है जो बहुत शोर करता है, वही लोग नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर 10 लोग शोर मचा रहे हैं और 1000 लोग बैठे हैं, तो उन 10 लोगों को सुना जाएगा बाकियों को नहीं।

रणवीर अल्लाहबादिया का विवाद समय रैना के शो में विवादित टिप्पणी देने से शुरू हुआ। शो में रणवीर अल्लाहबादिया ने एक प्रतियोगी के मां-बाप को लेकर गलत बयानबाजी की।

इसके बाद रणवीर और समय के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए। पुलिस ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया। रणवीर अल्लाहबादिया ने लोगों से माफी मांगी है, तो वहीं समय रैना ने अपने शो के सारे एपिसोड डिलीट कर दिए।

सीए छोड़ चुना फिल्मी दुनिया का रास्ता इस एक्टर से चला था 11 वर्षों तक प्यार

बचपन से ही पत्रलेखा का सपना था कि वह फिल्मी दुनिया में नाम कमाए। लेकिन इनका परिवार पढ़ाई-लिखाई पर विश्वास रखता था। इसके बावजूद इस अभिनेत्री ने चार्टेड अकाउंटेंट छोड़ अपने पैशन को फॉलो करने की ठानी और आज वह बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शुमार हैं। इन्होंने अपने करियर में कई फिल्में की हैं। साथ ही इनकी लव-स्टोरी से भी आपको रूबरू करवाएंगे। आइए जानते हैं इनके बारे में..

परिवार के खिलाफ जाकर चुना अभिनय का करियर

एक्ट्रेस पत्रलेखा का जन्म 20 फरवरी 1989 को मेघालय राज्य के शिलांग में एक बंगाली परिवार में हुआ था। इनके पिता चार्टेड अकाउंटेंट थे। इनके पिता चाहते थे कि उनकी बेटी भी सीए की पढ़ाई करे। लेकिन अभिनेत्री का मन बचपन से ही अभिनय के अलावा कहीं लगा ही नहीं। फिर क्या पत्रेलखा अपने सपने को सच करने मुंबई की मायानगरी आ गई। शुरूआती दिनों में एक्ट्रेस को टीवी के विज्ञापनों में काम करने का अवसर मिला।

फिल्मी परदे पर आई नजर

एक्टिंग की भूख के कारण पत्रलेखा को सिनेमा परदे पर प्रवेश मिल ही गया। साल 2014 में हंसल मेहता के निर्देशन में बनी 'सिटीलाइट्स' फिल्म में उन्हें पहली बार काम करने का अवसर मिला। इसमें वह अभिनेता राज कुमार राव के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थी, जिसमें एक गरीब परिवार का कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म के लिए पत्रलेखा को जीवंत अभिनय करने के लिए 'मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यूकमर फीमेल' का स्टार स्क्रीन अवार्ड मिला था। इसके बाद पत्रलेखा ने 'लव गेम्स', 'नानू की जानू', 'बदनाम गली', 'बोस-डेड/अलाइव' जैसी कई फिल्में की। अभी हाल ही में एक्ट्रेस ने 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' फिल्म में काम किया था।

पत्रलेखा की अनोखी लव स्टोरी

बात करें एक्ट्रेस की लव स्टोरी की तो बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता राजकुमार राव से इस अभिनेत्री को प्यार हो गया था, जो अब इनके पति भी हैं। बताया जाता है कि ये दोनों एक-दूसरे को पहली बार टीवी के जरिए ही देखे थे। इसके बाद ये दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे। राजकुमार राव और पत्रलेखा पहली बार 2014 में 'सिटीलाइट्स' फिल्म में एक साथ दिखे थे। अभिनेत्री की यह पहली फिल्म थी। इसके बाद से ही दोनों को बीच और नजदीकियां बढ़ती गई। एक इंटरव्यू में पत्रलेखा बताती हैं दोनों को डेट की बजाए लांग ड्राइव पर जाना ज्यादा पसंद करते थे।

11 सालों के प्यार के बाद शादी

अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री पत्रलेखा ने 11 साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद 15 नवंबर 2021 को शादी के बंधन में बंध गए।

अभिनय से इतर पत्रलेखा के शौक

अभिनय के अलावा अभिनेत्री पत्रलेखा को फिटनेस, योग, और यात्रा करने का शौक है। वह अपने सोशल मीडिया पर आए दिन योग और फिटनेस से जुड़ी चीजें शेयर करती हैं। इसके साथ ही उन्हें पेंटिंग और किताबें पढ़ने भी बहुत पसंद है।

मध्य प्रदेश के बाद अब गोवा में भी टैक्स फ्री हुई छावा

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' मध्य प्रदेश के बाद अब गोवा में भी टैक्स फ्री हो चुकी है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार शाम को छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के अवसर पर एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी घोषणा की। इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म को अपने राज्य में कर मुक्त कर दिया है।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 'छावा' को किया टैक्स फ्री

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन और बलिदान पर आधारित फिल्म छावा गोवा में कर-मुक्त होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह फिल्म संभाजी महाराज की वीरता और साहस को दर्शाती है, जिन्होंने देव, देश और धर्म के लिए मुगलों और पुर्तगालियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

देवेंद्र फणडवीस ने छावा को लेकर कही ये बात

इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी फिल्म छावा को टैक्स-फ्री करने की अपील का स्वागत किया था। उन्होंने फिल्म की ऐतिहासिक प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जनता से फिल्म के बारे में अच्छे फीडबैक सुने हैं। सीएम फडणवीस ने कहा, मैं खुश हूं कि छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर बहुत ही अच्छी फिल्म बनाई गई है। हालांकि, मैंने इसे अभी तक नहीं देखा है, लेकिन मुझे जो प्रतिक्रिया मिली है, वह बताती है कि इस फिल्म में इतिहास को विकृत नहीं किया गया है। इसके साथ ही फडणवीस ने यह भी जानकारी दी कि महाराष्ट्र ने 2017 में पहले ही एंटरटेनमेंट टैक्स हटा दिया था और अब वे यह देखेंगे कि फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक कैसे पहुंचाया जा सकता है।

'छावा' जल्द छुएगी 200 का आंकड़ा

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' ने रिलीज के तीसरे दिन ही 100 करोड़ का आंकड़ा बॉक्स ऑफिस पर पार कर लिया था। अब यह जल्द ही 200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस से 197.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है। 'छावा' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रश्मिका मंदाना ने येसूबाई भोसले, अक्षय खन्ना ने औरंगजेब, डायना पेंटी ने जिनत-उन-निसा बेगम, दिव्या दत्ता ने सोयराबाई, विनीत कुमार सिंह ने कवि कलश और आशुतोष राणा ने हंबीरराव मोहिते का किरदार निभाया है।

समय रैना की बढ़ी मुश्किलें, महाराष्ट्र साइबर सेल ने कॉमेडियन को भेजा दूसरा समन

महाराष्ट्र साइबर सेल ने यूट्यूबर समय रैन ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर की गई टिप्पणी के संबंध में दूसरा समन जारी किया है, जिससे विवाद पैदा हो गया है। इससे पहले समय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज करवाने की मांग कर चुके हैं।

समय रैना को भेजा गया दूसरा समन

समय रैना को इससे पहले 18 फरवरी को बयान दर्ज करने के लिए उपस्थित न होने के बाद मुद्दा उठा है। महाराष्ट्र साइबर सेल ने बयान जारी किया है कि रैना को आज एक और समन भेजा गया, ताकि उनके बयान की रिकॉर्डिंग के लिए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का किया अनुरोध

कॉमेडियन समय रैना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। वे फिलहाल अमेरिका में हैं, 17 मार्च से पहले समय भारत नहीं लौट पाएंगे। इस मामले

में विभाग ने उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। विभाग ने कहा कि ये बयान व्यक्तिगत रूप से दर्ज किया जाना चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

कॉमेडियन समय रैना और यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया 'इंडियाज गॉट लैटेंट' शो में विवादित टिप्पणी के मामले में विवादों से घिरे हैं। रणवीर अल्लाहबादिया के खिलाफ पुलिस केस हो गया है। ऐसे में उन्होंने लोगों से माफी मांगी है। समय रैना ने ऐलान किया है कि उन्होंने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के सभी शो हटा दिए हैं। समय रैना ने कहा है कि वह किसी भी जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

42 लोगों को किया जा चुका है तलब

जानकारी महाराष्ट्र साइबर सेल के इंस्पेक्टर जनरल यशस्वी यादव ने कहा, 'अब तक शो के सभी एपिसोड में शामिल हुए तमाम मेंबर्स पर एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारियों ने जांच के दायरे में आने वाले सभी वीडियो को हटाने का आदेश दिया था और जांच पूरी होने तक शो का अकाउंट भी निष्क्रिय करने का आदेश दिया था। साइबर अधिकारियों ने पहले विवादित वीडियो हटाया और फिर कॉमेडियन समय रैना को मामले से जुड़ी सभी सामग्री हटाने का निर्देश दिया। अब तक कलाकारों, निर्माताओं और इन्फ्लुएंसर्स समेत कुल 42 लोगों को तलब किया गया है। मुख्य आरोपियों में समय रैना, अपूर्व मुखीजा और रणवीर इलाहाबादिया शामिल हैं। देवेश दीक्षित, रघु राम और एक अन्य व्यक्ति के बयान पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं।'

नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में श्याम बेनेगल के सम्मान में प्रदर्शित होंगी ये फिल्में

नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में भारतीय सिनेमा की फिल्मों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इस महोत्सव में निर्देशक श्याम बेनेगल की फिल्मों को दिखाकर उनके काम को याद करके उन्हें सम्मान दिया जाएगा।

फिल्म फेस्टिवल में दिखेंगी ये फिल्में

- फरीदा जलाल, सुरेखा सीकरी, अमित फाल्के और रजित कपूर अभिनीत 'मम्मो'
- पल्लवी जोशी, रजित कपूर और रघुबीर यादव अभिनीत 'सूरज का सातवां घोड़ा'
- रजित कपूर अभिनीत 'द मेकिंग ऑफ महात्मा'
- शेख मुजीबुर रहमान के जीवन पर आधारित उनकी आखिरी निर्देशित फिल्म 'मुजीबः मेकिंग ऑफ ए नेशन'

2 मार्च तक चलेगा फिल्म महोत्सव

यह फिल्म 13 फरवरी शुरू हुआ है जो 2 मार्च 2025 तक

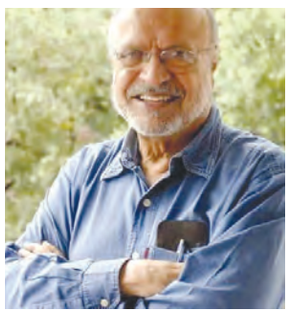

चलेगा। महोत्सव में कई सारे फिल्म निर्माता और उनके काम को करीब से जानने का मौका सिनेमाप्रेमियों को मिलने वाला है। यह ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र वार्षिक राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव है, जो बॉलीवुड से परे भारतीय सिनेमा की विविधता को दर्शाता है।

13 राष्ट्रीय पुरस्कार, पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित

- श्याम बेनेगल के नाम सबसे ज्यादा राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अलग-अलग कैटेगरी में 13 राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम किए।
- अपने करियर में 24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 15 एड फिल्में बनाने वाले श्याम बेनेगल को फिल्म जगत को दिए योगदान के लिए 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
- बेनेगल को 2005 में भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड भी दिया गया।

बिटिया रानी को बनाना है 'सशक्त' तो इन बातों को जहन में उतार लें

वो कहते हैं न कि 'बेटा भाग्य से होता है, लेकिन बेटियां सौभाग्य से होती हैं'। यही वजह है कि बेटी का जन्म सिर्फ एक नए सदस्य का आगमन नहीं, बल्कि घर में खुशियों और नई उम्मीदों का संचार होता है। बेटियां अपने साथ ढेरों खुशियां लेकर आती हैं। वो न सिर्फ परिवार बल्कि भविष्य में जाकर पूरे समाज के लिए रोशनी का काम करती है। इसी के चलते उसकी परवरिश और भविष्य को संवारने के लिए परिवार को मिलकर एक मजबूत नींव रखनी चाहिए।

जरूर दिलाएं शिक्षा का अधिकार

आज के समय में भी हमारे देश में कई जगहें हैं, जहां पर लड़कों को तो पढ़ाया-लिखाया जाता है, लेकिन लड़कियों की बारी आने पर लोग कहते हैं कि वो तो पराया धन हैं, उन्हें सिर्फ घर के काम सीखने चाहिए। ऐसे में अपनी बिटिया रानी को भी शिक्षा का अधिकार दिलाएं। उन्हें पढ़ाई-लिखाई के प्रति जागरूक करें और उसकी अहमियत बताएं।

आर्थिक स्वतंत्रता की तरफ करें प्रोत्साहित

लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई सिर्फ नाम या डिग्री जमा करने तक नहीं होनी चाहिए। उन्हें स्वरोजगार, स्टार्टअप और बिजनेस के लिए प्रोत्साहित किया जाए। अपनी बिटिया को भी इस चीज का एहसास दिलाएं कि वो किसी से कम नहीं हैं। उन्हें हर जगह बराबर अवसर दिए जाएंगे। यदि सुरक्षा की नजर से बच्ची को बाहर भेजने में डर लगता है तो उनके लिए फ्रीलांसिंग, वर्क-फ्रॉम-होम काम उपलब्ध कराएं, ताकि वो आत्म निर्भर बनें।

सोच में लगाएं बदलाव

यदि आपके घर में बेटी है तो आप समाज के भरोसे नहीं बैठ सकते, कि समाज की सोच जब बदलेगी तब हम अपनी बिटिया को आजादी देंगे। अपने घर से ही रूढ़िवादी सोच और भेदभाव को खत्म किया जाए। किसी और को सलाह देने से पहले अपनी सोच में बदलाव लाएं, ताकि लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने फैसले खुद लेने की आजादी मिले।

जरूर दें कानून का ज्ञान

जब बिटिया बड़ी हो जाए तो उसे उसके अधिकारों की जानकारी अवश्य दें, क्योंकि घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ जैसे मामले आजकल काफी आम हैं। ऐसे में उन्हें पता होना चाहिए कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सख्त कानून के तहत कार्रवाई हो सकती है। अपनी बिटिया रानी को सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग दें इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी हर महिला को हो।

स्वास्थ्य के बारे में हो खुलकर बात

वैसे तो आजकल परिवार काफी खुले विचारों के होते है, लेकिन इसके बावजूद घरवाले लड़कियों से पीरियड्स, प्रेग्नेंसी और मेंटल हेल्थ पर खुल के बात नहीं करते, जोकि काफी गलत है। हर घर में कम से कम एक से दो लोग ऐसे जरूर होने चाहिए, जिनके कोई भी लड़की अपने मन की बात कर सके। बिटिया को इंटीमेसी के बारे में सही जानकारी होना आवश्यक है, ताकि उनके दिमाग में किसी तरह के गलत ख्याल नहीं रहें।

कमर के आसपास बढ़ रही है चर्बी तो घर पर ही करें ये एक्सरसाइज, बेली फैट हो जाएगा कम

पेट की चर्बी वह वसा होती है, जो पेट के आसपास जमा हो जाती है। यह चर्बी न केवल दिखने में खराब लगती है, बल्कि यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकती है। पेट की चर्बी न केवल आपके स्वास्थ्य को खराब करती है बल्कि, आपके लुक को भी भद्दा बना देती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ मसल्स कम होने लगती हैं। ऐसे में पेट के आसपास चर्बी इकट्ठा होनी शुरू हो जाती है। महिलाएं इसे कम करने के लिए कई नुस्खे आजमाती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसे घर पर भी कम कर सकती हैं। तो आज की इस खबर में हम आपको उन एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपने पेट की चर्बी कम कर सकती है।

पेट की चर्बी कम करने के लिए असरदार एक्सरसाइज

अगर आप पेट की चर्बी कम करना चाहते हैं, तो आपको कार्डियो, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज का सही मिश्रण अपनाना होगा। नीचे कुछ बेहतरीन एक्सरसाइज दी गई हैं, जिन्हें आप घर या जिम में आसानी से कर सकते हैं।

1. कार्डियो एक्सरसाइज

ये एक्सरसाइज शरीर की कैलोरी बर्न करने और चर्बी घटाने में मदद करती हैं।

(1) रनिंग या जॉगिंग

कैसे करें: रोज 20-30 मिनट तक तेज चलें, दौड़ें या जॉगिंग करें

फायदा: यह शरीर की कुल चर्बी को कम करने में मदद करता है, जिससे पेट की चर्बी भी घटती है।

(2) स्किपिंग

कैसे करें: 1-2 मिनट तक लगातार रस्सी कूदें, फिर 30 सेकंड का ब्रेक लें। इसे 5-10 बार दोहराएं।

फायदा: यह तेजी से कैलोरी बर्न करता है और पेट की चर्बी कम करता है।

(3) हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (HIIT)

कैसे करें:

30 सेकंड तेजी से बर्पीज करें।

30 सेकंड ब्रेक लें।

इसे 5-10 मिनट तक दोहराएं।

फायदा: यह पेट की चर्बी घटाने का सबसे तेज तरीका है।

2. कोर एक्सरसाइज

ये एक्सरसाइज पेट की मांसपेशियों (abs) को मजबूत करने और टोंड करने में मदद करती हैं।

(4) क्रंचेज

कैसे करें:

पीठ के बल लेट जाएं, घुटनों को मोड़ें और हाथों को सिर के पीछे रखें।

सांस छोड़ते हुए अपने कंधों को ऊपर उठाएं और पेट को अंदर दबाएं।

धीरे-धीरे वापस आएं और 15-20 बार दोहराएं।

फायदा: पेट की चर्बी जलाने और एब्स बनाने के लिए बेहतरीन एक्सरसाइज।

(5) प्लैंक

कैसे करें:

पुश-अप पोजिशन में आकर कोहनी पर शरीर का वजन डालें।

शरीर को सीधा रखें और 30-60 सेकंड तक पकड़ें।

फायदा: यह पेट को टाइट करने और फैट बर्न करने में मदद करता है।

(6) बाइसिकल क्रंच

कैसे करें:

पीठ के बल लेटकर पैरों को हवा में उठाएं।

एक पैर को मोड़ें और दूसरी कोहनी से छूने की कोशिश करें।

इसे दोनों तरफ 20-30 बार दोहराएं।

फायदा: यह साइड फैट कम करने में मदद करता है।

3. स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

ये एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर तेजी से फैट बर्न करने में मदद करती हैं।

(7) स्क्वाट्स

कैसे करें:

पैरों को कंधे की चौड़ाई जितना खोलकर खड़े हों।

घुटनों को मोड़कर नीचे बैठें और फिर उठें।

इसे 15-20 बार करें।

फायदा: पेट की चर्बी के साथ-साथ जांघों और कुल्हों को भी टोन करता है।

पेट की चर्बी कम करने के लिए कुछ जरूरी टिप्स

डाइट पर ध्यान दें – शुगर और जंक फूड से बचें, प्रोटीन और फाइबर वाला खाना खाएं।

पर्याप्त पानी पिएं – दिन में कम से कम 2-3 लीटर पानी पिएं।

भरपूर नींद लें – 7-8 घंटे की अच्छी नींद लें, ताकि शरीर ठीक से फैट बर्न कर सके।

तनाव कम करें – मेडिटेशन और योग करें, क्योंकि तनाव भी पेट की चर्बी बढ़ा सकता है।

योग को लेकर लोगों के बीच हैं कुछ भ्रम, जानें इन सभी की सच्चाई

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को फिट रखने के लिए लोग काफी कदम उठाते हैं। बहुत से लोग डाइट करते हैं और जिम जाते हैं, तो वहीं बहुत से लोग आज भी पुरानी पद्धति अपनाते हुए योग की तरफ झुकाव कर लेते हैं। आज के समय में योग करने से न सिर्फ आपका शरीर मजबूत बनेगा, बल्कि साथ ही में इससे आपका मन भी शांत होगा।

वैसे तो योग के अनेकों फायदे हैं, लेकिन इसके बावजूद लोगों के बीच योग को लेकर काफी भ्रमित स्थिति बनी हुई है। इन भ्रमों की वजह से भी ज्यादातर लोग योग करने से पीछे हटते हैं। इसी के चलते कुछ अफवाहों की सच्चाई आज हम आपको बताने जा रहे हैं, ताकि आप अपने जीवन में योग को स्थान दे सकें।

योग सिर्फ शरीर को लचीला बनाने के लिए होता है

अक्सर लोगों को लगता है कि योग सिर्फ शरीर को लचीला बनाने के लिए किया जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। यदि आप नियमित रूप से योग करेंगे तो ये शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास होगा। इसकी वजह से तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित होता है और आत्म संतुलन भी बढ़ता है।

सिर्फ फिट लोग ही योग कर सकते हैं

अक्सर लोगों में ये भ्रम होता है कि योग सिर्फ वही लोग कर सकते हैं जो फिट होते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। भले ही शुरुआत में थोड़ी परेशानी आती है, लेकिन जब आप नियमित रूप से योग करेंगे तो इससे आपका शरीर खुद व खुद ही फिट हो जाएगा।

वजन कम करने में नहीं आता काम

लोगों को लगता कि वजन कम करने में योग नहीं बल्कि सिर्फ एक्सरसाइज ही काम आती है, जबकि ऐसा नहीं है। नियमित रूप से योग करने से न सिर्फ मेटाबॉलिजम तेज होता है, बल्कि इसकी वजह से हॉर्मोन बैलेंस, डाइजेशन सुधारने और स्ट्रेस कम करने में भी मदद मिलती है। इन सभी की वजह से आप आसान तरह से वजन भी घटा सकते हैं।

योग के लिए चाहिए घंटों का समय

जिम जाने के लिए कम से कम एक से दो घंटे आपके पास होने चाहिए, लेकिन योग के साथ ऐसा नहीं है। यदि आप नियमित रूप से सिर्फ 15-20 मिनट भी योग करते हैं तो ये आपके शरीर को काफी फायदा पहुंचाएगा। हर रोज सिर्फ कुछ आसान, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार करने से भी लाभ मिलता है।

योग सिर्फ बूढ़े लोग करते हैं

ऐसा बिल्कुल नहीं है। योग हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। चाहे बच्चे हों, युवा हों या हों बुजुर्ग, सभी योग से शारीरिक और मानसिक शांति पा सकते हैं। इसके लिए आपको न तो ज्यादा मेहनत की जरूरत है और न ही महंगे उपकरण या स्पेशल ड्रेस की। इसे घर में, पार्क में या किसी शांत जगह पर किया जा सकता है।

रिटायर्ड आईएएस की नजर से ऑबट्यूस एंगल

कार्टून एकमात्र कला रूप है ,जो किसी व्यक्ति के मूड को सिर्फ एक नज़र से बदल सकता है। कुछ अच्छी तरह से व्यक्त किए गए स्ट्रोक एक भावना को सामने ला सकते हैं ,जो सैकड़ों शब्द एक साथ नहीं कर सकते हैं। कार्टून देखने वाले की आंखों में एक साथ दो बदलाव लाते हैं; वे चेहरे पर मुस्कान डालते हैं और एक ही समय में मन में सार डालते हैं। दोनों को एक साथ करना एक आसान काम नहीं है। कहते है कि कार्टूनिस्ट होना एक आसान काम नहीं है। एक आम आदमी एक कार्टूनिस्ट होने के नाते प्रेरणादायक है, लेकिन एक नौकरशाह एक कार्टूनिस्ट होने के नाते सनसनीखेज है। अपने बेहद व्यस्त जीवन में और उच्च तनाव के तहत उस उत्साह को अपने शौक को आगे बढ़ाने के लिए और वह भी अत्यधिक संरक्षित नियमों की छतरी के नीचे अभी भी इस ग्रेड के कार्टून बनाने के लिए अत्यधिक सराहनीय और गहराई से प्रेरणादायक है। 40 साल हर दिन इस जादू को फिर से बनाना अपने तरीके से एक अजूबा है। श्री बी पी आचार्य,आईएएस, विशेष मुख्य सचिव (retd) ने यह सावधानीपूर्वक किया है और खुद के लिए एक जगह बनाई है।

ऑबट्यूस एंगल नाम के रूप में यह बताता है कि हम जो कुछ भी देखते हैं वह सब कुछ एक अधिक विनोदी और व्यापक दृष्टिकोण से देखा जा सकता है, जो सुगंध को खोए बिना सार को आकर्षित करता है। पूरी पुस्तक में प्रत्येक कार्टून समान सूत्र पर काम करता है, जो हमें हंसी और जीवन के ज्यादा से ज्यादा सबक देता है । एक नौकरशाह होने के नाते श्री बी। पी। आचार्य ने दो कोणों, सामान्य व्यक्ति के कोण (बाहर कोण) और नौकरशाह के कोण (अंदर कोण के अंदर) से सब कुछ देखा है, जो कार्टून को अधिक अपमानजनक, अधिक विनोदी और अधिक मनोरम बनाता है। तत्कालीन एकजुट आंध्र प्रदेश और वर्तमान तेलंगाना सरकार के एक विशेष मुख्य सचिव के रूप में, श्री बी पी आचार्य ने जीनोम वैली, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, माइंड स्पेस जैसे औद्योगिक हब हैदराबाद तेलंगाना में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; उत्तरी आंध्र में रॉयल सीमा में श्री सीटी और ब्रैंडिक्स सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 4 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार पैदा करता है। जब इतना बड़ा अनुभव ऑबट्यूस एंगल जैसी अंदर की जुनून पुस्तकों के साथ सहयोग करता है, तो इसका उत्पादन किया जाता है।

अंत में पुस्तक एक कविता है जिसे आचार्य ने सेवा में 35 साल पूरा करने के लिए लिखा था जो केक पर एक आइसिंग की तरह है जो हर युवा के सपने को एक नौकरशाह और उच्च और निम्न के एक होने के बाद एक सपने को पकड़ता है।

इस पुस्तक को हाथों की दूरी पर रखें ताकि जब भी जीवन की क्रूरता और दुनिया की वास्तविकता की क्रूरता हो तो आपको बस एक नज़र डालती है और आप मुस्कुराते हुए वापस आ जाएंगे, उठने और दौड़ते रहने के लिए तैयार रहेंगे।

डॉ रमेश श्रीरंगम
कार्टूनिस्ट और मौखिक
हिंदी रूपांतरणः बेनी प्रसाद सिंघल

फेकल कोलीफॉर्म से दूषित हो रही है गंगा कुंभ से लौट रहे लोग हो रहे बीमार?

प्रयागराज में जारी महाकुंभ इन दिनों दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भारत ही नहीं, विश्व के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक के आंकड़ों के अनुसार 56 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। हालांकि यहां इकट्ठा होती भीड़ और रोज करोड़ों लोगों के संगम में डुबकी लगाने के कारण जल प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में पानी में बढ़ रही गंदगी को लेकर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगा और यमुना का जल फिलहाल नहाने के लायक नहीं है।

दूषित हो रहा है गंगा का जल

सीपीसीबी ने एक रिपोर्ट में बताया कि संगम समेत कई जगहों पर फेकल कोलीफॉर्म (खतरनाक बैक्टीरिया) बढ़ गया है। इसका स्तर 2,500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर की तय सीमा से बहुत ज्यादा हो गया है, जिससे गंभीर प्रदूषण का संकेत मिलता है। चूंकि अभी भी रोजाना बड़ी संख्या में यहां लोग स्नान कर रहे हैं इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ने और इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने का जोखिम हो सकता है।

गंगा के जल में बढ़ रहा है फेकल कोलीफॉर्म

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में विभिन्न स्थानों पर फेकल कोलीफॉर्म का स्तर बढ़ गया है। ये जल स्नान के लिए अनुरूप नहीं है।

गौरतलब है कि पानी की गुणवत्ता के आकलन के लिए फेकल कोलीफॉर्म का परीक्षण किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि पानी पीने, तैरने या अन्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यहां से संभावित रूप से जलजनित बीमारियों के फैलने का जोखिम बढ़ सकता है।

फेकल कोलीफॉर्म के कारण हो सकती हैं कई बीमारियां

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फेकल कोलीफॉर्म से दूषित पानी में नहाने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ये गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण जैसे दस्त, उल्टी और पेट में ऐंठन की दिक्कतों को बढ़ा सकता है। इतना ही नहीं दूषित जल के संपर्क के कारण त्वचा और आंखों में संक्रमण का भी खतरा रहता है।

दूषित जल के कारण चकत्ते, आंखों में जलन और फंगल इंफेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है उनमें फेफड़ों में संक्रमण का भी जोखिम हो सकता है, जिसको लेकर संगम जाने वाले सभी लोगों को अलर्ट किया जा रहा है।

कुंभ से लौटे साधुओं में देखी जा रही एलर्जी की दिक्कत

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, तीर्थयात्रियों के लिए तत्काल जोखिम के अलावा, यह प्रदूषण स्थानीय लोगों के लिए भी एक बड़ा खतरा है जो अपनी दैनिक जरूरतों के लिए गंगा पर निर्भर हैं। पानी में बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिसको ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों को पीने के पानी की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते रहने की जरूरत है। इधर प्रयागराज महाकुंभ से बनारस लौटे बड़े संख्या में नागा साधुओं में एलर्जी की समस्या देखी जा रही है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

बीएचयू के न्यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टर विजय नाथ मिश्र ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि 'घाट वॉक ओपीडी' के तहत किए जा रहे नियमित टेस्ट के दौरान पाया गया है कि कुंभ से लौटे कई साधु सर्दी-जुकाम और एलर्जी से परेशान हैं। कुंभ की धूल के कारण कई साधुओं में इंफेक्शन का जोखिम भी देखा गया है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि साधुओं को दवाइयां और उचित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं जिन लोगों को पहले से कोई श्वसन समस्या या एलर्जी की दिक्कत रही है उन्हें संगम में स्नान या वहां रहने के दौरान सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

इसके अलावा वाराणसी के घाटों पर जीन वैज्ञानिक कुंभ से लौटे साधुओं के एंटीबॉडी भी टेस्ट कर रहे हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में जीन वैज्ञानिक डॉ ज्ञानेश्वर चौबे और उनकी टीम जेनेटिक्स टेस्ट के लिए सैंपल इकट्ठा कर रही है।

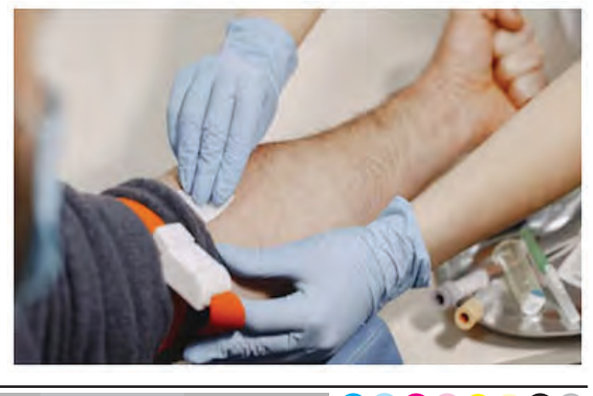

देसी घी या सरसों का तेल, खाने और हेल्थ के लिए कौन सा है फायदेमंद?

भारतीय महिलाओं के रसोईघर में सरसों का तेल और घी दोनों ही जरूर मिलेंगे। हमारे रोजाना के खानपान में सरसों का तेल तो सब्जियां बनाने के लिए इस्तेमाल होता ही है, लेकिन कई लोग रोटी में बिना घी लगाए नहीं खाते हैं। यह दोनों ही हेल्दी फैट्स का सबसे अच्छा सोर्स है। दोनों के अपने-अपने हेल्थ बेनिफिट्स हैं। हालांकि, लोगों के मन में बार-बार यही सवाल आता है कि कौन-सा ज्यादा फायदेमंद है, यह आपकी सेहत, जरूरत और इस्तेमाल करने के तरीके पर निर्भर करता है। आइए दोनों की तुलना करते हैं और जानते हैं कि कौन सा आपके स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

1. हार्ट हेल्थ (दिल के लिए फायदेमंद कौन?)

सरसों का तेलः

इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने और दिल को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भी सहायक होता है।

देसी घीः

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन K2 होते हैं, जो दिल की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं।

अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाकर दिल को फायदा पहुंचाता है, लेकिन अधिक मात्रा में खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है।

2. डाइजेशन के लिए कौन बेहतर?

सरसों का तेलः

इसमें नैचुरल एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो गैस और एसिडिटी को कम कर सकते हैं।

ज्यादा खाने से पेट में जलन या एसिडिटी हो सकती है।

देसी घीः

यह आयुर्वेद में पाचन के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

गैस, कब्ज और पेट की सूजन को कम करता है और मेटाबॉलिज्म सुधारता है।

3. वजन बढ़ाने या घटाने के लिए कौन बेहतर?

सरसों का तेलः

यह कम कैलोरी और हल्का होता है, जिससे वज़न कंट्रोल में रहता है।

ज्यादा खाने से पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

देसी घीः

वजन बढ़ाने में मदद करता है, क्योंकि यह कैलोरी से भरपूर होता है।

सही मात्रा में खाने से फैट बर्न करने में भी मदद करता है।

4. स्किन और बालों के लिए कौन बेहतर?

सरसों का तेलः

बालों की ग्रोथ बढ़ाता है और डैंड्रफ कम करता है।

त्वचा में नमी बनाए रखता है और फंगल इंफेक्शन से बचाव करता है।

देसी घीः

त्वचा को ग्लोइंग और सॉफ्ट बनाता है।

होठों और ड्राई स्किन के लिए बेहतरीन मॉइश्चराइजर है।

5. खाना पकाने के लिए कौन सही?

सरसों का तेलः

इसमें स्मोक पॉइंट ज्यादा होता है, जिससे यह हाई-हीट कुकिंग (फ्राई और तड़का) के लिए बेहतर होता है।

सब्जी, पराठे और दाल में अच्छा लगता है।

देसी घीः

इसमें स्मोक पॉइंट भी हाई होता है, जिससे यह खाना पकाने के लिए अच्छा होता है।

रोटी, हलवा, खिचड़ी और पारंपरिक भारतीय खाने के लिए बेस्ट।

कौन सा है ज्यादा फायदेमंद?

अगर आपको दिल की सेहत, वजन कम करना या बालों की देखभाल चाहिए तो सरसों का तेल बेहतर है।

अगर आप पाचन, स्किन केयर, वजन बढ़ाने और पारंपरिक भारतीय भोजन का स्वाद बढ़ाना चाहते हैं तो देसी घी बेस्ट है।

संतुलन बनाए रखना सबसे अच्छा है – सरसों का तेल और घी दोनों को अपने आहार में सही मात्रा में शामिल करें।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी सेंसेक्स 203 अंक टूटा, निफ्टी भी कमजोर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ के खतरों, कमजोर एशियाई बाजारों और विदेशी फंडों के निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के कारण बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को तीसरे दिन भी के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 203.22 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 75,735.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 476.17 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 75,463.01 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 19.75 अंक या 0.09 प्रतिशत गिरकर 22,913.15 पर आ गया। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली से भी प्रमुख सूचकांक नीचे आए।सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचडीएफसी बैंक, मारुति, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक लाभ में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने एक दिन की राहत के बाद बुधवार को 1,881.30 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय वस्तुओं पर संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण घरेलू इक्विटी सूचकांकों में मामूली गिरावट देखी गई। इसके अतिरिक्त अमेरिका की प्रस्तावित व्यापार नीति से मुद्रास्फीति संबंधी दबाव बढ़ने की उम्मीद है। फेड के नवीनतम मिनटों से संकेत मिलता है कि ब्याज दरों में कटौती में देरी हो सकती है।एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग नकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार अधिकतर तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत बढ़कर 76.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को सेंसेक्स 28.21 अंक या 0.04 प्रतिशत गिरकर 75,939.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 12.40 अंक या 0.05 प्रतिशत गिरकर 22,932.90 पर बंद हुआ।दूसरी ओर, विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 33 पैसे मजबूत होकर 86.65 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच डॉलर/रुपये की विनिमय दर में नकारात्मक रुझान है तथा विदेशी पूंजी का निरंतर बहिर्गमन निवेशकों की भावनाओं पर असर डाल रहा है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.88 पर खुला और इंट्राडे के दौरान डॉलर के मुकाबले 86.58 के उच्चतम स्तर और 86.88 के न्यूनतम स्तर को छुआ। सत्र के अंत में यह डॉलर के मुकाबले 86.65 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 33 पैसे की बढ़त दर्शाता है। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे कमजोर होकर 86.98 पर बंद हुआ। बुधवार को 'छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती' के अवसर पर विदेशी मुद्रा बाजार बंद रहा।

क्या फिर दौड़ेगा टाटा मोटर्स का शेयर टेस्ला के साथ हो सकती है डील

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा मोटर्स के शेयर टेस्ला के साथ पार्टनरशिप के कारण फोकस में है। कैलिफोर्निया स्थित एलन मस्क कंपनी महाराष्ट्र में अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। बता दें, कि कंपनी कथित तौर पर साझेदारी के लिए टाटा मोटर्स के संपर्क में है। अभी 3:30 बजे के आस-पास बीएसई पर टाटा मोटर्स का शेयर 1.09% की बढ़ोतरी के साथ 688.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।इसके अलावा, शेयर की कीमत पर ध्यान केंद्रित करने का दूसरा प्रमुख कारण सीएलएसए से अपग्रेड ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने टाटा मोटर्स को आउटपरफॉर्म से हाई-कॉन्विक्शन आउटपरफॉर्म में अपग्रेड किया है। इसका टारगेट प्राइस 930 रुपये है। इस रेटिंग अपग्रेड के बाद टाटा मोटर्स का शेयर मूल्य इंट्राडे में 1.3% बढ़कर 690.95 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जेएलआर का मौजूदा शेयर प्राइस 320 रुपये प्रति इक्विटी शेयर 450 रुपये के टारगेट प्राइस से 29% दूर है।

बिजनस करने के बजाय कहीं और है युवा पीढ़ी का ध्यानः इससे चिंतित हैं उदय कोटक

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर बैंकर उदय कोटक ने भारत के आर्थिक भविष्य पर चिंता जताई है। उन्हें लगता है कि देश में आर्थिक जोश कम हो रहा है। कारोबारी घरानों की नई पीढ़ी कारोबार चलाने से ज्यादा निवेश पर ध्यान दे रही है। इससे देश में उद्यमिता की भावना कमजोर हो रही है। साथ ही उन्होंने सरकार से अमेरिकी आर्थिक नीतियों के कारण हो रहे कैपिटल आउटफ्लो पर ध्यान देने का आग्रह किया है। हाल के दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से काफी पैसा निकाला है जिससे शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। कोटक ने 'चेंजिंग ग्रोथ 2025 निवेशक सम्मेलन में कारोबारी घरानों की युवा पीढ़ी की सोच में बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे चिंता इस बात की है कि इस पीढ़ी के कई लोग, खासकर कोविड के बाद, आसान रास्ता चुन रहे हैं। वे फैमिली ऑफिस और निवेश का प्रबंधन कर रहे हैं, शेयर बाजार में कारोबार कर रहे हैं, म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं और ऐसे ही अपना पूरा काम मान रहे हैं।' कोटक ने जोर देकर कहा कि इन लोगों को सिर्फ निवेश पर ध्यान देने के बजाय व्यापार में लगना चाहिए।उन्होंने कहा, 'अगर किसी ने अपना कारोबार बेच दिया है, तो उसे नया कारोबार शुरू करने, खरीदने या बनाने के बारे में सोचना चाहिए। लेकिन मैं देख रहा हूं कि कई युवा कह रहे हैं कि मैं अपना फैमिली ऑफिस चला रहा हूं। इन्हें असली दुनिया में बिजनस बनाने चाहिए। नए सिरे से शुरुआत क्यों नहीं करते?' कोटक ने सवाल उठाया कि 35 या 40 साल की उम्र के लोग अर्थव्यवस्था में सीधे तौर पर ज्यादा योगदान क्यों नहीं दे रहे हैं? उन्होंने कहा, 'मैं इस पीढ़ी में सफलता के लिए भूख देखना चाहता हूं और नए बिजनस बनाते हुए देखना चाहता हूं। आज भी मेरा मानना है कि अगली पीढ़ी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और बिजनस बनाना चाहिए। बजाय इसके कि वे जीवन में इतनी जल्दी वित्तीय निवेशक बन जाएं।'कोटक ने भारत में शेयरों की ज्यादा वैल्यू और विदेशी निवेशकों के पैसा निकालने के बढ़ते चलन से होने वाले खतरों की ओर भी ध्यान दिलाया।

सिगरेट और तंबाकू पर लगेगा महंगाई का करंट
सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार सिगरेट और तंबाकू से जुड़े दूसरे प्रोडक्ट्स पर कंपंसेशन सेस को हटाकर जीएसटी बढ़ाने का विचार कर रही है। सिगरेट और दूसरे प्रोडक्ट्स पर मौजूदा समय में सेस और अन्य टैक्स के अलावा 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जिससे कुल इनडायरेक्ट टैक्स 53 फीसदी हो जाता है। जिन सुझावों पर विचार किया जा रहा है उनमें से एक है जीएसटी को 40 फीसदी तक बढ़ाना और उसके ऊपर अतिरिक्त एग्साइज ड्यूटी लगाना। सरकार का आइडिया ये है कि कंपंसेशन सेस और दूसरे सेस को हटाने के बाद किसी तरह के रेवेन्यू का नुकसान ना हो, जो 31 मार्च, 2026 के लिए निर्धारित है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार का मन कंपंसेशन सेस को दूसरे सेस से रिप्लेस करने के मूड में नहीं है। अधिकारियों के अनुसार 2026 के बाद कंपंसेशन सेस के भविष्य पर जीएसटी काउंसिल का

मंत्रिस्तरीय पैनल विचार-विमर्श कर सकता है। एक अधिकारी ने कहा, सेस को प्रभावी नहीं माना जाता है। उम्मीद है कि पैनल अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करेगा। इसके बाद जीएसटी काउंसिल सिफारिशों पर अंतिम फैसला लेगी।

कितनी होती है सरकार की कमाई

हानिकारक माने जाने वाले सामान, सिगरेट और अन्य धुआं रहित तंबाकू प्रोडक्ट्स पर वर्तमान में 28 फीसदी जीएसटी के अलावा कंपंसेशन सेस, बेसिक एक्साइज ड्यूटी और नेशनल डिजास्टर कंटीजेंसी फीस लगाई जाती है। लेकिन सिगरेट पर 53 फीसदी का कुल टैक्सेशन – जीएसटी और अन्य शुल्क – अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा रिकेमेंडेड 75 फीसदी रेट से काफी कम है। सिगरेट और पान मसाला सहित तंबाकू और तंबाकू प्रोडक्ट सरकार के टैक्स रेवेन्यू में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं – इनसे 2022-23 में सरकार को 72,788 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी।

कोई नया सेस नहीं

अधिकारी ने कहा कि मेज पर एक अन्य विकल्प कंपंसेशन सेस को हेल्थ सेस से बदलने का है, लेकिन कुछ राज्य इसके पक्ष में नहीं हैं केंद्र भी सैद्धांतिक रूप से नया सेस लाने के पक्ष में नहीं है। सिगार और सिगरेट जैसे उत्पादों पर 5 फीसदी कंपंसेशन सेस लगाया जाता है। इसके बाद प्रति हजार सिगार या सिगरेट पर 2,076 से 4,170 रुपए का एडिशनल स्पेसिफिक टैक्स लगाया जाता है, जो उनकी लंबाई, फिल्टर और उनमें फ्लेवर है या नहीं, इस पर निर्भर करता है।

तेल, टैरिफ, टेस्ला... भारत के पीछे क्यों पड़े हैं ट्रंप? कहीं अमेरिका के लिए ही भारी न पड़ जाएं फैसले

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले साल नवंबर में जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था, तब लग रहा था कि भारत के लिए सब सही होगा। शपथ ग्रहण तक भी लगभग सब सही रहा, लेकिन पिछले कुछ दिनों से ट्रंप बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए हैं जो भारत के लिए सही नजर नहीं आ रहे। यही नहीं, उन्होंने भारत का नाम लेकर भी कई अजीब बयान दिए हैं। शपथ लेने के बाद ट्रंप ने रूस की कुछ कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इसका उद्देश्य चीन पर रूसी तेल की रोक लगाना था। लेकिन ट्रंप के इस फैसले से भारत पर भी असर पड़ा। भारत अभी तक रूस से सस्ती दर पर तेल खरीद रहा था। लेकिन अमेरिका की ओर से रूस कंपनियों पर बैन लगने के बाद अब भारत को अमेरिका से महंगी कीमत पर तेल खरीदना होगा। सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) ने भी कहा है कि मार्च 2025 से वह रूस से तेल खरीदना कम करने जा रही है।टैरिफ को लेकर ट्रंप भारत पर कुछ ज्यादा ही सख्त नजर आ रहे हैं। वह भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की बात कह चुके हैं। यह बात उन्होंने उस दिन कही थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे

पर थे और अगले दिन ट्रंप से उनकी मुलाकात होनी थी। हालांकि जानकारों का कहना है कि अमेरिका के इस टैरिफ का भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। वहीं ट्रंप ने कहा है कि वह मेटल पर भी 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। यह टैरिफ भारत पर भी लगेगा।अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कार कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने को तैयार है। उन्होंने इसके लिए भारत में भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मस्क भारत में टेस्ला की कार बेचना चाहते हैं, लेकिन ट्रंप ऐसा नहीं चाहते।

एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि भारत बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है। उन्होंने कहा अगर एलन मस्क भारत में प्लांट लगाते हैं तो यह अमेरिका के साथ बहुत गलत होगाट्रंप ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट को बंद करके उसे विदेश मंत्रालय में शामिल करने का ऐलान किया है। इसे बंद करने से भारत के कई कार्यक्रमों को बड़ा झटका लग सकता है।

मुकेश अंबानी को लगा जैकपॉट शेयरों में आया 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जस्ट डायल के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त आई है। जस्ट डायल के शेयर गुरुवार को 911.90 रुपए तक पहुंच गए।बीएसई पर 8.32 फीसदी की उछाल है। पिछले तीन सत्रों में जस्ट डायल के शेयरों में 17 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है।यह बढ़ोतरी तब हुई जब ब्रोकरेज फर्म नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने जस्ट डायल के शेयरों को 'होल्ड' से 'बाय' में अपग्रेड किया। नुवामा का मानना है कि जस्ट डायल का बिजनेस बहुत शानदार कीमत पर मौजूद है। जस्ट डायल के पास दिसंबर 2024 तक 5,060 करोड़ रुपए का कैश है। यह इसके कुल मार्केट कैप का 72 फीसदी है।नुवामा का मानना है कि अगर जस्ट डायल एफवाई 26 से डिविडेंड देना शुरू करता है तो उसका डिविडेंड यील्ड लगभग 7.3 फीसदी हो सकता है। हालांकि जस्ट डायल के शेयरों ने पिछले एक साल में कमजोरी दिखाई है। वर्तमान में भी इसने 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। फिर भी लंबी अवधि में जस्ट डायल के शेयरों में 42 फीसदी की बढ़त और 5 सालों में 80 फीसदी की तेजी आई है।20 फरवरी को बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में बंद हुए। हालांकि मिड, स्मॉल और माइक्रो कैप कंपनियों में खूब पैसा लगाया गया।

क्या भारत आर्थिक गतिविधियों में सुधार की राह पर है? आरबीआई ने जताया अनुमान

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। देश में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने के संकेत हैं और इसके आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को जारी अपनी बुलेटिन में यह बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन बिक्री, हवाई यातायात, इस्पात खपत और जीएसटी ई-वे बिल जैसे आंकड़े इसकी पुष्टि कर करते हैं।

डॉलर के मजबूत होने से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ी चुनौती

आरबीआई के फरवरी बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' नामक एक लेख में कहा गया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती और व्यापार नीति से डॉलर मजबूत हो रहा है। इससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी की निकासी बढ़ सकती है और बाहरी मोर्चे पर स्थिति नाजुक हो सकती है। आरबीआई के अनुसार मजबूत आंकड़ों के असाथ आर्थिक गतिविधियों की गति

बरकरार रहने की उम्मीद है। कृषि क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन से ग्रामीण मांग को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित आयकर राहत के बीच मुद्रास्फीति में गिरावट के साथ खर्च योग्य आय में वृद्धि को देखते हुए, शहरी मांग में भी सुधार की उम्मीद है।

आर्थिक गतिविधियों में छमाही आधार पर वृद्धि का संकेत

आरबीआई बुलेटिन के लेख में कहा गया है, " चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही के उच्च आवृत्ति संकेतक (वाहन की बिक्री, हवाई यातायात, इस्पात खपत आदि) आर्थिक गतिविधियों में छमाही आधार पर वृद्धि का संकेत दे रहे हैं और इसके आगे भी जारी रहने की संभावना है।'' आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) का निर्माण 'डायनामिक फैक्टर मॉडल' का उपयोग करके आर्थिक गतिविधियों के 27 उच्च आवृत्ति संकेतकों से सामान्य रुख को निकालकर किया जाता है। रिजर्व बैंक बुलेटिन के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रहे राजनीतिक और तकनीकी परिदृश्य के बीच विभिन्न देशों में अलग-अलग दृष्टिकोण के साथ स्थिर लेकिन मध्यम गति से बढ़ रही है।

महंगाई में कमी की धीमी गति बाजार में चिंता का कारण

लेख में लिखा गया है कि महंगाई में कमी की धीमी गति के कारण वित्तीय बाजार में चिंता की स्थिति है। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का दबाव और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट देखी जा रही है।

एअर इंडिया ने लुफ्थांसा के साथ कोडशेयर साझेदारी का किया विस्तार
यूरोप–अमेरिका जाने वालों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। निजी विमानन कंपनी एअर इंडिया ने गुरुवार को लुफ्थांसा समूह के साथ अपनी कोडशेयर साझेदारी के विस्तार की घोषणा की, जिसके तहत भारत के 12 शहरों और यूरोप के 26 शहरों में 60 अतिरिक्त मार्गों पर सेवाएं दी जाएंगी। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि इस विस्तार के हिस्से के रूप में, उसने ऑस्ट्रियन एयरलाइंस के साथ एक नया कोडशेयर समझौता किया है और लुफ्थांसा और स्विस इंटरनेशनल एयरलाइन्स (एसडब्ल्यूआईएसएस) के साथ अपने मौजूदा कोडशेयर समझौतों का विस्तार किया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने कहा कि वह अब अपने ग्राहकों को यूरोप में कुल 26 गंतव्यों और यूरोप में अपने गेटवे (फ्रैंकफर्ट, वियना और ज्यूरिख) से अलग अमेरिका में तीन गंतव्यों तक सेवाओं की पेशकश करेगी। पहली बार

ऑस्ट्रियन एयरलाइंस सहित लुफ्थांसा समूह की एयरलाइनों की ओर से संचालित कुछ सेवाओं पर 'एआई' पदनाम कोड रखा गया है। एअर इंडिया और लुफ्थांसा समूह की तीन एयरलाइन्स कंपनियां स्टार एलायंस की सदस्य हैं।

कोडशेयर मार्गों की कुल संख्या 55 से बढ़कर लगभग 100 हो जाएगी

बयान में कहा गया है कि विस्तारित समझौतों से एअर इंडिया, लुफ्थांसा और स्विस के बीच कोडशेयर मार्गों की कुल संख्या 55 से बढ़कर लगभग 100 हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, एअर इंडिया और ऑस्ट्रियन एयरलाइंस के बीच एक नए समझौते से 26 और कोडशेयर मार्ग जुड़ गए हैं। एअर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, हम इस दीर्घकालिक संबंध को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। इस नई साझेदारी से हमारे ग्राहकों को अधिक गंतव्यों तक पहुंच प्राप्त होगी तथा लुफ्थांसा समूह की एयरलाइनों पर यूरोप भर में यात्रा करने में अधिक सुविधा होगी।इसके अतिरिक्त, एयरलाइन ने कहा कि भारत और जर्मनी या स्विट्जरलैंड के बीच एअर इंडिया और लुफ्थांसा समूह की वर्तमान उड़ानों को भी विस्तारित कोडशेयर साझेदारी के तहत कवर किया जाएगा। लुफ्थांसा समूह के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी डाइटर व्रांक्स ने कहा, हमारे सहयोग को और आगे बढ़ाकर हम यूरोप और भारत के बीच यात्रा के विकल्प बढ़ाएंगे तथा अपने यात्रियों को अतिरिक्त गंतव्यों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेंगे।

सोने-चांदी में गिरावटः सोना 192 रुपए गिरकर 86,541 रुपए पर आया, चांदी 97,181 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 192 रुपए गिरकर 86,541 रुपए हो गया है। इससे पहले सोना 86,733 रुपए पर था, जो इसका ऑलटाइम हाई बनाया है। इसी तरह एक किलो चांदी की कीमत भी आज 385 रुपए कम होकर 97,181 रुपए किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 97,566 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,190 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 80,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 88,040 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,090 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 80,700 रुपये है।

1 जनवरी से अब तक सोना 10,379 महंगा हुआ

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 10,379 रुपए बढ़कर 86,541 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,164 रुपए बढ़कर 97,181 रुपए पर पहुंच गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-43 सूर्यास्त 18-21
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कुंभ	में	कुंभ...	06-13 बजे
चंद्र- वृश्चिक	में	मीन....	07-52 बजे
मंगल मिथुन	में	मेष....	09-28 बजे
बुध- कुंभ	में	वृष---	11-12 बजे
गुरु- वृष	में	मिथुन..	13-13 बजे
शुक्र- मीन	में	कर्क....	15-05 बजे
शनि- कुंभ	में	सिंह---	17-38 बजे
राहु- मीन	में	कन्या...	19-44 बजे
केतु- कन्या	में	तुला....	21-50 बजे
		वृश्चिक...	00-00 बजे
		धनु......	02-13 बजे
		मकर...	04-33 बजे

दिशाशूल – पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी . 11-58 तक उपरान्त नवमीं
मास - फाल्गुन कृष्ण , शुक्रवार 21 February
नक्षत्र - अनुराधा 15-53 तक ज्येष्ठा
योग - व्याघात 11-58 तक उप हर्षण
करण- कौलव 11-58 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सीता अष्टमी पर्व

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:02 से 12:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:43 - 08:08	शुभ	रोग	18:21 - 19:52	अशुभ
लाभ	08:08 - 09:35	शुभ	काल	19:52 - 21:24	अशुभ
अमृत	09:35 - 11:02	शुभ	लाभ	21:24 - 22:57	शुभ
काल	11:02 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:57 - 00:29	अशुभ
शुभ.	12:30 - 13:57	शुभ	शुभ	00:29 - 02:02	शुभ
रोग	13:57 - 15:24	अशुभ	अमृत	02:02 - 03:35	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:52	अशुभ	चंचल.	03:35 - 05:07	शुभ
चंचल	16:52 - 18:21	शुभ	रोग	05:07 - 06:43	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है, लेकिन जो आप करोगे , उसमे आनंद आएगा और जल्द ही इस में सफल होने की उम्मीद भी रहेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है । नया क्रय कार्ड न बनवाए।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अच्छा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा । उच्च प्रतिष्ठा वाला पद आपको प्रदान होगा जो की आपकी ताकत और धन में वृद्धि करेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है जिससे आगे चलकर आपके करियर की दिशा भी परिवर्तित हो सकती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है। आपको इस बहुत ही अनुकूल दिन का लाभ लेने के लिए अपने सभी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिल्ली छोड़ेंगे केजरीवाल, आतिशी को जिम्मेदारी मिलेगी

पंजाब-गुजरात में पार्टी मजबूत करेंगे, करप्शन से बिगड़ी इमेज सुधारने पर फोकस

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय विधानसभा चुनाव में हार से मायूस हैं, लेकिन उन्हें इत्मीनान है कि पार्टी का बड़ा वोट बैंक अब भी साथ है। दिल्ली की सत्ता गंवाने के बाद आम आदमी पार्टी हार की समीक्षा कर रही है। पार्टी को लगता है कि अब संगठन के लेवल पर सर्जरी की जरूरत है।

अब सिर्फ पंजाब में आप की सरकार है। ऐसे में पार्टी का फ्यूचर प्लान क्या है, हार के बाद वो संगठन में किस तरह के बदलाव करने वाली है, दिल्ली में सरकार को घेरने की उनकी क्या स्ट्रैटजी होगी? इसमें जो 4 बातें समझ आईं वे हैं..

दिल्ली में पार्टी को कमजोर कैडर से नुकसान हुआ, इसलिए अब संगठन की मजबूती पर काम होगा। पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में पार्टी का विस्तार और लीडरशिप को नई जिम्मेदारी देना। अरविंद केजरीवाल की इमेज पर काम करना, क्योंकि करप्शन के आरोपों का असर चुनाव के नतीजों पर पड़ा है। बीजेपी सरकार के कामकाज पर नजर रखना।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही आप विधायकों की मीटिंग हो रही हैं। पंजाब के उन विधायकों और कार्यकर्ताओं की भी मीटिंग हुई, जो दिल्ली चुनाव में लगे थे। पार्टी दिल्ली में जीतने और हारने वाले कैंडिडेट से वन-टु-वन मीटिंग कर उनका फीडबैक ले रही है। जल्द ही पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी यानी पीएसी बड़े फैसले ले सकती है। इसमें नई लीडरशिप से लेकर उसके एक्सपेंशन और आगे के एक्शन प्लान पर बात होगी। आप के एक विधायक पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताते हैं, 'हम पार्टी की हार को हार की तरह नहीं देख रहे। अरविंद केजरीवाल ने अपने सियासी सफर में शिखर पर पहुंचने से लेकर जमीन पर लौटने और जेल जाने तक सब देख लिया है। यहां से पार्टी फिर उठने पर फोकस करेगी।' वे कहते हैं कि पिछले कुछ साल से केजरीवाल पार्टी के विधायकों और कार्यकर्ताओं पर ध्यान नहीं दे पाए। संगठन पीछे छूट गया। अब हमारे पास वक्त है। हम समीक्षा कर सकते हैं। अब फैसले लेने का समय है।'

वहीं, बुराड़ी से 4 बार के विधायक संजीव झा कहते हैं, 'समीक्षा बैठकें चल रही हैं। लीडरशिप ने विधायकों, हारे उम्मीदवारों और जो भी दिल्ली चुनाव में ड्यूटी पर था, सबके साथ बैठक की है। इनसे निकले पॉइंट्स पर पॉलिटिकल अफेयर कमेटी मीटिंग करेगी। उसके बाद आगे का प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें अभी वक्त लगेगा।'

आप विधायक ने बताया, 'बीजेपी ने हमारे नेताओं की इमेज खराब की है। उन्होंने इंदिरा गांधी से महात्मा गांधी तक सबकी इमेज बिगाड़ने का काम किया है। फिर हम तो बहुत छोटी चीज हैं। आम आदमी पार्टी की इमेज भ्रष्टाचार मुक्त और ईमानदार पार्टी की है। इसलिए जनता हमसे जल्दी जुड़ जाती है। हम किसी जाति या धर्म की राजनीति नहीं करते। यही लोगों को पसंद आता है। इसी पर पार्टी काम करेगी।

अरविंद केजरीवाल की इमेज बिल्डिंग पर भी पार्टी काम करेगी। हम अपने नेता की ब्रांडिंग और मैसेजिंग पर फोकस करेंगे। करप्शन के आरोप में जेल जाने के बाद केजरीवाल ने सरकारी बंगला और कुर्सी दोनों छोड़ दिया। वो एक आम नागरिक की तरह रह रहे हैं। इसे हम जनता के बीच भी लेकर जाएंगे।

पार्टी दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में विस्तार करेगी

आप विधायक कहते हैं, 'पार्टी के हर विधायक को अपने लेवल पर विचार करने को कहा गया है। ज्यादातर समय हमें जनता के बीच मौजूदगी दर्ज करवाने पर ध्यान देना है। अब अरविंद केजरीवाल दिल्ली से फ्री हो गए हैं। अगले कुछ समय तक उनका प्लान उन जगहों पर काम करना होगा, जहां आम आदमी पार्टी मजबूत हो रही है, जैसे पंजाब और गुजरात।

वे आगे कहते हैं, 'अब उन पर ये आरोप नहीं लगा सकते कि वे दूसरे राज्यों में व्यस्त रहते हैं और दिल्ली को समय नहीं देते। वो देशभर में प्रचार करेंगे। हमने विधानसभा चुनाव में गुजरात में अच्छा परफॉर्म किया था। आगे का प्लान यही है कि पंजाब को सेफ रखते हुए पार्टी का राष्ट्रीय

स्तर पर विस्तार करेंगे। दिल्ली में जो गलतियां हुईं, उन्हें रिपीट नहीं करना है।'

पंजाब में 2017 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 20 सीटें जीतकर जबरदस्त एंट्री की थी। इसके बाद 2022 में 92 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी ने सरकार बनाई। इसी तरह गुजरात में आप ने 2022 के विधानसभा चुनाव में पहली बार 5 सीटें जीती थीं।

पार्टी आतिशी को सौंप सकती है दिल्ली का जिम्मा

विधायक आगे बताते हैं, 'दिल्ली की जिम्मेदारी अब जल्द ही किसी विधायक को दी जाएगी। मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह, सुशील गुप्ता, एनडी गुप्ता और सत्येंद्र जैन जैसे नेशनल लीडर अब देशभर में पार्टी के विस्तार पर काम करेंगे। इस दौरान नई लीडरशिप तैयार की जाएगी। उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में हमारे लीडर जा रहे हैं।' सोर्स के मुताबिक, पार्टी दिल्ली का जिम्मा पूर्व सीएम और कालकाजी से विधायक आतिशी को दे सकती है। दिल्ली में पार्टी का कामकाज और विधानसभा में पार्टी का पक्ष रखने की जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।

जानकार मानते हैं कि आप एक के बाद एक दूसरे राज्यों में चुनाव लड़ती रही, लेकिन संगठन तैयार नहीं किया। इससे पार्टी को नुकसान हुआ। इस पर सोर्स कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता पार्टी का दूसरे राज्यों में विस्तार करने से कोई फर्क पड़ा है। अगर हम इन राज्यों में नहीं जाते, तो आज जीरो पर खड़े होते।' 'गुजरात में हमारे पास 5 विधायक हैं। छत्तीसगढ़ और गुजरात नगर निगम में भी हमारे पास सीटें हैं। हम जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। पार्टी बिल्कुल सही दिशा में चल रही है। हमने 2014 में पंजाब से लोकसभा चुनाव लड़ा। तब हमें ऐसा करने से मना कर रहे थे। हमें उसी वक्त पता चल गया था कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की जमीन है। आज पंजाब, दिल्ली, गुजरात, गोवा, जम्मू-कश्मीर जैसे प्रदेशों में हमारे चुने हुए नुमाइंदे हैं। वहां हमारे कार्यकर्ता चुनाव लड़ रहे हैं और जीत भी रहे हैं।

आप को संगठन के स्तर पर मजबूत करेंगे

पार्टी के नए सिरे से संगठन बनाने के फैसले पर सोर्स बताते हैं, 'किसी भी बड़े चुनाव के बाद हर पार्टी को रिस्ट्रक्चर किया जाता है। हमारे कुछ विधायक और पार्षद बीजेपी या कांग्रेस में गए हैं। संगठन कमजोर हुआ है। विधायक पार्टी छोड़कर गए, तो उनके साथ कुछ कार्यकर्ता भी चले गए। केजरीवाल के जेल जाने से पार्टी के कामकाज पर असर पड़ा। सही फैसले नहीं लिए गए। उस पर मंथन चल रहा है। दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद पार्षद बीजेपी में चले गए, उनका हम अब कुछ नहीं कर सकते। जो कार्यकर्ता पार्टी के साथ हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं। साथ ही नई लीडरशिप को आगे लाने की तैयारी है। हमारी मौजूदा पार्षदों के साथ मीटिंग जारी है। हालांकि, अब तक कोई बड़ी मीटिंग नहीं हुई है, जैसी विधायकों के साथ हुई है।

दिल्ली में ग्राउंड पर आप कहां चूक गई? पुराने कार्यकर्ता बताते हैं कि हार की सबसे बड़ी वजह कार्यकर्ता और कमजोर संगठन रहा। हम दिल्ली की जिन सीटों पर जीते हैं, उन्हें बचाकर रखना भी चैलेंज है। पार्टी चुनाव हारने वाली है, इसका अंदाजा था। इसीलिए चुनाव हारने के अगले दिन से ही एक के बाद एक मीटिंग हो रही हैं। पार्टी के हारने के कई फैक्टर हैं। सबसे पहला और अहम फैक्टर हमारे कार्यकर्ता ही रहे। वे या तो दूसरी पार्टी में चले गए। या उन्हें लगने लगा कि हम चुनाव हार सकते हैं, तो वे शांत हो गए। पार्टी की योजनाओं को लोगों तक ठीक से नहीं पहुंचा सके। चुनाव से पहले हमने हर विधानसभा में रेवड़ी पर चर्चा की थी। उसके तुरंत बाद हमें जनता को समझाना था कि आप ने हर परिवार को कितना फायदा दिया। अगर आप की सरकार रहेगी, तो हर परिवार की सालाना कितनी बचत होगी। इसे समझाते हुए हमें डोर-टु-डोर कैंपेन करना था। इसकी एक बुकलेट भी लॉन्च की गई थी। पता नहीं क्यों कार्यकर्ता ऐसा नहीं कर पाए।'

'पार्टी के 8 पॉइंट थे। हमें सामने वाले से पूछना था कि उनके घर पर कितने पुरुष और महिलाएं हैं। फिर हम बताएंगे कि अगर घर में दो महिलाएं हैं और वो फ्री बस का फायदा उठाती हैं, तो उनकी हर महीने 1000 रुपए बचत हो रही है। यानी फ्री बस से सालाना बचत 12 हजार रुपए है। हम इसे घर-घर नहीं पहुंचा पाए।' 'चुनाव आते-आते कार्यकर्ताओं में ओवर-कॉन्फिडेंस था। वे चुनाव के आखिर तक पहुंचते ही एक्टिव ही नहीं रह गए। अब इन कमियों को दूर करना है और पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करना है। देखा जाए तो बीजेपी के मुकाबले आप का वोट शेयर सिर्फ 2% कम है। इसे कवर करने के लिए पार्टी संगठन को रिस्ट्रक्चर करने की कोशिश कर रही है।' आप विधायक संजीव झा बताते हैं, 'बीजेपी मैंडेट खरीदने की कोशिश करती है। दिल्ली की कई विधानसभा सीटों पर खुलेआम शराब और पैसा बांटा। हमारे कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया गया। आम आदमी पार्टी के संगठन और बीजेपी की स्ट्रैटजी को हमने करीब से देखा है।'

'अब दिल्ली में विपक्ष की चुनौती स्वीकार करते हैं। हम आंदोलन से आए लोग हैं। लीडरशिप ने इसकी जिम्मेदारी ली है। बीजेपी ने जो वादे किए हैं, हम मजबूत विपक्ष बनकर उन्हें लागू करवाएंगे। दिल्ली में केजरीवाल जी ने जो काम कराए हैं, उन पर हमारी नजर रहेगी।'

आप में हमारे सोर्स और एक पार्षद बताते हैं, 'पार्टी जनता के हिसाब से भी स्ट्रैटजी बना रही है। बीजेपी ने आम आदमी पार्टी की योजनाएं जारी रखने का वादा किया है। इस पर हमारी नजर रहेगी कि बीजेपी की सरकार इन योजनाओं को कैसे लागू करती है।' 'जनता को वो सुविधाएं मिलनी चाहिए, जो बीजेपी ने देने का वादा किया है। संगठन के लेवल पर हम एनालिसिस कर रहे हैं कि हम कुछ सीटें और वोट क्यों हारे। हमें कहां से कम वोट मिले और ऐसा क्यों हुआ।'

विधायक देवेंद्र यादव को मिली जमानत

7 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे, बलौदाबाजार हिंसा केस में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में रायपुर जेल में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर हुई सुनवाई के बाद जमानत के निर्देश जारी कर दिए हैं। माना जा रहा है कि स्थानीय प्रक्रिया के बाद कल (शुक्रवार) शाम तक देवेंद्र यादव रायपुर जेल से बाहर आएंगे। वे 17 अगस्त से जेल में बंद थे।

10 जून 2024 को बलौदाबाजार में सतनामी समाज ने जैतखाम तोड़े जाने का विरोध करते हुए कलेक्टर और एसपी ऑफिस जला दिया था। इस मामले में भीड़ को भड़काने, आंदोलनकारियों का साथ देने का आरोप लगाकर कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव पर केस दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से इस केस को लेकर दिए गए दिशा निर्देश से जुड़े दस्तावेज बलौदाबाजार की अदालत में पेश किए जाएंगे।

विधायक देवेंद्र यादव की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपने बचाव में

कहा गया कि बलौदाबाजार हिंसा घटना वाले दिन वह सिर्फ सभा में शामिल हुए, लेकिन वो मंच पर नहीं गए, उन्होंने मंच से कोई भाषण नहीं दिया। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उन्होंने भीड़ को उकसाया होगा।

कार्यक्रम में शामिल होने और वापस लौट जाने का समय हिंसक घटना के समय से बिल्कुल अलग है। जहां हिंसक घटना हुई वहां देवेंद्र यादव मौजूद नहीं थे। उनकी गिरफ्तारी भिलाई स्थित उनके घर से हुई जो की घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर है। पुलिस की कार्रवाई पूरी तरह से गलत और राजनीति से प्रेरित है। 15 मई को सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को देर रात क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इसके बाद कार्रवाई की मांग उठी और लगातार लोकल स्तर पर प्रदर्शन हुए। 19 मई को पुलिस ने इस मामले में बिहार निवासी 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि नल-जल योजना कार्य में ठेकेदार पैसे नहीं दे रहा था। इसलिए शराब के नशे में आरोपियों ने तोड़फोड़ कर दी लेकिन इस कार्रवाई से समाज के लोग संतुष्ट नहीं थे।

इस बीच 10 जून को बलौदाबाजार में प्रदर्शन के दौरान अचानक से लोग उग्र हो गए और बवाल बढ़ता चला गया। हिंसा के दौरान कलेक्टर-एसपी दफ्तर में आगजनी की गई। कई गाड़ियां जला दी गई। इसके बाद कई जनप्रतिनिधि समेत करीब 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई। प्रदर्शन में एक वीडियो सामने आया जिसमें देवेंद्र यादव भी शामिल दिखे। इस मामले में उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया। एक बार वे पूछताछ के लिए बलौदाबाजार भी पहुंचे। इसके बाद 17 अगस्त को उनकी गिरफ्तारी हुई थी। बलौदाबाजार हिंसा में चालान रिपोर्ट के अनुसार अग्निकांड में 2.82 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी वाहन, निजी वाहन, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसी तरह से एसपी और कलेक्ट्रेट ऑफिस को प्रदर्शनकारियों ने जला दिया था। प्रदर्शन के दौरान आंदोलकारियों ने पुलिसकर्मियों और शासकीय कर्मचारियों से मारपीट करके उन्हें घायल भी किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शनकारी घटनाक्रम को अंजाम देने के लिए पेट्रोल बम लेकर पहुंचे थे।

बीजेपी ने भूपेश का बोरिया-बिस्तर समेटने का कार्टून किया जारी

जवाब में बघेल बोले- किसी को खुश होने की जरूरत नहीं, छत्तीसगढ़ नहीं छोड़ रहा

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पंजाब के नए प्रभारी बनाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, 'किसी को खुश होने की जरूरत नहीं, मैं छत्तीसगढ़ नहीं छोड़ रहा हूं।' उनका ये बयान बीजेपी के जारी किए गए एक कार्टून के जवाब में आया है, जिसमें उन्हें छत्तीसगढ़ से बोरिया-बिस्तर समेटकर जाते हुए दिखाया गया है।

बीजेपी के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से जारी किए गए भूपेश बघेल के कार्टून में 'बाई बाई छत्तीसगढ' का कैप्शन दिया गया है।

साथ ही छत्तीसगढ़ में हाथ साफ बताते हुए बघेल के कार्टून को बोरिया-बिस्तर ले जाते दिखाया गया है और साथ ही स्पीच बबल में पुरानी फिल्म का एक गीत 'हम तो चले परदेस, हम परदेसी हो गए' लिखा गया

है। इसी कार्टून पर पर प्रतिक्रिया देते हुए बघेल ने कहा कि उनकी राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी का असर प्रदेश की राजनीति में उनकी सक्रियता पर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रमन सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष होते हुए भी 5 साल राज्य से बाहर निकले ही नहीं। मैं प्रदेश में रहते हुए देश के विभिन्न राज्यों में चाहे वो संगठन के मामले हों या राज्य के, जिम्मेदारी दी गई तो उसका निर्वहन मैंने किया।

भूपेश बघेल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे प्रदेश की राजनीति से दूर हो जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से समर्पित रहेंगे।

राष्ट्रीय महासचिव और पंजाब के प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने के बाद दिल्ली से लौटे भूपेश बघेल का रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बुधवार को भव्य स्वागत हुआ। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता वहां पहुंचे और जोरदार नारेबाजी की।

बघेल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि पार्टी नेतृत्व जिसे भी किसी राज्य का प्रभार देता है, उसकी सफलता या असफलता की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर किसी को कोई जिम्मेदारी दी जाती है, तो उसका आकलन भी होना चाहिए।'

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में मंथन जारी है। बघेल की राष्ट्रीय महासचिव और पंजाब प्रभारी के रूप में नियुक्ति को पार्टी में बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया कि वे छत्तीसगढ़ में अपनी सक्रियता बनाए रखेंगे।

खंभे से टकराई कार 2 फोटोग्राफर की मौत

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कार खंभे से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि, एयरबैग खुलने के बावजूद 2 युवक की मौके पर ही मौत हो गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की वजह ओवर-स्पीड बताई जा रही है।

घटना विधानसभा थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान संदीप राय (28) निवासी पश्चिम बंगाल और दीपक साहू निवासी कोरबा के रूप में हुई है। दोनों शंकर नगर में किराए के मकान में रहकर फोटोग्राफर का काम करते थे।

शराब माफिया के बेटे को रंजिश में मारी गोलियां

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात, रोड जाम, पुलिस से धक्का-मुक्की

जमशेदपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर में बिष्टुपुर धातकीडीह मेन रोड पर बुधवार को शराब माफिया मुन्ना घोष के छोटे बेटे शिवम घोष (23) को बाइक और स्कूटी सवार बदमाशों ने गोली मार दी। बदमाशों ने छह राउंड फायरिंग की। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें पूरी वारदात कैद हुई है। परिजनों के आने तक वह 10 मिनट तक सड़क पर तड़पता रहा। शिवम का इलाज टीएमएच अस्पताल में चल रहा है। उसे बाईं आंख, गले और छाती में गोली लगी है। घटना को शिवम के पूर्व सहपाठी सूर्या, शिबू और मनोज ने अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज देखकर परिजनों और दोस्तों ने बदमाशों की पहचान की है। घटना के बाद शिवम के परिवार ने धातकीडीह मुख्य मार्ग जाम कर दिया। गुस्साए लोगों ने एक इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार को सीसीटीवी फुटेज नहीं देने पर घेर लिया और मारपीट की। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को हटाया। इस दौरान आक्रोशित लोगों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खत्म हुआ। देर रात तक इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। शिवम सोशल मीडिया पर भी सक्रिय था। पुलिस ने सोशल मीडिया को भी खंगाला तो पता चला कि वह खुद को शहर का डॉन बताकर अपने विरोधियों को खुली चुनौती दे रहा था। दुश्मनों को सबक सिखाने के लिए अक्सर पोस्ट डालता रहता था। इधर, मुन्ना घोष ने बताया कि बेटे शिवम को उसके स्कूल के सहपाठियों ने रंजिश में गोली मारी।

प्रयागराज जा रही बस में लगी आग

रामगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में बुधवार की देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रांची से प्रयागराज जा रही श्रद्धालुओं से भरी एसी बस में आग लग गई। यह घटना रात करीब 1 बजे कुज्जू ओपी क्षेत्र के एनएच-33 पर हुई। बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही कुजू-मांडू पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

जब तक आग पर काबू पाया जा सका, बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। पृथ्वी नामक बस रांची से कुंभ स्नान के लिए श्रद्धालुओं को लेकर रात में रवाना हुई।

सड़क हादसे में गिरिडीह और हजारीबाग में चार की मौत

गिरिडीह/हजारीबाग, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह और हजारीबाग में सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। गिरिडीह की घटना गुरुवार की सुबह हुई। इसमें फैक्ट्री जाने के दौरान दो युवकों को ट्रेलर कुचलता हुआ आगे निकल गया।

वहीं, हजारीबाग में हुई दुर्घटना बुधवार की देर रात हुई। इसमें एक ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। दोनों ही घटना में चारों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था। गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग पर डांडीडीह वनांचल कॉलेज के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार दो फैक्ट्री कर्मियों को कुचल दिया। हादसे में मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के झगरी निवासी शंकर साव पंडित (32) और पचंबा थाना क्षेत्र के बिशनपुर निवासी अनीश अहमद (32) की मौत हो गई। दोनों औद्योगिक क्षेत्र स्थित बालमुकुंद फैक्ट्री में काम करने जा रहे थे। दोनों एक ही बाइक से फैक्ट्री जा रहे थे। इसी बीच उनकी दूसरी बाइक से टक्कर हो गई और शंकर साव व अनीश सड़क पर गिर गए। इसी बीच पीछे से आ रहे ट्रेलर ने दोनों को कुचल दिया और आगे निकल गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इधर, खबर मिलते ही मृतकों के परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, एसडीपीओ जितवाहन उराव और मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो घटनास्थल पर पहुंचे। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बालमुकुंद फैक्ट्री प्रबंधन से बात की। सरकार की तरफ से दोनों मृतकों के परिवार को राहत और मुआवजे का आश्वासन दिया गया। इसके बाद जाम समाप्त हुआ।

झारखंड में 10वीं बोर्ड का साइंस-हिंदी का पेपर लीक

जेएसी ने रद्द किया एग्जाम, छात्र बोले-दो दिन से वायरल हो रहा था क्वेश्चन

कोडरमा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड बोर्ड ने गुरुवार को होने वाले साइंस और हिंदी की परीक्षा कैंसिल कर दिया है। बोर्ड ने ये फैसला साइंस और हिंदी के पेपर लीक के बाद लिया है। दरअसल, दसवीं कक्षा के साइंस का पेपर गुरुवार को लीक हो गया है। इससे पहले हिंदी परीक्षा का पेपर भी परीक्षा से एक दिन पहले ही लीक हो गया था। एग्जाम से बाहर आए छात्रों ने कहा, 'पिछले दो दिनों से साइंस के पेपर वायरल हो रहे थे। आज एग्जाम के दौरान सारे सवाल उससे मैच कर गए। मामला सामने आने के बाद झारखंड एकेडमी काउंसिल (जेएसी) ने बैठक बुलाई। जेएसी ने आज होने वाली साइंस और हिंदी की परीक्षा रद्द कर दी। छात्रों के मुताबिक, परीक्षा के दो दिन पहले ही साइंस और हिंदी का पेपर राज्यभर में वॉट्सऐप पर वायरल हो रहा था। आज पहली पाली हिंदी और दूसरी पाली साइंस में एग्जाम के दौरान वायरल पेपर के सारे प्रश्न एक जैसे ही थे। छात्रों का आरोप है कि पेपर 350 रुपए में बेचे गए हैं। सबसे पहले गिरिडीह और कोडरमा में यह प्रश्न पत्र वायरल होने की सूचना आई। एक वॉट्सऐप ग्रुप में क्यूआर कोड डाला गया और मैसेज भेजा गया कि मैट्रिक और इंटरमीडिएट की आयोजित परीक्षा के प्रश्नपत्र चाहिए तो इसके लिए 350 रुपए डालना होगा। मैसेज में 20 फरवरी को होने वाली साइंस की परीक्षा का प्रश्नपत्र देने का दावा किया जा रहा था। कुछ देर बाद पीडीएफ मोड में साइंस का प्रश्न पत्र वहां डाला गया, जिसका स्क्रीनशॉर्ट पूरे राज्य में वायरल हो गया। आज जब साइंस की परीक्षा खत्म हुई तो पलामू, गिरिडीह और कोडरमा के कुछ स्कूलों में इसकी पड़ताल शुरू की गई। छात्रों ने वायरल प्रश्नपत्र से हूबहू मिलते हुए प्रश्नपत्र आने की पुष्टि की और बताया कि इसी तरह का क्वेश्चन पेपर सोशल मीडिया के अलग-अलग साइट्स पर वायरल हो रहा था।

परीक्षा शुरू होने के बाद से ही 'जैक बोर्ड क्वेश्चन पेपर क्लास 10 एंड 12 2025' नाम से एक वॉट्सऐप ग्रुप एक्टिव है।

देवघर में महाशिवरात्रि पर 600 रुपये में शीघ्र दर्शन

देवघर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दौरान निकलने वाली शिव बारात की तैयारी अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर में इस वर्ष महाशिवरात्रि पर निकलने वाली शिव बारात का आयोजन पर्यटन विभाग कर रहा है। महाशिवरात्रि के सफल आयोजन को लेकर डीसी विशाल सागर की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में पंडा पुरोहित समाज के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सर्वसम्मति से शीघ्र दर्शन का शुल्क 600 रुपए तय किया गया। डीसी ने बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी को मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को बाबा नगरी में सुरक्षित जलार्पण के साथ सुखद अनुभव मिले। मंदिर प्रांगण और आसपास के क्षेत्रों में बिजली और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने के निर्देश दिए गए। शीघ्र दर्शन कूपन व्यवस्था को सरल बनाने पर भी चर्चा हुई। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व निर्धारित मार्ग से शिव बारात निकाली जाएगी। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक कुमार, हेडक्वार्टर डीएसपी लक्ष्मण प्रसाद, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंडा धर्मरक्षिणी के पदाधिकारी और धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनाने की योजना बनाई गई। पर्यटन विभाग द्वारा शिव बारात निकालने का निर्णय राज्य सरकार ने दो समितियों के बीच बारात निकालने को लेकर चल रहे विवाद को समाप्त करने के लिए लिया है। पिछले 31 वर्षों से शिवरात्रि महोत्सव समिति के अध्यक्ष राज नारायण खवाड़े की अध्यक्षता में शिव बारात निकाली जाती थी। कोरोना महामारी के कारण दो साल तक बारात का आयोजन नहीं हो सका था। पिछले दो वर्षों से यह आयोजन गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के नेतृत्व में हो रहा था।

इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व अभूतपूर्व रूप से मनाया जाएगा। पहली बार झारखंड पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित की जा रही शिव बारात में श्रद्धालुओं को एक साथ 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

ट्रम्प ने जेलेंस्की को मामूली कॉमेडियन और तानाशाह कहा

बोले– वो बिना चुनाव के राष्ट्रपति, जेलेंस्की ने कहा था– वो गलतफहमी में जी रहे

वॉशिंगटन/कीव, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ट्रम्प ने बुधवार को अपने मार-ए-लागो रिसोर्ट में दिए एक बयान में जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। इससे दोनों नेताओं के बीच विवाद गहरा गया है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा कि ट्रम्प गलत जानकारी के साथ, गलतफहमी में जी रहे हैं। जेलेंस्की का ये बयान ट्रम्प के एक आरोप के जवाब में आया था। दरअसल ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4% रह गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी की। इस पोस्ट में उन्होंने जेलेंस्की को एक मामूली कॉमेडियन और बिना चुनाव वाला एक तानाशाह बताया। जेलेंस्की को तानाशाह कहने के खिलाफ यूरोपीय नेता उनके समर्थन में उतर आए हैं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की की लोकतांत्रिक वैधता को नकारना पूरी तरह से गलत और खतरनाक है। जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बैरबॉक ने भी ट्रम्प के बयान को बेतुका बताया है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने भी जेलेंस्की को फोन कर उनके प्रति समर्थन दिखाया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक स्टार्मर ने कहा कि जंग के दौरान चुनावों को टालना पूरी तरह से सही था। स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने भी ट्रम्प की आलोचना की है। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो भी जेलेंस्की के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने X पर पोस्ट कर लिखा कि कनाडा हमेशा यूक्रेन के समर्थन में खड़ा रहेगा। अप्रूवल रेटिंग गिरने के ट्रम्प के दावे पर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि सबसे हालिया नतीजों में मुझे 58% वोट मिले हैं यानी इतने यूक्रेनी लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसलिए अगर कोई मुझे सत्ता से हटाना चाहता है, तो ये अभी काम नहीं करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प का हम सम्मान करते हैं, लेकिन अफसोस की बात है वे गलत जानकारी के बुलबुले में जी रहे हैं। मेरी अप्रूवल रेटिंग की गलत जानकारी रूस ही अमेरिका को दे रहा है।

दरअसल, यूक्रेन में राष्ट्रपति का कार्यकाल पिछले साल मई में खत्म हो चुका है। हालांकि, यूक्रेन में फरवरी 2022 को रूसी आक्रमण के बाद से ही सैन्य शासन लागू है। इसका मतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव स्थगित किए गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच विवाद बढ़ने की एक बड़ी वजह यूक्रेन का खनिज भंडार भी है। दरअसल, ट्रम्प ने जंग में मदद के बदले यूक्रेन से रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ मृदा खनिज) की मांग की थी।

इस डील के तहत अमेरिका ने यूक्रेन से ग्रेफाइट, लिथियम और यूरेनियम समेत सारे खनिज भंडारों में 50% हिस्सेदारी की मांग रखी थी।

सऊदी अरब के हाथ लगा 'नए तेल' का खजाना

प्रिंस एमबीएस का सपना हो रहा पूरा, दुबई की बादशाहत पर खतरा

रियाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सपना देखा था कि वह यूएई की तरह से अपने देश की अर्थव्यवस्था की तेल पर से निर्भरता को कम करेंगे। सऊदी प्रिंस ने इसके लिए विजन 2030 बनाया और इससे जुड़े हुए खरबों डॉलर के प्रोजेक्ट शुरू कराए। सऊदी अरब दुबई को टक्कर देने के लिए रेगिस्तान के अंदर 'अरबपतियों का स्वर्ग' कहा जा रहा नियोम शहर बसा रहा है। सऊदी प्रिंस के इन प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। सऊदी अरब में पर्यटन बूम करने लगा है और विदेशी पर्यटकों का खर्च 57 फीसदी बढ़ गया है। इससे सऊदी अरब की जमकर कमाई हो रही है और प्रिंस एमबीएस के लिए यह 'नया तेल' बन गया है। सऊदी अरब ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए साल 2019 में अपनी सीमाओं को दुनियाभर के पर्यटकों के लिए खोल दिया। कोरोना में जहां पर्यटन में गिरावट आई लेकिन अब सऊदी अरब में टूरिज्म बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। वर्ल्ड ट्रेड एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सऊदी अरब की कुल जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा बढ़कर 11.5 प्रतिशत हो गया है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के खर्च में पिछले साल के मुकाबले 57 फीसदी की तेजी आई है। एक्सपर्ट का कहना है कि जब दुनिया रीन्यूबल एनर्जी की ओर बढ़ रही है, तेल से मालामाल हुए सऊदी अरब के लिए पर्यटन नया तेल बन सकता है।

सऊदी अरब का सावरेन वेल्थ फंड अस्फार कंपनी की मदद से देश में पर्यटन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह कंपनी दूसरे दर्जे के शहरों में भी होटल और मनोरंजन प्रोजेक्ट चला रही है। अस्फार का अल बहाह के पहाड़ी इलाके में चलाया जा रहा प्राजेक्ट इस साल के आखिर तक पूरा हो सकता है। यह कंपनी जब अपने सारे प्रोजेक्ट पूरे कर लेगी तब साल 2030 तक 2000 होटल कमरे और जुड़ जाएंगे जिससे 50 लाख पर्यटक बढ़ सकते हैं। सऊदी सरकार ने टूरिज्म पर 1 ट्रिल्यन डॉलर खर्च करने का प्लान है। सऊदी का लक्ष्य 15 करोड़ टूरिस्ट को हर साल आकर्षित करने का है।

सऊदी सरकार मनोरंजन, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से टूरिज्म को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। इससे खुद उसके नागरिक और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक तेजी से बढ़ रहे हैं। सऊदी अरब का टूरिज्म रियाद पर फोकस है जहां पर साल 2030 में वर्ल्ड एक्सपो होने जा रहा है और साल 2034 में फीफा विश्वकप आयोजित होगा। सऊदी की कोशिश उन जगहों पर टूरिज्म को बढ़ाने पर है जहां पर कम पर्यटक जाते हैं।

सऊदी अरब के टूरिज्म सेक्टर में साल 2024 में 3.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। सरकार की योजना साल 2030 तक 80 अरब डॉलर के प्राइवेट कैपिटल की है। सऊदी अरब दुबई के मॉडल को अपने देश में दुहराना चाहता है जो दुनियाभर के पर्यटकों का पसंदीदा ठिकाना बन चुका है।

पाकिस्तान में आतंकियों ने 7 पंजाबियों की हत्या की

गोली मारने से पहले आईडी कार्ड चेक किया, बलूचिस्तान से लाहौर जा रहे थे

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने लाहौर जा रही एक बस पर हमला कर 7 लोगों का कत्ल कर दिया। रॉयटर्स के मुताबिक इन हमलावरों ने नेशनल हाईवे पर बैरिकेड लगाकर बस को रोका। इसके बाद सभी के आईडी कार्ड चेक किए और पंजाब के रहने वाले यात्रियों की गोलीमार दी।

हमलावर इन लोगों को जबरदस्ती उठाकर नजदीकी पहाड़ के पास ले गए। इसके बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी। एक पैसेंजर ने बताया कि हमलावरों की संख्या 10-12 थी और सभी के पास क्लाशिनकोवा बंदूकें थीं। अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और हत्याओं के पीछे का मकसद भी स्पष्ट नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है लेकिन हमलावर भाग निकले हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा- जो निर्दोष लोग मारते हैं और उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। डायचे वेले के अनुसार बीएलए पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत का सबसे बड़ा बलूच उग्रवादी समूह है। यह दशकों से पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। यह ग्रुप बलूचिस्तान की आजादी और अपने इलाकों से चीन को बाहर निकालने की मांग कर रहा है। बीएलए ने पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्सेज और चीन की सीपीईसी परियोजना को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। बलूचिस्तान में रहने वाले ज्यादातर बलूच लोग पाकिस्तानी सरकार से नाराज हैं। इन लोगों का कहना है कि सरकार उनके इलाकों के नेचुरल रिसोर्सेज का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रही है। बीएलए का कहना है कि लोकल आबादी को इन रिसोर्जेज से होने वाले मुनाफे में से कोई हिस्सा नहीं मिलता है। बलूचिस्तान आज भी पाकिस्तान का सबसे गरीब और सबसे कम आबादी वाला इलाका है। कई दशकों से यहां अलगाववादी सक्रिय हैं।

पनामा के होटल में फंसे अमेरिका से निकाले गए भारतीयों को कांसुलर मुहैया कराया

पनामा सिटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से पनामा पहुंचे सभी प्रवासी भारतीय होटल में सुरक्षित हैं। भारत अमेरिका से निकाले गए भारतीयों की मदद के लिए पनामा के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। पनामा में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी प्रवासी होटल में सुरक्षित और संरक्षित हैं। साथ ही दूतावास की टीम भारतीयों को कांसुलर पहुंच मुहैया करा रही है।

पनामा में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पनामा के अधिकारियों ने हमें बताया है कि कुछ भारतीय अमेरिका से पनामा पहुंचे हैं। वे सुरक्षित हैं और एक होटल में ठहरे हैं, जहां सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। दूतावास की टीम ने उनसे मिलने की अनुमति ले ली है। हम उनकी देखभाल के लिए स्थानीय सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पनामा में लगभग 300 लोगों को एक होटल में रोका गया है, जिन्हें अमेरिका ने निकाला है। ये लोग अलग-अलग देशों के हैं और जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, 40% से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद प्रवासियों ने खिड़कियों पर संदेश लिखे हैं, जिनमें लिखा है - मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं।

पनामा के उप विदेश मंत्री रुइज हर्नांडेज ने कहा कि 97 लोगों को एक शिविर में ले जाया गया। वे बंदी नहीं हैं। यह एक प्रवासी शिविर है। जहां उनकी देखभाल की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

चीन-रूस पर ट्रम्प का दोहरा रवैया

इनके अवैध अप्रवासियों को पैसेंजर प्लेन से भेज रहे, भारत में मिलिट्री प्लेन से भेजा

वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथग्रहण के 30 दिन पूरे हो गए हैं। इस दौरान ट्रम्प ने हजारों अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सैन्य विमान से डिपोर्ट किया है। हालांकि इस मामले में ट्रम्प का दोहरा रवैया नजर आया है।

चुनाव से पहले चीन को धमकाने वाले ट्रम्प अब चीन-रूस के 3 लाख अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने के लिए सैन्य विमान नहीं भेज रहे हैं। अमेरिकी गृह मंत्रालय के मुताबिक चीन के 2 लाख 60 हजार और रूस के 30 हजार से ज्यादा अवैध अप्रवासी हैं। इन्हें पैसेंजर फ्लाइट्स से डिपोर्ट किया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प चीन और रूस पर मेहरबान नजर आ रहे हैं। वे अमेरिकी रूसी अरबपतियों को संपत्ति को जब्त करने वाले आयोग को भंग कर चुके हैं। ट्रम्प ने पहले चीन पर 25% टैरिफ की धमकी दी, लेकिन 10% ही लगाया। टिकटॉक बैन पर नरमी बरत रहे। बीते दिनों अमेरिका ने तीन मिलिट्री फ्लाइट से 332 भारतीयों को वापस भेजा। पहली फ्लाइट 5 फरवरी को लैंड हुई थी। इसमें सभी लोगों को हथकड़ियां-बेड़ियां और जंजीर पहनाकर लाया गया था। इसे लेकर देश में हंगामा हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वे सुनिश्चित करेंगे कि लोगों के साथ ऐसा व्यवहार न किया जाए। इसके बाद 15 और 16 फरवरी को दो और फ्लाइट में लोगों को लाया गया। इसमें महिलाओं और बच्चों को छोड़कर पुरुषों को पहले की ही तरह लाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने मंगलवार को X पर एक वीडियो पोस्ट किया है। 41 सेकेंड के इस वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे अवैध अप्रवासियों को जंजीरों-बेड़ियों में जकड़कर प्लेन में चढ़ाया गया।

वीडियो में दिखता है कि एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मी एक-एक कर जमीन पर हथकड़ियां और बेड़िया रख रहे हैं। फिर लोग आते हैं और उन्हें हाथ-पैरों और कमर में बेड़ियों और जंजीरों में बांधा जाता है। वीडियो के आखिर में लोगों को प्लेन में चढ़ते दिखाया गया है। ट्रम्प ने हाल में पीएम नरेंद्र मोदी से वाइट हाउस में हुई बैठक में टैरिफ के मुद्दे को लेकर खुलासा किया। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि मैंने मोदी को साफ कहा कि भारत पर भी रेसिप्रोकल टैरिफ लगेगा।

इस पर कोई बात नहीं होगी। पीएम मोदी को ये बात भले ही पसंद नहीं आई, पर मैंने साफ कहा, अमेरिकी सामान पर भारत जितना टैरिफ लगाता है, हम भी उतना ही वसूलेंगे। इंटरव्यू में इलॉन मस्क ने भी आरोप लगाया कि भारत ऑटोमोबाइल इम्पोर्ट पर 100% टैरिफ लगाता है।

पोप के अंतिम संस्कार की रिहर्सल की जा रही

वेटिकन ने बताया– पोप को अपने बचने की उम्मीद नहीं, फेफड़ों के संक्रमण से जूझ रहे

रोम, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ईसाई कैथोलिक धर्म के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार की रिहर्सल शुरू हो गई है। वेटिकन के मुताबिक पोप ने कहा है कि निमोनिया से उनके बचने की उम्मीद नहीं है। यह दावा स्विस न्यूज पेपर ब्लिक ने किया है।

इस खबर के सामने आने के बाद स्विस गार्ड के प्रवक्ता ने इसे अफवाह बताया और कहा कि गार्ड्स को कर्फ्यू में रखा गया था। स्विस गार्ड्स अपने सामान्य रूटीन के मुताबिक काम कर रहे हैं।

दरअसल पोप फ्रांसिस पिछले हफ्ते से निमोनिया और फेफड़ों के संक्रमण की वजह से हॉस्पिटल में एडमिट हैं। वेटिकन में मौजूदा हालात को गंभीरता से लिया जा रहा है। वेटिकन ने गुरुवार को बताया कि पोप की हालात स्थिर है। उनके ब्लड टेस्ट में थोड़ा सुधार दिखाई दे रहा है। सीएनएन ने वेटिकन के एक सोर्स के हवाले से बताया कि पोप अपने बेड से उठकर अस्पताल के कमरे में कुर्सी पर बैठने की हालात में हैं।

पोप को सांस लेने में दिक्कत

88 साल के पोप बीते छह दिनों से बीमार चल रहे हैं। उन्हें पिछले हफ्ते शुक्रवार को रोम के जेमेली अस्पताल भर्ती कराया गया था। सोमवार को वेटिकन ने कहा था कि पोप फ्रांसिस को सांस नली में पॉलीमिक्रोबियल इन्फेक्शन है, जिसकी वजह से उनके मेडिकल ट्रीटमेंट में बदलाव करना पड़ा है।

इसके बाद मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि दोनों फेफड़ों में निमोनिया होने के बावजूद पोप फ्रांसिस अच्छे मूड में हैं। जबकि बुधवार को बताया गया था कि पोप की हालत गंभीर बनी हुई है।

वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी के मुताबिक पोप फ्रांसिस से उनके सबसे करीबी सहयोगियों के अलावा कोई और मिलने नहीं आया। ब्रूनी ने बताया कि पोप अस्पताल से ही काम कर रहे हैं।

बुधवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पोप से मिलने रोम के अस्पताल पहुंचीं। पोप यहां निमोनिया और दोनों फेफड़ों के संक्रमण के चलते भर्ती हैं। पोप और मेलोनी के बीच करीब 20 मिनट की मुलाकात हुई।

मुलाकात के बाद में मेलोनी ने बताया कि पोप की हालत में हल्का सुधार है और चेहरे पर मुस्कान हनी हुई है। अपने बयान में कहा, 'हमने हमेशा की तरह मजाक किया। पोप ने अपना सेंस ऑफ ह्यूमर नहीं खोया है।' पोप के भर्ती होने के बाद मेलोनी उनसे मिलने वाली पहली नेता हैं। पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी हैं, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान हैं जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है।

पुतिन जेलेंस्की से बातचीत करने को तैयार

कहा– पहली बैठक का मकसद यूएस–रूस के बीच भरोसा बढ़ाना था, यूक्रेन के बिना समझौता नहीं होगा

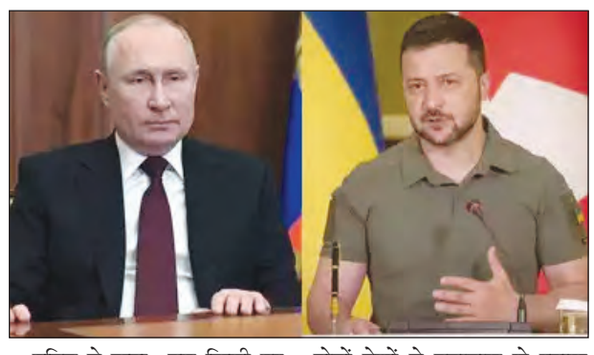

वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा है कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जंग रोकने के लिए किसी भी समझौते से यूक्रेन को बाहर नहीं रखा जाएगा।

दरअसल, मंगलवार को सऊदी अरब में हुई रूस और अमेरिका के बातचीत पर जेलेंस्की ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि बैठक में हमें न बुलाया जाना हैरान करने वाला है। कोई भी डील हमसे बात किए कैसे हो सकती है।

रूस की इंटरफैक्स और टास एजेंसी के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच भरोसा बढ़ाए बिना यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों का हल नहीं निकाला जा सकता है। रियाद में हुई बैठक का यही मकसद था।

पुतिन ने ये भी कहा कि रूस ने कभी यूरोप या यूक्रेन से बात करने से इनकार नहीं किया। बल्कि यूक्रेन ही अब तक रूस से बात करने से इनकार करता आया है।

पुतिन ने कहा- हम किसी पर कुछ भी नहीं थोप रहे। हम बात करने के लिए तैयार हैं। ये हम सैकड़ों बार कह चुके हैं। अगर वे राजी हैं, तो बातचीत होने दीजिए। कोई यूक्रेन को किसी समझौते से बाहर नहीं कर रहा है।

इसमें सहमति बनी कि दोनों देश जल्द से जल्द अपने दूतावासों को चालू करेंगे। यहां स्टाफ की भर्ती करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति न बने। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद दोनों देशों ने दूतावास से स्टाफ को निकाल दिया था। करीब तीन साल से दूतावास बंद पड़े थे।

इसके साथ ही पुतिन ने रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत को अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने बिना किसी पक्षपात के बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे ट्रम्प से मिलना चाहेंगे लेकिन इस बैठक की तैयारी करनी बाकी है। वहीं, जेलेंस्की की नाराजगी को लेकर ट्रम्प ने कहा कि मैं सुन रहा हूं जेलेंस्की कह रहे कि हमने बातचीत में उन्हें शामिल नहीं किया। सच तो ये है कि उनके पास बातचीत करने के लिए तीन साल का वक्त था। उससे पहले भी वे बात कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ये वक्त गंवाया। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4% रह गई है। इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा कि सबसे हालिया नतीजों में मुझे 58% वोट मिले हैं यानी इतने यूक्रेनी लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसलिए अगर कोई मुझे सत्ता से हटाना चाहता है, तो ये अभी काम नहीं करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प का हम सम्मान करते हैं, लेकिन अफसोस की बात है वे गलत जानकारी के बुलबुले में जी रहे हैं।

अदालत में पेश हुए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून

मार्शल लॉ लागू करने के फैसले का किया बचाव

सियोल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाभियोग झेल रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल गुरुवार को दो अदालतों में पेश हुए। यून सुक योल के खिलाफ देश में आपातकाल लागू करने के मामले में सुनवाई चल रही है। साथ ही यून सुक योल ने उनके खिलाफ चल रही महाभियोग कार्रवाई को भी चुनौती दी है। एक मामला आपराधिक है और दूसरा महाभियोग से जुड़ा है। दोनों मामलों की सुनवाई अलग-अलग अदालत में चल रही है। गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच यून सुक योल को सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश किया गया।

बीते साल दिसंबर में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मार्शल लॉ लागू करने का एलान किया था।

हालांकि जनता और विपक्ष के भारी विरोध के बाद कुछ घंटे बाद ही सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। राष्ट्रपति यून सुक योल ने दावा किया कि देश को उत्तर कोरिया और देश विरोधी ताकतों से खतरा है।

हमास ने 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाए

इसमें 9 महीने की उम्र में किडनैप बच्चे की भी बॉडी, हमास शनिवार को 6 बंधक रिहा करेगा

गाजा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव रेड क्रॉस एजेंसी को सौंप दिए हैं। इनमें शिरी बिबास और उनके 2 बच्चे एरियल बिबास और केफिर बिबास शामिल हैं।

7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इन्हें बंधक बनाया था, तब एरियल की उम्र 4 साल और केफिर की उम्र 9 महीने थे। इन बच्चों के पिता यार्डेन बिबास को इस महीने की शुरुआत में रिहा किया गया था। चौथा शव 83 साल के ओडेड लिफिशट्ज का है। उन्हें उनकी पत्नी योचेवेड के साथ किबुत्ज नीर ओज से अगवा कर लिया गया था। योचेवेड को हमान ने 24 अक्टूबर 2023 को रिहा कर दिया था। हमास शनिवार को 6 बंधकों को रिहा करेगा। यह पहले से तय संख्या से दोगुनी है। इन बंधकों के बदले इजराइल अक्टूबर 2023 से गिरफ्तार सभी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के फिलिस्तीनी लोगों को रिहा कर देगा। इसके साथ ही इजराइल मिस्र बॉर्डर के जरिए गाजा में मलबा हटाने वाली मशीनें ले जाने की परमिशन देगा। केफिर को जब बंधक बनाया गया उस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 9 महीने थी। तब वह हमास के कब्जे में सबसे कम उम्र का बंधक था। हमास ने नवंबर 2023 में दावा किया था कि शिरी और उनके दोनों बच्चों की इजराइली बमबारी में मौत हो चुकी है। हमास ने तब एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें यार्डेन बिबास अपने परिजनों की मौत का जिम्मेदार इजराइली पीएम नेतन्याहू को बता रहे थे। हालांकि, इजराइल ने कभी भी हमास के इस दावे को नहीं माना। एक इजराइली अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मृतक बंधकों का नाम घोषित करने से पहले इजराइल में उनकी पहचान की जाएगी। इन शवों की फोरेंसिक जांच के लिए तेल अवीव के अबू कबीर इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन ले जाया जाएगा। इजराइल और हमास में 19 जनवरी को बंधकों की रिहाई को लेकर सीजफायर हुआ था, जिसमें 3 फेज में बंधकों की रिहाई होना है। पहले चरण के तहत 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। इसमें से 19 बंधकों को अब तक 1100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जा चुका है।

श्रीलंका में ट्रेन से टकराकर 6 हाथियों की मौत

2 घायल हाथियों का चल रहा इलाज

कोलंबो, 20 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में गुरुवार की सुबह एक एक ट्रेन हाथियों के झुंड से टकराकर पटरी से उतर गई। कोलंबो से 180 किमी दूर हबराना के वाइल्ड लाइफ रिजर्व के पास हुई इस घटना में 6 हाथियों की मौत हो गई है। हालांकि इस हादसे में किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि दो घायल हाथियों का इलाज किया जा रहा है। श्रीलंका में हाथियों के झुंड का ट्रेन से टकराना नई बात नहीं है लेकिन पुलिस ने इस हादसे को अब तक की सबसे बड़ी वन्यजीव दुर्घटना करार दिया है। श्रीलंका में साल 2024 में हाथी-मानव मुठभेड़ में 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और करीब 500 हाथी मारे गए थे।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हर साल ट्रेन की टक्कर में लगभग 20 हाथी मारे जाते हैं। श्रीलंका में अनुमानित 7,000 जंगली हाथी हैं।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया सर्वांगीण विकास वाला बजट

अलवर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित बताया। उन्होंने इसे जनहितकारी एवं लोक कल्याणकारी बजट करार देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वित्त मंत्री दिया कुमारी और उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंत्री यादव ने कहा कि यह बजट आस्था, अंत्योदय, सबका साथ-सबका विकास और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर केंद्रित है। इससे न केवल आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि आमजन के जीवन में भी खुशहाली आएगी।

अलवर को मिली कई सौगातें

उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पर्यटन, पेयजल, रोजगार और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में यह बजट अलवर के विकास को गति देने वाला है। बजट में अलवर के मुंसी रानी की छतरी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, अलवर में डिजिटल प्लैनेटेरियम की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, अलवर-भिवाड़ी के शहरी क्षेत्रों को 900 करोड़ रुपये की लागत से क्लीन एंड ग्रीन इको सिटी के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि उन्होंने बजट से पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अलवर की विकास संबंधी मांगों को रखा था। उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री ने उन मांगों को गंभीरता से लिया और बजट में महत्वपूर्ण स्थान दिया।

भिवाड़ी और ईआरसीपी को लेकर बड़ी घोषणाएं

भूपेंद्र यादव ने कहा कि भिवाड़ी के औद्योगिक विकास को बजट में विशेष तवज्जो दी गई है, जिसके लिए पर्याप्त धनराशि प्रस्तावित की गई है। उन्होंने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर सरकार के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस योजना के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है।

इस परियोजना के पूरा होने पर अलवर जिले में पानी की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी और लोगों को भरपूर पानी मिलेगा। इसके अलावा, उन्होंने नए जिलों को बजट में राशि स्वीकृत करने के फैसले की भी प्रशंसा की, जिससे खैरथल, तिजारा और बहरोड़ को पर्याप्त विकास निधि मिलेगी।

आमजन की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा बजट

घोषणाओं का पुलिंदा बनकर रह गया : सचिन पायलट

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान विधानसभा में भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को वास्तविकता से परे और आमजन के हितों के विपरीत करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में नई घोषणाएं तो की हैं, लेकिन पिछले बजट में किए गए वादों की वर्तमान स्थिति पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। सरकार को नई घोषणाओं के साथ यह भी स्पष्ट करना चाहिए था कि उन्हें जमीनी स्तर पर कैसे लागू किया जाएगा। पायलट ने बजट में घोषित रोजगार नीति और युवाओं के लिए 1.25 लाख सरकारी नौकरियों की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वर्ष घोषित एक लाख सरकारी नौकरियों का क्या हुआ, इसके बारे में सरकार को आंकड़े पेश करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया जा रहा, जो कि गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने जल जीवन मिशन की समय सीमा 2028 तक बढ़ाने पर भी सवाल उठाए और कहा कि पिछले एक साल में हजारों करोड़ रुपये की बड़ी परियोजनाओं के टेंडर लंबित पड़े हैं। अमृत 2.0 योजना के तहत पिछले एक साल में 5000 करोड़ रुपये में से एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ, फिर भी बजट में उसी योजना की पुनः घोषणा कर दी गई।

महंगाई को लेकर भी उन्होंने बजट की आलोचना की और कहा कि केंद्र और प्रदेश दोनों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल और केरोसिन के दाम कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) पर भी सरकार को घेरा और कहा कि सरकार द्वारा 9500 करोड़ रुपये के वर्क ऑर्डर जारी करने और 12000 करोड़ रुपये के टेंडर आमंत्रित करने की बात कही गई है, लेकिन बजट में इसके लिए केवल 200 करोड़ रुपये का ही प्रावधान किया गया है, जबकि केंद्रीय मद में इसके लिए कोई राशि आवंटित नहीं की गई।

पायलट ने सरकार से पारदर्शिता बरतने और जनता को स्पष्ट रूप से बताने की मांग की कि ईआरसीपी के लिए वित्तीय प्रबंधन किस प्रकार हो रहा है और इसका जनता पर क्या दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पायलट ने कहा कि यह बजट आमजन की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

एलपीजी सिलेंडर की सब्सिडी पर राजस्थान विधानसभा में हंगामा

टीकाराम जूली ने सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को उज्ज्वला योजना को लेकर विधायक रामकेश मीणा ने सवाल उठाया। उन्होंने गंगापुर सिटी को लेकर सरकार से सवाल किया कि शहर में इस योजना के लिए 1 लाख 75 हजार लोग पात्र, लेकिन इसका लाभ केवल 1668 लोगों को ही क्यों मिला है।

इस सवाल का जवाब मंत्री सुमित गोदारा ने दिया। उन्होंने कहा कि गंगापुर सिटी में इस योजना के तहत अब तक 74 हजार कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं, 550 कनेक्शन अभी लंबित हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही बचे हुए कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में अब 73 लाख 82 हजार लोगों को इस योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। गोदारा ने बताया कि प्रदेश में इस योजना के लाभार्थियों को 450 में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं देश में अब 10 करोड़ 33 लाख कनेक्शन जारी हो चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाया सवाल

इस बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सिलेंडर सब्सिडी को लेकर सवाल पूछते हुए सरकार से जवाब मांगने लगे। हालांकि स्पीकर ने उन्हें सीट पर नीचे बैठने के लिए कहा और प्रश्नकाल की कार्यवाही आगे बढ़ा दी। इस पर कुछ देर के हंगामा हुआ, लेकिन फिर सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चलने लगी।

नरेश मीणा के माता-पिता ने की मुख्यमंत्री भजनलाल से मुलाकात

विधानसभा घेराव कार्यक्रम हुआ रद्द

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। समरावता प्रकरण को लेकर चल रहे विवाद के बीच नरेश मीणा के माता-पिता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उनकी बातों को गंभीरता से सुना और समरावता में हुए नुकसान की भरपाई एवं लगाए गए मुकदमों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

नरेश मीणा के पिता खजान सिंह मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद परिवार पूरी तरह संतुष्ट है। इसी के चलते 25 फरवरी को प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला लिया गया है। मीणा परिवार का कहना है कि मुख्यमंत्री ने निष्पक्ष तरीके से उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का भरोसा दिलाया है। इस मुलाकात के बाद अब परिवार को सरकार से न्याय मिलने की उम्मीद है।

विधानसभा में गूंजा कोटा में छात्र आत्महत्या का मुद्दा

सरकार बोली- 'कोचिंग संस्थानों में दादागिरी नहीं कर सकते'; विपक्ष का हंगामा

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र 2025 के दौरान कोटा में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों को लेकर जमकर बहस हुई। कांग्रेस नेता शांति धारीवाल ने सरकार से सवाल किया कि जब केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत कोचिंग संस्थानों में काउंसलर और साइकोलॉजिस्ट अनिवार्य किए जा चुके हैं, तो प्रदेश में कितने कोचिंग संस्थानों ने इस नियम का पालन किया है? क्या सरकार ने इसकी जांच के लिए अधिकारियों को भेजा है?

इस पर मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जवाब दिया कि राज्य सरकार एक नया कानून लाने की तैयारी कर रही है, जिससे कोचिंग संस्थानों में काउंसलर्स और साइकोलॉजिस्ट की नियुक्ति अनिवार्य की जाएगी। मंत्री ने बताया कि अब तक 27,000 छात्रों की काउंसलिंग करवाई जा चुकी है और सरकार ने काउंसलर्स व साइकोलॉजिस्ट की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक यह बिल पास नहीं होता, सरकार कोचिंग संस्थानों में अधिकारियों को नहीं भेज सकती। उन्होंने कहा कि हम कोचिंग संस्थानों में जाकर दादागिरी नहीं कर सकते। लेकिन सरकार छात्रों की सुरक्षा के लिए गंभीर है और जल्द ही बिल लागू किया जाएगा।

विधानसभा में सरकार के इस जवाब से विपक्ष को संतुष्टी नहीं मिली। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि छात्रों की आत्महत्याएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन हमें इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने नहीं दिया जा रहा।

वहीं, सरकार ने आश्वासन दिया कि 23 मार्च तक नया कानून लागू किया जाएगा और कोचिंग संस्थानों में काउंसलर व साइकोलॉजिस्ट की नियुक्ति की जाएगी।

डीजीजीआई की राजस्थान में सबसे बड़ी कार्रवाई

स्क्रैप-टीएमटी बार की 7 फर्म में 700 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआइ) की जयपुर यूनिट ने प्रदेश की सात स्क्रैप और टीएमटी बार से जुड़ी फर्मों पर कार्रवाई कर 700 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी है। यह प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है, जिसमें करीब 4000 करोड़ रुपए के फर्जी बिल बनाकर इतनी बड़ी टैक्स चोरी को अंजाम दिया गया।

कार्रवाई में बगरू स्थित निर्माण इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक घासीलाल चौधरी और सीकर के केसर देव शर्मा सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, इन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद जेल भेज दिया गया।

15 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई

डीजीजीआइ ने इन फर्मों के जयपुर, सीकर, उदयपुर और भीलवाड़ा सहित कुल 15 ठिकानों पर कार्रवाई की। जांच के दौरान वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले गए, जिनमें 13 लाख टन लोहे के सामान की फर्जी आपूर्ति के सबूत मिले।

डीलर से लेकर निर्माता की पूरी चेन का भंडाफोड़

डीजीजीआइ की जांच में पता चला कि ये सात फर्में एकजुट होकर प्रदेश में स्क्रैप की लाखों टन की आवाजाही को फर्जी चालान, बिल्टी व ई-वे बिल बनाकर अंजाम दे रही थी। डीजीजीआइ के अधिकारियों का कहना है कि ये एक अनूठा मामला था, जहां डीलर से लेकर निर्माता तक की पूरी चेन मिलकर रैकेट चला रहे थे।

टीएमटी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है, ये आरोपी कई महिनों से करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी कर रहे थे। गौरतलब है कि निर्माण इंफ्रा के निदेशक घासीलाल चौधरी कांग्रेस के टिकट पर मालपुरा से चुनाव लड़ चुके हैं। इनके अलावा यश चंदानी, मनोज विजय, नवीन यादव, गुलाम फरीद, अरुण जिंदल को गिरफ्तार किया है।

2.01 लाख करोड़ कि टैक्स चोरी पकड़ी

जीएसटी की इन्वेस्टीगेशन विंग डीजीजीआई ने 2024 में देशभर में 2.01 लाख करोड़ कि टैक्स चोरी पकड़ी है। डीजीजीआई ने 2022-23 के मुक़ाबले डबल टैक्स चोरी पकड़ी है। डीजीजीआई ने सबसे ज़्यादा बैंकिंग, इंश्योरेंस और ऑनलाइन गेमिंग में टैक्स चोरी के केस पकड़े हैं डीजीजीआई ने आयरन स्क्रैप, स्टील, स्टील ऐलॉय में बड़ी संख्या में केस पकड़े हैं।

पानी की टंकी में गिरने से हुई तीन छात्राओं की मौत पर बेनीवाल ने सरकार को घेरा, दी आंदोलन की चेतावनी

बीकानेर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जिले की नोखा तहसील के केड़ली गांव में मंगलवार को हुए दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदय विदारक घटना में सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली तीन मासूम छात्राओं की स्कूल परिसर में ही बने पुराने और जर्जर पानी के टांके में डूबने से मौत हो गई। मृतक छात्राओं की पहचान प्रज्ञा (6), रवीना (7) और भारती (8) के रूप में हुई है। ये तीनों एक ही परिवार की सदस्य थीं। घटना के बाद स्थानीय लोग और परिजन प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल मौके पर पहुंचे और घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे प्रशासन की गंभीर लापरवाही करार दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी ऐसी घटनाएं होना बेहद शर्मनाक है और सरकार इस पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

हनुमान बेनीवाल ने सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक लापरवाह अधिकारियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई नहीं की, तो इस घटना को लेकर पूरे राजस्थान में व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार पर भी तीखा हमला बोला और कहा कि सवा साल में यह सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

प्रशासनिक लापरवाही के कारण निर्दोष बच्चों की जान गई है और अब तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई है।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने धरना स्थल और स्कूल परिसर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। स्थानीय लोग और परिजन न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

परिजनों का कहना है कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ, क्योंकि जिस पानी के टांके में बच्चियां गिरीं, वह जर्जर अवस्था में था और लंबे समय से उसे सही नहीं करवाया गया था। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यदि स्कूल प्रबंधन ने समय रहते उचित मरम्मत कार्य करवाया होता, तो आज यह दर्दनाक हादसा नहीं होता।

मौताणा विवाद में 37 आरोपी हुए नामजद, अब तक सात गिरफ्तार

फरार आरोपियों की तलाश जारी

सिरोही, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले के आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के धमासरा ग्राम पंचायत में मौताणा विवाद को लेकर हिंसा भड़क उठी। पुलिस ने मामले में 37 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें से 7 को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गत मंगलवार को आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के घर पर हमला कर भारी तोड़फोड़ और लूटपाट की। इसके बाद उन्होंने घरों को आग के हवाले कर दिया और मौके से फरार हो गए। 14 जनवरी 2025 को आबूरोड के रोडवेज बस स्टैंड के पास रंजिश के चलते चार युवकों ने

कालूराम गरासिया की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद मौताणा (मुआवजा) देने की सहमति बनी थी, लेकिन एक माह बाद भी पीड़ित परिवार को राशि नहीं मिली। इसके चलते आक्रोशित पक्ष ने मंगलवार को हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया। हमलावरों को देखकर पीड़ित परिवार के लोग घर छोड़कर भाग गए। करीब दो घंटे तक उपद्रवियों ने तोड़फोड़ और लूटपाट मचाई। हमलावरों ने 15 बकरे चुरा लिए, जिनमें से दो को मौके पर ही काट दिया। पांच पक्के मकानों में से दो को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि तीन में तोड़फोड़ की गई।

पांच झोपड़ियों में से तीन को जला दिया गया। इसके अलावा, हमलावरों ने सोने-चांदी के आभूषण, दो लाख रुपये नकद, दो बाइक, एक साइकिल और एक टीवी को तोड़ दिया। घरों में रखी 15 बोरी गेहूं भी नष्ट कर दी गई। पुलिस ने अब तक सात आरोपी बंकाराम, गोवाराम, मोनाराम, जोगाराम, दिनेश, पप्पुराम और चमन को गिरफ्तार कर लिया है।

भीषण हादसा, कार के परखच्चे उड़े, मासूम सहित मां-दादा की मौत

करौली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के करौली जिले के नजदीक हिंडौन सिटी के महवा मार्ग पर देवलन मोड़ के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तेज रफ्तार ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिससे कार में सवार दादा, मां और उसके मासूम बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

एक साथ तीन पीढ़ी के सदस्य खत्म

हादसे में तीन पीढ़ियों के तीन सदस्यों की मौत हो गई है। मृतकों

की पहचान सेना से रिटायर्ड हवलदार बाबूलाल गुर्जर 73, उनकी बहू रोशना 30 और पोते रियांश 1 के रूप में हुई है। वे जयपुर से इलाज कराकर अपने गांव तिघरिया, हिंडौन लौट रहे थे, लेकिन सफर उनके लिए आखिरी साबित हुआ। जैसे ही उनकी कार देवलन मोड़ के पास पहुंची, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

मौके पर ही दम तोड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक अचानक सामने आ गया, जिससे ड्राइवर कार को संभाल नहीं पाया और टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही नई मंडी थाना प्रभारी कुलदीप चारण पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेज दिया और हादसे की जांच शुरू कर दी। फिलहाल ट्रक चालक फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश की जा रही है।

गांव में शोक की लहर

इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक ही परिवार के तीन लोगों की असमय मौत से रिश्तेदार और गांव के लोग गहरे सदमे में हैं। बताया जा रहा है कि आज तीनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

4.5 करोड़ मूल्य के कार्बन पर पैलेडियम के साथ पकड़ा गया गिरोह

> 6 लोग हुए गिरफ्तार, संगारेड्डी पुलिस ने किया पर्दाफाश

संगारेड्डी, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ किया जो महंगे पैलेडियम ऑन कार्बन (पीडीसी) की चोरी कर रहा था। पीडीसी, पैलेडियम का एक रूप है, जो एक रासायनिक तत्व और महंगी दुर्लभ धातु है, जिसका उपयोग फार्मा कंपनियों में उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है। पुलिस ने आरोपियों से 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की पीडीसी बरामद की और छह लोगों को गिरफ्तार किया। उत्प्रेरक पीडीसी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पैलेडियम, सोना, चांदी, प्लैटिनम और पैलेडियम की चार कीमती धातुओं में सबसे महंगा माना जाता है।

गुरुवार को संगारेड्डी में संवाददाताओं से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक चेन्नुरी रूपेश ने कहा कि मुख्य आरोपी अल्लाम संबासिवुडु को फार्मास्युटिकल कंपनियों में काम करने का पूर्व अनुभव था, उसने फार्मा कंपनियों से पीडीसी चोरी करने का निर्णय लिया था। संबासिवुडु ने प्रसाद साहेब सिटोले और अनमोल जग्गे के साथ मिलकर एक समूह बनाया, जो पुणे में एक फार्मा कंपनी में संबासिवुडु के साथ काम करते थे। संबासिवुडु हैदराबाद चला गया और पीडीसी की चोरी और बिक्री जारी रखी। काम करने का तरीका यह था कि वे रसायन चुराने के लिए फार्मा कंपनियों के स्टोर मैनेजरों से दोस्ती करते थे।

ऐसी ही एक घटना में, संबाशिवुडु ने 8 फरवरी को सदाशिवपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत यावपुर में एरिना लाइफ साइंसेज से 110 किलोग्राम गीला पीडीसी और 55 किलोग्राम सूखा पीडीसी चुरा लिया। संबाशिवुडु ने स्टोर मैनेजर तुम्मा मुक्कन्ति रेड्डी की मदद ली। कंपनी प्रबंधन की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और बुधवार को मद्दिकुंटा चौराहे पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि आरोपियों ने पिछले दिनों गुम्माडिडाला स्थित एक फार्मा कंपनी से 35 लाख रुपये मूल्य की पीडीसी और आईडीए बोलाराम स्थित एक अन्य कंपनी से 8 किलोग्राम पीडीसी चोरी की थी। यह गिरोह बीदर और गुजरात में दो अन्य ऐसे मामलों में भी शामिल था। गिरोह के पांच अन्य सदस्य फरार हो गए। गिरफ्तार किए गए लोगों में संबसिवुडु, प्रसाद, आदित्य अंकुश, मुक्ती रेड्डी, मट्टा कुटुम्बा राव और गुम्माडी श्रीनिवास राव शामिल हैं।

झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने वारंगल के उरूस में एक क्लिनिक पर छापा मारा, जहां एक झोलाछाप बिना उचित योग्यता के क्लिनिकल प्रैक्टिस कर रहा था। जनवरी, 2024 से अब तक टीएसडीसीए ने 147 झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, जिनके पास एमबीबीएस की डिग्री नहीं है, लेकिन वे एलोपैथी का अभ्यास कर रहे हैं। छापे के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने परिसर में बिना ड्रग लाइसेंस के रखे गए एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक आदि सहित 14 प्रकार की दवाइयां पकड़ीं और 10,000 रुपये मूल्य की दवाएं जब्त कीं। डीसीए अधिकारियों ने झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक में जेंटामाइसिन समेत कई एंटीबायोटिक्स और डेक्सामेथासोन समेत स्टेरॉयड पाए। डीसीए निरीक्षण टीमों ने विश्लेषण के लिए दवाओं के नमूने उठाए हैं और आगे की जांच की जाएगी, और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना पुलिस ने असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया : डॉ. जितेंद्र

डीजीपी ने ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के विजेताओं को पुरस्कार दिए

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने गुरुवार को 10 से 15 फरवरी तक झारखंड के रांची में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

डीजीपी ने डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक विशेष अभिनंदन कार्यक्रम में कहा कि तेलंगाना पुलिस टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के पुलिस कर्मियों ने अपने उच्चतम कौशल, अनुशासन और जांच के लिए वैज्ञानिक सहायता, एंटी-सैबोटेज चेक कंप्यूटर जागरूकता, डॉग स्क्वाड प्रतियोगिता, समग्र टीम चैम्पियनशिप कुल 18 योजनाएं जीती हैं और राज्य का मान बढ़ाया है। तेलंगाना पुलिस टीम ने देश भर के विभिन्न राज्यों से भाग लेने वाली पुलिस टीमों के बीच 'ओवरऑल टीम चैंपियनशिप' जीती और कड़ी मेहनत और लगन से अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने कहा कि 6 स्वर्ण, 4 रजत और 8 कांस्य पदक जीतने वाली तेलंगाना पुलिस टीम ने असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। डीजीपी, सीआईडी और तेलंगाना पुलिस ड्यूटी मीट की नोडल अधिकारी शिखा गोयल, खेल आईजीपी एम. रमेश ने पुरस्कार वितरण में भाग लिया सीआईडी एसपी बी जिन्होंने तेलंगाना पुलिस टीम के टीम मैनेजर के रूप में काम किया। राम रेड्डी, कोच लू आईएसडब्ल्यू, एसपीएम पुरस्कार पाने वालों में रामकृष्ण, जेनको के अतिरिक्त एसपी डी प्रताप, सचिवालय सुरक्षा एसीपी पूर्णचंदर और अन्य शामिल थे।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस, राचकोंडा के साथ एसओटी, महेश्वरम जोन टीम ने एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। एक ड्रग पेडलर को पकड़ा और 300 किलोग्राम गांजा, टाटा कंटेनर वाहन जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 1 करोड़ पांच लाख रुपये है। सीपी राचकोंडा जी सुधीर बाबू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ट्रांसपोर्टर अहमद गुलाब शेख निगिडी, रूपी नगर, पुणे, महाराष्ट्र राज्य का रहने वाला है। जबकि इस मामले में एक अन्य आरोपी बुज्जी बाबू निवासी वैजाग, एपी राज्य फरार है।

उन्होंने कहा कि आरोपी अहमद गुलाब शेख महाराष्ट्र के पुणे में जन्मा और पला-बढ़ा है, वह ड्राइवर के तौर पर काम करके अपनी आजीविका चलाता है। आर्थिक तंगी के कारण उसने गांजा का परिवहन करके आसानी से पैसे कमाने का फैसला किया। अहमद गुलाब शेख वैभव और देवा दोनों पुणे, महाराष्ट्र के निवासी हैं, जो ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने उसे ड्राइवर के तौर पर काम करने का प्रस्ताव दिया और यह भी आश्वासन दिया कि अगर वह आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से पुणे, महाराष्ट्र और अन्य जगहों पर गांजा पहुंचाता है, तो उसे 3 लाख रुपये प्रति खेप दिए जाएंगे। इससे पहले उसने दो खेप सफलतापूर्वक पहुंचाई और वैभव को सौंप दी। आरोपी वैभव और देवा महाराष्ट्र के पुणे में अपने एजेंटों को गांजा बेचते हैं। वैभव और देवा के निर्देश पर, आरोपी अहमद गुलाब शेख आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम गया और वैजाग के बुज्जी बाबू से 300 किलोग्राम गांजा (138 पैकेट) एकत्र किया, पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान पकड़े जाने से बचने के लिए इसे टाटा कंटेनर के प्लास्टिक स्क्रैप लोड के साथ कंटेनर में छिपा दिया और हैदराबाद के रास्ते पुणे, महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गया। गुरुवार को एसओटी, महेश्वरम ज़ोन टीम ने अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ एनएच-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के पास टाटा कंटेनर असर संख्या एमएच-16-सीडी-2076 को रोका और आरोपी अहमद गुलाब शेख को तस्करी के गांजे के साथ पकड़ा।

शेष आरोपियों को पकड़ने के लिए एसओटी और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस से मिलकर एक विशेष टीम बनाई गई है और टीम काम पर लगी हुई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव ने जयशंकर भूपालपल्ली जिले का दौरा किया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख सचिव, (खान एवं भूविज्ञान) ने वीसीएमडी, टीजीएमडीसी के साथ 20-2-2025 को गाद निकासी क्षेत्रों के निरीक्षण के तहत जयशंकर भूपालपल्ली जिले का दौरा किया।बोम्मापुर/2024/1, एल्केश्वरम/2024/2, अन्नाराम कमिशन, पुस्कापल्ली (पलुगुला 6) और मद्दुलापल्ली (पलुगुला 7) से संबंधित गाद निकासी क्षेत्रों में निरीक्षण किया और रेत ठेकेदारों और स्थानीय ग्रामीणों के सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाया। प्रधान सचिव ने रेत ठेकेदारों को रेत की अधिक मात्रा की आवश्यकता के महत्व के बारे में समझाया और लोगों को रेत की आपूर्ति में वृद्धि की भी जानकारी दी।

प्रधान सचिव ने कलेक्टर जयशंकर भूपालपल्ली से बातचीत की और जिला कार्मिकों को तैनात कर नियमित रूप से निरीक्षण करने तथा अवैध रेत निकासी और परिवहन को पूरी तरह से बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर को नए क्षेत्रों की खोज करने और जिले में रेत की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए, क्योंकि जयशंकर भूपालपल्ली में राज्य में रेत की सबसे अधिक संभावना है। प्रधान सचिव ने अंत में जिला प्रशासन, रेत ठेकेदारों और खान एवं भूविज्ञान विभाग तथा टीजीएमडीसी के अधिकारियों को कई निर्देश दिए।

दुर्घटना में 5 महीने के बच्चे समेत 2 की मौत

भुवनगिरी, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चौटुप्पल मंडल के दांडू मलकापुरम गांव के पास बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में 5 महीने के बच्चे समेत 2 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई जब हैदराबाद जा रही एक कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई और विजयवाड़ा की ओर जा रही एक अन्य कार से टकरा गई। टक्कर के कारण एक कार में सवार 3 लोगों में से 2 की मौत हो गई। दूसरे व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान साई कुमार (33) और वीरांश (5 महीने का शिशु) के रूप में हुई है। पीड़ित एक ही परिवार के थे जो हैदराबाद से सूर्यपेट जा रहे थे। हैदराबाद की ओर जा रही कार में सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आईं हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्त) दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में गुरुवार को अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में अपर महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे , सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा अन्य मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की।महाप्रबंधक ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार, विजयवाडा मंडल को आदर्श मंडल के रूप में तथा गुंटुपल्ली कारखाना को आदर्श कारखाना के रूप में रेल मंत्री राजभाषा शील्ड के लिए चयन किया गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को इसके लिए बधाई दी. उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए हिंदी में अधिकाधिक कार्य करें। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना अधिक से अधिक काम हिंदी में करने के लिए कहा. रेल संरक्षा से संबंधित सभी प्रलेखों, वेबसाइट सामग्री का अनिवार्य रूप में हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषिक रूप में होना सुनिश्चित करने के लिए कहा बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी ।

प्रतिबंधित गांजा तस्करी के आरोप में 11 गिरफ्तार

मंचेरियल, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल में सीसीटीवी कैमरों की आड़ में प्रतिबंधित गांजा की तस्करी करने के आरोप में गुरुवार को एक नाबालिग समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से 23.5 किलोग्राम गांजा, 11 मोबाइल फोन, 5 बाइक और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने वाली मशीन जब्त की। 11 अन्य आरोपी फरार हैं। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए, रामागुंडम के पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवासुलु ने पत्रकारों को बताया कि इरुगुल्ला सतीश, एक किशोर, मोहम्मद समीर, भीमा अनुदीप, मोहम्मद अब्दुल, जादी राघवेंद्र स्वामी, गुडुरु रामू, शेख अतहर और शेख समीर, सभी शहर के विभिन्न हिस्सों से, अर्जुन बाबू राव और मोहम्मद अजीज, दोनों करीमनगर को एक गुप्त सूचना के बाद पकड़ा गया।

अन्य आरोपी सीसीटीवी कैमरे के व्यापारी सोमा प्रवीण, शहर के थगरापु राजू, थगरापु श्रुति, थगरापु विनय, रामालयम राकेश, श्रीधर, मुन्नी, चिंटू, अलमेकर श्याम, साई और सोहेल फरार थे। पूछताछ करने पर ऑटो-रिक्शा चालक सतीश ने कबूल किया कि उसने जल्दी पैसे कमाने के लिए अपने दोस्त सोमा प्रवीण सहित 21 लोगों के साथ मिलकर गिरोह बनाया था। उसने भद्राचलम से कार से प्रतिबंधित पदार्थ खरीदने की बात स्वीकार की। उसने खुलासा किया कि उन सभी ने मिलकर %5,000 रुपये का निवेश करके यह पदार्थ खरीदा था। सतीश ने जांच अधिकारियों को बताया कि वे प्रवीण के गोदाम में गांजा जमा कर रहे थे। उसने खुलासा किया कि वे गोदाम में पाउच में भरकर इसे दूसरों के साथ बांट रहे थे। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी पहले से ही गांजा पीने के आदी थे और तस्कर बन गए थे। आरोपी शहर के युवाओं को अपना निशाना बना रहे थे।

यूओएच के चिकित्सा विज्ञान संकाय ने भारत के लिए स्वास्थ्य नीति के नुस्खे तैयार किए

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रोफेसर बी.आर. शमन्ना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) के शासी बोर्ड में नामित किया गया है। एनआईएचएफडब्ल्यू बोर्ड के तीन साल के कार्यकाल के सदस्य के रूप में, प्रोफेसर शमन्ना मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और स्वास्थ्य मंत्रालय, डीजीएचएस, आईसीएमआर और शीर्ष स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित सम्मानित सदस्यों में शामिल हुए। एनआईएचएफडब्ल्यू, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, जो भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एक तकनीकी संस्थान और थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है। इसके विभाग संचार, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन, महामारी विज्ञान और चिकित्सा देखभाल सहित विभिन्न स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मुद्दों को संबोधित करते हैं। इस उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठक में भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्य को और मजबूत करने के लिए पिछली उपलब्धियों का मूल्यांकन, योजनाओं को आकार देने और अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्री श्याम रथ शोभायात्रा 23 को

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति, काचीगुडा द्वारा 23 फरवरी को प्रातः 7.01बजे से माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार से श्री श्याम मन्दिर काचीगुडा तक "श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' का आयोजन किया जायेगा। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के सदस्यों की तैयारियाँ की समीक्षा बैठक श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा में सम्पन्न हुई। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल द्वारा दी गई।

समिति के अध्यक्ष चन्द्रकान्त डाकोतिया, मंत्री एवं श्री श्याम रथ शोभा यात्रा के चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल, सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, शोभा यात्रा के वाइस चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल, शोभा यात्रा संयोजक पुरुषोत्तमदास गोयल को राजकुमार गुप्ता ने मंच पर आमंत्रित किया । बैठक को सम्बोधित करते हुए इन्द्रकरण अग्रवाल ने कहा कि भाग्यनगर में पहली बार "श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। अतः सभी श्याम प्रेमी शोभा यात्रा में पधारकर शीश के दानी बाबा श्यामजी का आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि श्याम प्रेमियों द्वारा निशान बुकिंग में उत्साहपूर्वक बुकिंग की जा रही है । निशान बुकिंग करने वाले श्याम प्रेमियों में से श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा द्वारा निशान बुकिंग कूपन के ड्रा दो पुरस्कार दिए जायेंगे ।

प्रथम पुरस्कार के रूप में श्याम प्रेमी दम्पत्ति एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप एक श्याम प्रेमी को हैदराबाद से जयपुर तथा जयपुर से हैदराबाद का हवाई जहाज के टिकट, कार द्वारा जयपुर से खाटू श्यामजी के दर्शन एवं वहाँ रहने व भोजन की व्यवस्था की जायेगी । शोभायात्रा के संयोजक पुरुषोत्तम गोयल ने कहा कि श्री श्याम रथ शोभा यात्रा, रविवार 23 फरवरी को प्रातः 7.01 बजे माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार से विशेष रथ में श्री श्याम बाबा को विराजमान कर, चाँदी की छत्तर, बाबा की अर्जी, मोर छडी से सुशोभित निशान के साथ गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन करती हुई बेगम बाजार छतरी, बेगम बाजार किराणा मार्केट सिद्दीअम्बर बाजार, गौलीगुडा, चादरघाट, निम्बाली अड्डा क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा पहुँचेगी । विभिन्न भजन गायक, अपनी-अपनी वाणी में भजन प्रस्तुत करेंगे । श्री श्याम रथ शोभा यात्रा के अन्तर्गत श्री श्याम मंदिर,काचीगुडा में श्याम प्रेमियों द्वारा चढाए गए निशान, चाँदी छत्तर, बाबा की अर्जी, मोर छड़ी को श्याम प्रेमी 25 से 28 फरवरी तक श्री श्याम मंदिर से अपना निशान बुकिंग कूपन देकर वापस प्राप्त कर सकेंगे । रथ शोभा यात्रा के मार्ग में अभी तक 25 स्वागत मंच स्थापित करने के लिए अनुमति प्रदान की गई है । यात्रा के अन्तर्गत स्वागत मंचो के द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया जायेगा। यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन किया गया है । उन्होंने सभी समितियों के सदस्यों से अपने-अपने दायित्व को अच्छें से निर्वहन करने का आग्रह किया।

वाइस चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल ने सभी श्याम प्रेमियों से सपरिवार यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया ।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा की यात्रा शान्तिपूर्वक, भक्तिभाव से निर्विघ्न सम्पन्न हो। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष चन्द्रकान्त डाकोतिया ने कहा कि फाल्गुन मास श्याम प्रेमियों के लिए विशेष स्थान रखता है । इस माह बाबा को भक्तों द्वारा निशान चढाकर अर्जी दी जाती है। हारे का सहारा बाबा श्याम अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं।

दिव्यांग छात्र-छात्राओं के नाम जागरण कल

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिरमगुड़ा स्थित सीरवी समाज आईमाता जी मंदिर (बडेर) तेलंगाना आईलापुर में बुधाराम काग ने बताया कि एक शाम अनाथ एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान प्रसिद्ध भजन गायक मुकेश डांगी एण्ड पार्टी, बाल कलाकार राकेश वैष्णव रात्रि में मारवाड़ी भजनों की प्रस्तुतियां देंगे वहीं मंच का संचालन जेठूसिंह राजपुरोहित द्वारा किया जाएगा। इसी अवसर पर पिछले कही वर्षों से संस्थान को सहयोग करने वाले भामाशाहों को संस्था के संस्थापक हुक्माराम भाटी द्वारा सम्मानित भी जाएगा। सत्य प्रेम करुणा सेवा संस्थान, राजस्थान के जोधपुर जिले में पिछले 15 वर्षों से केवल जन सहयोग से चल रही है। यह संस्थान जो कोरोना काल में भजन गायक द्वारा प्रतिदिन लाईव प्रसारण कर के संस्था को चलाया गया था आज संस्था भव्य भवन निर्माण किया जा रहा है सभी भामाशाह द्वारा भवन निर्माण के लिए चढ़ कर बढ़कर भाग लेकर भवन निर्माण जल्दी से जल्दी किया जाएगा।

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज युवा समिति के नेतृत्व में, छत्रपति शिवाजी महाराज जंयती उत्सव-2025 धूमधाम से मनाया गया। राम मंदिर, रामबाग, अत्तापूर, राजेंद्रनगर, आर.आर. डिस्ट्रिक्ट में आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज जंयती उत्सव कार्यक्रम में अधिकांश गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया उनमें मराठा नवयुवक मण्डल के प्रमुखगण एवं तत्संबंधित गणमान्य व्यक्तिगण भी शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शुभमन गिल क्यों बनाए गए टीम इंडिया के उपकप्तान? रोहित शर्मा ने खोला राज

aखेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया एक बार फिर से आईसीसी खिताब पर कब्जा करने के लिए बेताब है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को दुबई में खेलेगी। शुभमन गिल को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का उपकप्तान बनाया गया है। इसको लेकर काफी सवाल उठ रहे थे लेकिन मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने टीम पर उठ रहे सभी सवालों के जवाब दिए हैं और इस बात का खुलासा भी किया है कि गिल को टीम का उपकप्तान क्यों बनाया गया है।

गिल को लेकर रोहित का बड़ा बयान

शुभमन गिल को उपकप्तान बनाए जाने को लेकर रोहित ने कहा, "गिल एक क्लास प्लेयर हैं और उनके आंकड़े कमाल के हैं। उनको टीम के उपकप्तान बनाए जाने के पीछे कारण है।" शुभमन गिल टेस्ट और टी20 में भले ही टीम इंडिया के लिए प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं लेकिन वनडे क्रिकेट में मौजूदा समय के बेहतरीन खिलाड़ियों में गिना जाता है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कितने तैयार गिल?

वनडे क्रिकेट में शुभमन गिल के आंकड़े बेहद ही शानदार रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले हुई इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका बल्ला जमकर गरजा था। तीन मैचों में उन्होंने 2 अर्धशतक और एक शतक जड़ अपनी तैयारियां पुख्ता की थी। इसी के साथ सीरीज में गिल ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। 3 मैचों में उनके नाम 259 रन बनाए थे।

वनडे इंटरनेशनल में गिल के आंकड़े

वनडे इंटरनेशनल मैचों में शुभमन गिल 60 से भी ज्यादा की औसत के साथ रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों में से हैं। भारत के लिए उन्होंने अब तक 50 पारियों में 2587 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में वो वनडे में सबसे तेज 2500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के लिए वो एक अहम कड़ी साबित होंगे।

टीम इंडिया से टला बड़ा खतरा, पाक का मैच विनर बाहर!

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को अपना अगला मैच टीम इंडिया के साथ खेलना है। ये मैच 23 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले पाकिस्तान की टेंशन काफी ज्यादा बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे मैच से पहले अब पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका लगा है। पहले मैच में चोटिल होने के बाद स्टार खिलाड़ी भारत के साथ होने वाले मैच से बाहर हो गया है।

फखर जमान चोट के चलते हुए बाहर

पाकिस्तान ने बीते दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेला था। इस मैच में पाकिस्तान टीम के स्टार खिलाड़ी फखर जमान शुरुआत में ही चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उनको मैदान से बाहर जाना पड़ा था। हालांकि, बाद में फखर को बल्लेबाजी करते हुए देखा गया था, लेकिन उस वक्त भी वे थोड़ा असहज दिख रहे थे। रेवस्पोर्ट्ज की रिपोर्ट के मुताबिक अब टीम इंडिया के साथ होने वाले दूसरे मैच से फखर जमान बाहर हो गए हैं। हालांकि रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि फखर का अब आगे ये टूर्नामेंट खेलना मुश्किल है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक फखर जमान 23 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले रोमांचक मुकाबले के लिए टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

उम्मीद है कि आईसीसी जल्द ही उनकी स्थिति के बारे में आधिकारिक घोषणा करेगी। सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक को टूर्नामेंट के शेष मैचों में फखर की जगह लेने की संभावना है।

पहले मैच में खेली थी धीमी पारी

फील्डिंग के दौरान फखर जमान चोटिल हो गए थे, लेकिन बाद में वे बल्लेबाजी करने आए थे। बल्लेबाजी के दौरान उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। इस मैच में फखर ने 41 गेंदों का सामना करते हुए महज 24 रन ही बनाए थे। कई बल्लेबाजों की धीमी पारी पाकिस्तान को ले डूबी।

पाकिस्तान को 60 रन से मिली थी हार

पहले मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड द्वारा जीत के लिए मिले 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम महज 260 रन पर ही ढेर हो गई थी। अब पाकिस्तान के लिए सेनीफाइनल की राह काफी मुश्किल दिख रही है।

बाबर के बचाव में उतरे न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयन स्मिथ

धीमी पारी के लिए फखर जमां को बता दिया जिम्मेदार

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की शुरुआत बेहद खराब रही है. पहले मैच में उसे 321 रन चेज करने थे लेकिन पूरी टीम 260 रन पर ढेर हो गई. बाबर आजम पाकिस्तानी टीम की इस दुर्दशा का सबसे बड़े विलेन साबित हुए. उन्होंने अपनी धीमी पारी से पूरी टीम को दबाव में डाल दिया, जिसका नतीजा रहा कि मिडिल और लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के चक्कर में आउट हो गए. उन्होंने 81 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की. ये उनके करियर का सबसे धीमा अर्धशतक है. इस मैच में बाबर महज 70 के स्ट्राइक से 90 गेंद में 64 रन बना सके. लेकिन न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर इयन स्मिथ इसके बावजूद उनके बचाव में उतर आए हैं. बाबर की धीमी

पारी के लिए उन्होंने फखर जमां को जिम्मेदार ठहरा दिया है.

स्मिथ का चौंकाने वाला बयान

पाकिस्तान को कराची में 60 रनों से मिली हार के बाद बाबर आजम की जमकर आलोचना हुई. खासतौर से उनकी स्ट्राइक रेट को लेकर फैंस से लेकर क्रिकेट एक्सपर्ट तक सभी नाराज थे. भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने तो उनकी पारी की तुलना कछुए की चाल से कर दी. लेकिन न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर और कमेंटेटर इयन स्मिथ उनसे अलग राय रखते हैं. उन्होंने कहा 'बाबर ने काफी अच्छा खेला लेकिन चोटिल फखर जमां के कारण वो 15 से 20 क्विक सिंगल और डबल लेने से चूक गए. इसकी वजह से ही उनका स्ट्राइक रेट कम हुआ.' स्मिथ के इस बयान ने सभी को चौंका दिया है.

बता दें फखर जमां चोटिल होने के बावजूद बाबर से ज्यादा तेजी से खेलने की कोशिश कर रहे थे. हालांकि, चोट के चलते वो इसमें सफल नहीं हो सके और 41 गेंद में 24 रन बनाए. लेकिन दूसरे बल्लेबाजों ने बाबर से तेज खेला. पाकिस्तान के उप-कप्तान सलमान अली आगा ने बाबर के सामने सिर्फ 28 गेंदों में 42 रन ठोक दिए. आखिर में खुशदिल शाह ने 49 गेंदों में 69 रन बनाए. यहां तक कि गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी 10 गेंदों में 19 रन बनाए. लेकिन बाबर ऐसा नहीं कर सके.

बाबर ने फिफ्टी के पूरा करने में खेले 49 डॉट

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान को एक तेज शुरुआत की जरूरत थी. लेकिन सउद शकील के साथ मिलकर ऐसा करने में बाबर असफल रहे. टीम की जरूरत के उलट उन्होंने कछुए की चाल जैसी सुस्त पारी खेली. उनके रहते हुए पहले 10 ओवर में पाकिस्तान की टीम महज 22 रन बना सकी थी.

बाबर पावरप्ले का फायदा नहीं उठा सके. इसके बाद जब कुछ विकेट गिरे तो बाबर ने बड़े शॉट खेलने का रिस्क उठाना ही बंद कर दिया. 16वें ओवर से 32वें ओवर के बीच बाबर ने कुल 45 गेंदों का सामना किया और एक भी बाउंड्री नहीं लगा सके. वहीं उन्होंने 81 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें से 49 गेंदें डॉट रही थीं.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को हराया, गुरजंत सिंह का गोल रहा निर्णायक

भुवनेश्वर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने गुरजंत सिंह के शानदार मैदानी गोल की मदद से विश्व चैंपियन जर्मनी को एफआईएच प्रो लीग के रिटर्न मैच में 1-0 से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन अंत में गुरजंत का एकमात्र गोल निर्णायक साबित हुआ है। जर्मनी ने इससे पहले मंगलवार को भारत को 4-1 से मात दी थी।

गुरजंत ने खेल के चौथे ही मिनट में गोल कर दिया था। इसके बाद अंतिम समय तक दोनों टीमों की ओर से कोई गोल नहीं हो सका।

भारतीय टीम ने मंगलवार के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए जबरदस्त खेल दिखाया पहले ही मिनट से भारत ने दबदबा बना लिया और चौथे क्वार्टर के अलावा जर्मन टीम को हमले करने के मौके ही नहीं दिए।

जर्मनी को आखिरी क्वार्टर में पांच और कुल सात पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय डिफेंस काफी मुस्तैद दिखा। भारत को भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन उन पर गोल नहीं हो सके।

राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीवनजी-राणा ने बिखेरा जलवा, स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता दीप्ति जीवनजी ने राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 दौड़ में स्वर्ण पदक जीता जबकि सोमन राणा ने पेरिस खेलों के स्वर्ण पदक विजेता होकातो सेमा को एफ57 शॉटपुट में हराकर स्वर्ण अपने नाम किया। मौजूदा विश्व चैंपियन जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में 57.85 सेकंड का समय निकालकर पीला तमगा जीता। हरियाणा की पूजा को रजत और हरियाणा की ही भुवी अग्रवाल को कांस्य पदक मिला।

पुरूषों के एफ57 शॉटपुट में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी राणा ने पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सेमा को हराकर 14.42 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता। सेमा 13.53 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। एसएससीबी के शुभन जुयाल को कांस्य पदक मिला।

पुरूषों की ऊंची कूद टी45. टी46 और टी47 वर्ग में हरियाणा के विकास ने स्वर्ण जीता। तमिलनाडु के शेख अब्दुल को रजत और हिमाचल के निषाद कुमार को कांस्य मिला।

भारत के स्टार शटलर सात्विक साईराज के पिता का निधन, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पिता आर कासी विश्वनाथम का गुरुवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सात्विक इस समय 43वें पीएसपीबी अंतर इकाई बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। उन्हें गुरुवार को प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार मिलना था। उनके पिता को भी इस समारोह में भाग लेना था लेकिन इससे पहले ही उनका निधन हो गया। उनके पिता सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षा शिक्षक थे। परिवार के एक करीबी सूत्र ने कहा, 'यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि सात्विक के पिता का आज सुबह निधन हो गया।' अमलापुरम का रहने वाला यह 24 वर्षीय खिलाड़ी आज दोपहर आंध्र प्रदेश में स्थित अपने घर के लिए रवाना हो जाएगा।

सात्विक ने चिराग शेट्टी के साथ मजबूत पुरुष युगल जोड़ी बनाई है। इस जोड़ी ने 2022 में एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में तथा 2023 में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। यह जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल करने और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय युगल जोड़ी है।

44 साल की उम्र में वीनस विलियम्स की कोर्ट पर वापसी, इंडियन वेल्स में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला

कैलिफोर्निया, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वीनस विलियम्स को अगले महीने इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है जो इस 44 वर्षीय खिलाड़ी का पिछले एक साल में पहला टूर्नामेंट होगा।

सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने 19 मार्च, 2024 को मियामी ओपन के पहले दौर में हार के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है।

वीनस ने पहली बार 1994 में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में भाग लिया था। उनके नाम पर विंबलडन में पांच और अमेरिकी ओपन में दो एकल खिताब दर्ज

हैं। वीनस ने इसके साथ ही अपनी छोटी बहन सेरेना के साथ मिलकर 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीते हैं।

जिन अन्य खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है उनमें दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्वितोवा भी शामिल हैं जो अपने पहले बच्चे को जन्म देने के कारण 15 महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं।

दुबई चैंपियनशिप में बेरेटिनी से हारे जोकोविच, मुकोवा के खिलाफ हारी राडुकानु

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच मंगलवार को कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में मातियो बेरेटिनी के हाथों शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे सर्बिया के जोकोविच को सीधे सेट में 6-7, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी 37 वर्षीय जोकोविच की इटली के खिलाड़ी के खिलाफ पांच मैच में यह पहली हार है। जोकोविच को अब एटीपी टूर पर 100 खिताब जीतने वाले जिमी कोनर्स (109) और रोजर फेडरर (103) के क्लब में शामिल होने के लिए और इंतजार करना होगा।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन पैर की मांसपेशियों की चोट के कारण उन्हें एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मैच के बीच से हटना पड़ा। जोकोविच ने कहा कि उन्हें कोई दर्द या परेशानी महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ एक बेहतर खिलाड़ी से हार गया। मैं अपने वांछित स्तर पर नहीं था और यह हो सकता है कि मैं अब भी उस तरह से मूव नहीं कर पा रहा हूं जैसा कि मैं चाहता हूं। लेकिन मैं बिना दर्द के खेला इसलिए इसमें कोई बहाना नहीं है।' बेरेटिनी ने अपने करियर में 10वीं बार शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ जीत हासिल की और दूसरे दौर में टेलोन ग्रीक्सपूअर का सामना करेंगे। मंगलवार को ही दूसरे वरीय एलेक्स डि मिनोर ने रोमन सफीउलिन को 6-1, 7-5 से हराया। वहीं, ब्रिटेन की ऐमा राडुकानु को दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में कैरोलिन मुकोवा के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा।

राडुकानु ने दूसरे सेट में 0-4 से पिछड़ने के बाद सेट को टाईब्रेकर में खींचा लेकिन मुकोवा को 6-7, 4-6 से जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाईं। अमेरिकी ओपन 2021 चैंपियन राडुकानु मंगलवार को दूसरे गेम के बाद अंपायर की कुर्सी के पास जाते समय रोती हुई दिखाई दीं और कोर्ट दो पर उनके मुकाबले को कुछ समय के लिए रोक दिया गया।

अंपायर ने तुरंत टूर्नामेंट के आयोजकों को बुलाया जबकि मुकोवा ने भी उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद राडुकानु ने एक तौलिया उठाया, अपना चेहरा पोंछा, सिर हिलाया और मैच जारी रखा। महिला टूर के आयोजकों ने बाद में एक बयान जारी कर कहा कि राडुकानु से सोमवार को एक व्यक्ति ने संपर्क किया था जिसने सार्वजनिक स्थान पर 'अड़ियल व्यवहार किया' और मंगलवार को मैच के दौरान पहली कुछ पंक्तियों में इसी व्यक्ति की पहचान की गई और बाद में उसे बाहर निकाल दिया गया। खतरे के आकलन तक उसे सभी डब्ल्यूटीए प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। मुकोवा अगले दौर में दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी मैकार्टनी कैसलर से भिड़ेंगी जिन्होंने उलटफेर करते हुए अमेरिकी ओपन 2023 चैंपियन कोको गॉफ को 6-4, 7-5 से हराया। इससे पहले दूसरी वरीय इगा स्वियातेक ने विक्टोरिया अजारेंका को 6-0, 6-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनकी भिड़ंत गत चैंपियन जैस्मिन पाओलिनी से होगी।

एलेना रिबाकिना, जेसिका पेगुला और पाउला बेडोसा ने भी अगले दौर में जगह बनाई।

फ्रेंच ओपन तक एंडी मरे बने रहेंगे जोकोविच के कोच, 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने जताई खुशी

खेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे फ्रेंच ओपन तक नोवाक जोकोविच के कोच बने रहेंगे। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने मंगलवार को एटीपी टूर के मीडिया चैनल को बताया कि मरे कोच के रूप में उनके साथ बने रहने के लिए सहमत हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले जोकोविच और मरे ने एक साथ काम शुरू किया था और शुरुआत में इसे एक असंभव जोड़ी के रूप में देखा गया था। पिछले साल मरे के संन्यास लेने के बाद जोकोविच ने उनके सामने कोचिंग का प्रस्ताव रखा था। सर्बिया के 37 वर्षीय जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन पैर की मांशपेसियों की चोट के कारण एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मुकाबले के बीच से हट गए। जोकोविच ने कहा- मैंने उनके 7साथ जोड़ी बरकरार रखने की इच्छा व्यक्त की इसलिए मुझे बेहद खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।

'भगवान को धन्यवाद', तलाक की खबरों के बीच युजवेंद्र चहल की नई पोस्ट ने किया हैरान

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत टीम के स्टार क्रिकेटर युजवेंद्र चहल लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर हैं। वो इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि चहल और उनकी पत्नी के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। इस सबके बीच चहल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जहां उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया है। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रही है।

चहल ने स्टोरी में क्या लिखा?

इसमें उन्होंने लिखा, 'जितना मैं गिन सकता हूं, भगवान ने हमेशा मेरी रक्षा की है। इसलिए मैं केवल उस समय की कल्पना कर सकता हूं, जब मुझे बचाया गया जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं है। हमेशा वहां मौजूद रहने के लिए भगवान का शुक्रिया, तब भी मुझे इसका पता नहीं था।'

इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर चुके हैं दोनों

बता दें कि तलाक को लेकर इस कपल की ओर से अब तक कोई

ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। इन अफवाहों ने तब और जोर पकड़ लिया, जब दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था। हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के अनुसार, चहल के फैंस ने दावा किया है कि उन्हें तलाक होने पर धनश्री वर्मा को 60 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता देना होगा।

ऐसा रहा है चहल का करियर

चहल ने 11 जून 2016 को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था, जहां उन्होंने किफायती बॉलिंग करते हुए एक विकेट झटका। उन्होंने करियर के सिर्फ दूसरे मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके इस प्रदर्शन के दम पर टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

बतौर गेंदबाज उन्होंने अपने वनडे करियर में 72 मैचों की 69 पारियों में 27.13 की औसत से 121 विकेट लिए हैं। बात करें टी-20 की तो इस गेंदबाज के नाम 80 मैचों में 96 विकेट हैं। वो एक समय टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

तेलंगाना की धन्य धरा भाग्यनगर हैदराबाद की पावन भुमी पर

जाट समाज ट्रस्ट

प्लाट नं. 938, रोड नं. 17, विनायका हिल्स कॉलोनी, अलमासगुडा, बी.एन. रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद

॥ प्रभेश्वर महादेव मंदिर ॥

सभी समाज बन्धुओं
अधिक से अधिक
संख्या में पधारकर
कार्यक्रम सफल बनाये

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

21 फरवरी 2025
प्रात : 11.45 बजे से

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
यज्ञ पूर्णाहुती
महाआरती
अतिथि सत्कार
महाप्रसादी

पांच दिवसीय
कथा महोत्सव
की पुर्णाहुती

कथा वाचिका सुश्री
साध्वी सुरज बाई सा

अध्यक्ष

दूदाराम बाबल
9440436047

सरंक्षक

सोहनलाल बांगड़ा
8309954929

सचिव

बाबूलाल पुनिया
9440039902

कोषाध्यक्ष

लिक्माराम खोखर
9441015910

उपाध्यक्ष

कैलाश सारण
8019674392

उपाध्यक्ष

सुखाराम चांगल
9701814192

उपाध्यक्ष

बक्साराम खुड़खुड़ीया
9640426469

उपाध्यक्ष

धर्माराम रियाड़
9849561705

सह सचिव

गोविन्द सागुंण
9908365283

सह सचिव

धन्नाराम जाखड़
9908532628

सह कोषाध्यक्ष

दौलाराम कड़वा
9441168645

खेल मंत्री

गोविन्द खदाव
7416555882

शिक्षा मंत्री

हनुमान छिणंग
9603955000

प्रचार मंत्री

सोहनलाल धायल
9000534690

सलाहकार : जगदीशचन्द्र कुलकधानिया, दिलीप चौधरी, गणपतलाल साहु, भिरदाराम भडियासर, सरदारराम ढाका, जस्साराम टाडा, बुद्धाराम पुनिया, धर्माराम कड़वा, गोपाल खोड़, संग्राम चोटिया, भेराराम भंवरारिया, भंवरलाल पड़ोदा

एरिया मेम्बरः वनस्थलीपुरम् : श्रवण जाखड़, गोपाल मुदियाड़ा, महिपाल भड़ियार शिवरामपट्टी-काटेदानः सुमेर जाखड़, धन्नराज लुमरोड़ कुकटपल्ली-मियापुरः गोर्वधन जाखड़, अणदाराम मुवाल, सिकंदराबाद-सुचित्रा : उगमाराम पुनिया, कालूराम थारोल एल.बी.नगर-मनसुरावाद-एन.टी.आर.नगर : सुगनाराम भालिया, कैलाश कागट उप्पल-नागौल-नागारमः रामनिवास साहु, दिनेश नारदणिया, कानाराम मुन्दियाड़ा अब्दुलापुरमेट-चोटुप्पलः रामलाल लुमरोड़, भरत सारण करमनघाट-बालापुर-मीरपेट-साइदाबादः बुद्धाराम भाम्बु, भीयांराम जवाल तुकुगुडा-महेश्वरम-कोतूरः कालूराम भड़ला, मलाराम जाखड़ इब्राहीमपट्टनम्-मालगाँव-मल्लेपल्लीः मुकेश भाना, बुद्धाराम ग्वाला, धर्माराम भाम्बू भुवनगिरी-आलेर-घनपुरः बाबूलाल खोड़, सम्पत ढाका, दुर्गाराम खोड़ गजवेल-तुपरान-चेंगुटाः महेन्द्र ढाडिया, तुलसाराम थारोल

श्री प्रतिष्ठा में न्युज पेपर ऐड के लाभार्थी

काणीया परिवार

चेनाराम काणिया

संतोषदेवी काणिया

रामनिवास काणिया

गणकीदेवी काणिया

राकेश काणिया

मरुधर में गाँव फुलमाल, (काणीया कृषि फार्म)
तहसील जैतारण, जिला - ब्यावर (राज.)
फोन : 8302653611, 9705849149

21 फरवरी को अपने प्रतिष्ठान बंद रख इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यकम में सपरिवार पधारकर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाये

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.